जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 308 प्रभात बीकानेर, शनिवार 31 मई, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

मोदी अपने मंत्रिमण्डल में फेरबदल शीघ्र ही करेंगे?

''ड्रीम टीम'' बनाने का प्रयास है, कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनावों के पहले

- चर्चाओं के अनुसार, अपनी पार्टी में अनदेखी से क्षुब्ध कई कांग्रेस के नेताओं को भी मोदी अपनी टीम में लेना चाहते हैं।
- ''ड्रीम टीम'' में शशि थरूर को भी विदेश मंत्री का पद ऑफर हो सकता है। कांग्रेस में काफी बेचैनी है, इस ''ऑफर'' की संभावना से।
- सलमान खुर्शीद व मनीष तिवाड़ी भी उन नेताओं के नामों की सूची में काफी ऊपर हैं, जो पार्टी के मत से भिन्न अपना मत रखते हैं। क्या मोदी इन नेताओं द्वारा सार्वजनिक रूप से करीब-करीब भाजपा की नीति का समर्थन व्यक्त करने, का भी राजनीति लाभ उठायेंगे।
- उदाहरण के लिए, मनीष तिवाड़ी का नाम कांग्रेस ने अपनी सूची में नहीं रखा था, पर, मोदी ने उन्हें भी भारत के ''ऑपरेशन सिंदूर'' को समझाने के लिए, विदेशों में भेजे गए प्रतिनिधि मंडल में शामिल किया है, और, चर्चाओं के अनुसार, मनीष तिवाड़ी ने ऑफर स्वीकार करने के बारे में अपनी स्वीकृति भी दे दी है।
- सलमान खुर्शीद ने भी हाल ही में इंडोनेशिया यात्रा के दौरान आर्टिकल 370 को रद्द करने के निर्णय को सही बताया, तथा कश्मीर के विधान सभा चुनाव में 65 प्रतिशत वोट पड़ने को सराहनीय बात बतायी। उनकी इस टिप्पणियों से भी कांग्रेस क्षुब्ध है, तथा भाजपा प्रसन्न।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। जैसे-जैसे राष्ट्रीय राजधानी में राजनीतिक तापमान बढ रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। सत्ता के गलियारों से जुड़े सूत्रों का कहना है कि देश जल्द ही एक ''ड्रीम टीम'' को देख सकता है, जिसमें कुछ नए चेहरे केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रमुख भूमिकाएं निभा सकते हैं।

इन घटनाक्रमों के बीच, राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जोरों पर है कि केरल से कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद शशि थरूर को विदेश मंत्री जैसे हाई-प्रोफाइल पद की पेशकश की जा सकती है। यह नामांकन कथित तौर पर टेबल पर शुरु हो गया है, हालांकि इसका विवरण सामने नहीं आया हैं। लेकिन इन अटकलों ने पहले से ही आंतरिक संघर्ष और नीति-संबंधी पहचान के संकट से जूझ रही कांग्रेस पार्टी में हलचल मचा दी है।

थरूर द्वारा हाल ही में विवादास्पद ''ऑपरेशन सिंदूर'' का सार्वजनिक समर्थन किया, जो कि एक सांस्कृतिक संपर्क अभियान है और जिसे कांग्रेस नेता बिहार चुनावों से पहले भाजपा की सांप्रदायिक वोट-बैंक रणनीति के हिस्से के रूप में देखते हैं। थरुर के बयान ने पार्टी के भीतर दरार को और गहरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

समरावता उपद्रव प्रकरण में नरेश मीणा को जमानत नहीं

जयपुर, 30 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान एसडीएम को थप्पड़ मारने के बाद समरावता में हुए उपद्रव प्रकरण में आरोपी नरेश मीणा को जमानत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस प्रवीर

- देवली-उनियारा विधानसभा उपचनाव के दौरान व बाद में हुए उपद्रव में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा पर कई मामले दर्ज हुए थे। तथापि, एस. डी. एम. को थप्पड़ मारने के मामले में मीणा को राहत मिली है।

भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश नरेश मीणा की द्वितीय जमानत याचिका को खारिज करते हुए दिए। दूसरी ओर जस्टिस अनिल उपमन ने थप्पड़ कांड में मीणा को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

जस्टिस प्रवीर भटनागर ने जमानत याचिका को खारिज करते हुए कहा कि अदालत ने गत 14 फरवरी को याचिकाकर्ता को जमानत देने से इनकार कर दिया था। उसके बाद केस की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने शशि थरूर के नाम पर अपनी मोहर न लगाकर गल्ती करी?

शशि थरूर के भारत के ऑपरेशन ''सिंदूर'' के बारे में वाशिंगटन में दिए गए प्रस्तुतिकरण को काफी प्रभावशाली माना गया। पर, कांग्रेस को उसका ''क्रैडिट'' नहीं मिला।

- दूसरी ओर ममता बनर्जी ने प्रतिनिधि मंडल में टी. एम. सी. के यूसुफ पठान का नाम देने पर भारी आपत्ति की, और, सरकार को यूसुफ पठान के विकल्प के रूप में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव व ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी का नाम देना पड़ा।
- अभिषेक बनर्जी की यह ''टिप्पणी'' कि, ''आतंकवाद पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान उसकी जननी है, अतः, जननी को मारना ज्यादा जरूरी है, नहीं तो, नये पागल कुत्तों को जन्म देकर जननी इन्हें भारत भेजती ही रहेगी'', बहुत उल्लेखनीय व चर्चित रही।
- अभिषेक बनर्जी, अपनी इस संदर्भ में हुई जापान यात्रा के दौरान रास बिहारी बोस के स्मारक पर भी गये, और स्मारक की टूटी फूटी हालत की ओर भारत के राजदूत का ध्यान आकर्षित किया और जापान सरकार की निगाह में भी लाने का आग्रह किया'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। केरल से कांग्रेस सांसद शशि थरूर को, अमेरिका और अन्य देशों में ऑपरेशन सिंदूर की व्याख्या करने के लिए बनाए गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेता बनाए जाने के मुद्दे पर कांग्रेस खुद असमंजस में फंस गई है।

शशि थरूर को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की अधिकारिक और प्रभावशाली व्याख्या के लिए सर्वत्र प्रशंसा मिली है, वहीं, तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने ''राष्ट्रवाद'' और भाजपा के विरोध के बीच संतुलन साधते हुए बहुत चतुराई दिखाई है। खासकर अभिषेक, सर्वदलीय टीम का हिस्सा बनकर पाकिस्तान की तीव्र आलोचना करके सबकी नज़रों में आ गए हैं।

सरकार द्वारा अपने सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने का विरोध करने से कांग्रेस की स्थिति बड़ी हास्यास्पद हो गई। जबकि ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को तूल नहीं दिया।

उधर, ममता बनर्जी ने जब सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''हम पहलगाम की घटना के पहले की स्थिति में लगभग आ गये हैं''

पाकिस्तान के वरिष्ठतम सेना अधिकारी, जो पकिस्तान के, चेयरमैन ऑफ जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ भी हैं, ने अन्तर्राष्ट्रीय न्यूज़ एजेन्सी ''रॉयटर'' को दिये गये इन्टरव्यू में यह दावा दिया

- जॉइन्ट चीफ ऑफ स्टाफ ने अपने इन्टरव्यू में यह भी कहा कि, 22 अप्रेल की स्थिति तक पहुंच ही गये हैं, और धीरे -धीरे दोनों सेनाएं अपने जवानों का पीछे हटाने का कार्यक्रम जारी करे हुए हैं और हम शीघ्र ही 22 अप्रेल के पहले की स्थिति में शीघ्र पहुंच जायेंगे।
- भारत ने जनरल शाहिर रायशाद मिर्जा के दावे को अभी चैलेन्ज नहीं किया और न ही प्रतिक्रिया व्यक्त की।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 30 मई। इस्लामाबाद ने दावा किया है कि दोनों ही पक्ष अपनी सीमा पर सेना के जमावड़े को कम करके उसी स्तर पर ले जाने के नजदीक हैं, जिस स्तर पर इस माह दोनों पड़ोसियों के बीच संघर्ष छिड़ने से पहले था। लेकिन भारत ने इस मुद्दे पर खामोश बने रहना बेहतर समझा है।

जनरल साहिर शमशाद मिर्ज़ा, जो पाकिस्तान जॉइन्ट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन हैं, ने कहा कि समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, दोनों पक्षों की सेनाओं ने सीमा पर सैनिकों की संख्या कम करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दोनों पक्षों ने पिछले दशकों की सबसे प्रचंड लड़ाई के उन चार दिनों में फाइटर जैट, मिसाइल, ड्रोन तथा आर्टिलरी को काम में लिया था और फिर चार दिन बाद, युद्धविराम की घोषणा हो गई थी।

परमाणु शक्ति संपन्न इन दोनों पुराने दुश्मनों के बीच हुई इस लड़ाई की शुरूआत 22 अप्रैल को कश्मीर में हुए उस आतंकी हमले से हुई, जिसमें 26 लोग मारे गये थे। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे। नई दिल्ली ने इस घटना के लिए पाक-समर्थित ''आतंकियों'' को जिम्मेवार ठहराया था। इस्लामाबाद ने भारत के इस आरोप का खंडन किया था।

सात मई को, भारत ने सीमा पार के ''आतंकियों के ठिकानों'' पर मिसाइलें दागी थीं तथा पाकिस्तान ने जवाबी हमले किए थे। दोनों देशों ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नीट पीजी परीक्षा एक ही पाली में कराएं'

नयी दिल्ली, 30 मई। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 15 जून से होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी) 2025 दो की बजाय एक ही पाली में आयोजित कराने का शुक्रवार को निर्देश दिया।

- सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल बोर्ड ऑफ एग्ज़ामिनेशन को यह निर्देश दिया। साथ ही कहा कि इसके लिए आवश्यक प्रबंध हेतु वे परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने का आवेदन कर सकते हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने याचिकाकर्ता अदिति और अन्य की याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद इस नीट पीजी को आयोजित करने वाली संस्था नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स के एक्सपैंशन को लेकर राजनीति काफी गरम है

आंध्र प्रदेश चाहता है, यह ''एक्सपैंशन'' अब कर्नाटक के बजाय आंध्र में हो, जबकि कर्नाटक की सभी पार्टियों की इस बारे में एक राय है, कि, 'एक्सपैंशन प्रोजेक्ट' कर्नाटक के बाहर जाने का मतलब नहीं है।

- पर, कर्नाटक को भय है, कि वह लड़ाई हारेगा, क्योंकि, मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू के समर्थन पर ही केन्द्रीय सरकार टिकी हुई है, अतः कोई आश्चर्य की बात नहीं कि केन्द्रीय सरकार, 'एक्सपैंशन प्रोजेक्ट' को आंध्र शिफ्ट कर दे।

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। आंध्र प्रदेश, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के विस्तार कार्यक्रम को अपने राज्य में स्थानांतरित कराने की बड़ी कोशिश कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कम्पनी दशकों पहले पड़ोसी राज्य कर्नाटक में स्थापित की गई थी। बीते छह महीनों से यह परियोजना काफी चर्चा में रही है, क्योंकि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू इस परियोजना के कुछ हिस्सों को आंध्र में स्थापित करना चाहते हैं। वह विमानन क्षेत्र को एक प्रमुख उद्योग और रोजगार सृजन के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में देखते हैं।

स्वाभाविक रूप से इस प्रस्ताव ने कर्नाटक में भी भारी राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है, जहां सभी राजनीतिक दल इस संस्था को पूरी तरह राज्य में बनाए रखने के पक्ष में हैं और किसी भी हिस्से को किसी अन्य राज्य को देने के सख्त खिलाफ हैं। कर्नाटक में सत्तारुढ़ पार्टी होने के कारण, कांग्रेस इस पर काफी चिंतित है, उसे लगता है कि केन्द्र सरकार राजनीतिक मजबूरियों के चलते आंध्र प्रदेश को प्राथमिकता दे सकती है, क्योंकि तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) केन्द्र में उसकी एक अहम सहयोगी है।

समझा जाता है कि हाल ही में चंद्रबाबू नायडू और नीति आयोग की बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। सार्वजनिक क्षेत्र की इस प्रमुख कंपनी के कुछ कार्यों को आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित करने का उनका अनुरोध कर्नाटक में चिंता का कारण बन गया है।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के इस अनुरोध का तीव्र विरोध किया और इस तरह के आइडिया मात्र की भी आलोचना की।

और केवल उपमुख्यमंत्री ही नहीं, बल्कि उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल सहित कई वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों ने भी इस अनुरोध की कड़ी निंदा की।

डी.के. शिवकुमार ने कहा, बेंगलुरु एचएएल का मुख्यालय है और यह राज्य का औद्योगिक गौरव है और इसे स्थानांतरित करने की मांग संघीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। उद्योग मंत्री पाटिल ने भी इस विचार और अनुरोध का सख्त विरोध किया।

शिवकुमार ने घोषणा की कि कर्नाटक किसी भी ऐसी सुविधा को स्थानांतरित नहीं होने देगा, जो राज्य में चल रही है। उन्होंने कहा, एक सरकार के रूप में हम किसी भी चीज़ को स्थानांतरित नहीं होने देंगे।

शिवकुमार ने बताया कि कर्नाटक पहले ही एचएएल के विस्तार, विशेष रूप से टुंकुरु में इसके हेलीकॉप्टर डिवीजन के लिए ज़मीन दे चुका है। उन्होंने एचएएल के साथ राज्य के गहरे संबंधों पर जोर देते हुए कहा, जहां तक कर्नाटक की बात है, यह हमारा गौरव है। हमारे पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू जी ने यह हमें दिया, यह हमारा आधार है। बीदर भी, बेंगलुरु के अलावा, एक और बेस है। कर्नाटक में केवल बेंगलुरु में ही एचएएल के दो हवाई अड्डे हैं - एक येलहंका में और एक एचएएल परिसर में।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वर्ष 2026 के अंत तक पूरा बन जाएगा भव्य राम मंदिर'

अयोध्या, 30 मई। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने उम्मीद जाहिर की कि अगले वर्ष तक अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण पूरा हो जायेगा।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर

- श्री रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने यह उम्मीद जताई और बताया कि 3 से 5 जून के बीच राम मंदिर में राम दरबार सहित 8 मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

पर प्रेस क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में राय ने शुक्रवार को कहा कि तीन से पांच जून के बीच राम मंदिर में राम दरबार समेत सभी आठ मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जायेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''सिंदूर'' शब्द पर ममता बनर्जी की टिप्पणी काफी हल्की लगी जनता को

ममता बनर्जी ने कहा, ''क्या मोदी सभी भारतीय स्त्रियों के पति हैं। मोदी पहले अपनी पत्नी की मांग में तो सिंदूर लगायें''

- ममता बनर्जी का यह तीखा व्यंग उस समय शुरू हुआ, जब, मोदी ने बंगाल में पार्टी का चुनाव अभियान शुरू करते हुए, अलीपुर अतिद्वार में आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, आज उस स्थान से अपनी पार्टी का चुनाव अभियान की शुरूआत कर रहे हैं, जहां विजयदशमी को महिलाएं ''सिंदूर खेला'' करती हैं, एक दूसरे के सिंदूर लगाकर।
- ममता बनर्जी अपनी फूहड़ भाषा के लिए तो जानी जाती हैं, पर, इस बार मोदी के भाषण के बाद उनकी प्रतिक्रिया तुरंत व बेहद विषैली आयी, क्योंकि उन्हें लगा कि मोदी पर टिप्पणी का, जनता पर, अच्छा प्रभाव पड़ेगा।
- पर, यह भी सच है कि, जब तक ममता बनर्जी सरकार में हैं, और पुलिस व कानून-व्यवस्था विभाग उनके पास हैं, उन्हें हराना बहुत ही मुश्किल है, क्योंकि वो ही लोग वोट कर पाते हुए दिखेंगे जो तृणमूल के समर्थक हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में जनसभा को संबोधित करने के साथ, 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार की शुरुआत की। उत्तर बंगाल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का गढ़ माना जाता है और गत कुछ चुनावों में इस क्षेत्र की अधिकांश सीटें भाजपा ने जीती थीं।

इस कदम को भांपते हुए राज्य की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखी बयानबाजी की। हालांकि, उनके बयान का स्तर गिर गया, उन्होंने न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया, बल्कि प्र.मंत्री पर व्यक्तिगत हमला भी किया। भाजपा ने ममता बनर्जी के इस व्यवहार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने शिष्टता की सारी सीमाएं पार कर दी हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें पाकिस्तान के आतंकी अड्डों पर भारत ने विनाशकारी कार्रवाई की, जिसमें कई बड़े सैन्य ठिकाने भी तबाह कर दिए गए। अपनी बात पर और जोर देते हुए उन्होंने कहा कि वे सिंदूर खेला की भूमि पर आए हैं और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों का सफाया किया।

सिंदूर खेला बंगाल की परंपरा है, जिसमें महिलाएं विजयादशमी के दिन एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर दुर्गा पूजा के उत्सव का समापन करती हैं। यह टिप्पणी स्थानीय भावनाओं को संबोधित करने के उद्देश्य से की गई थी।

यह देखकर कि प्रधानमंत्री का बयान स्थानीय लोगों को अच्छा लग सकता है, ममता बनर्जी ने इस पर तीखा पलटवार किया और प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया कि वह सिंदूर को राजनीतिक हथियार बना रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सभी के पति नहीं हैं। उन्हें दूसरों को सिंदूर की बात करने के बजाय पहले अपनी पत्नी को सिंदूर लगाना चाहिए।

ममता बनर्जी अपने उद्दण्ड आचरण और असभ्य भाषा के लिए जानी जाती हैं, इसलिए उनके द्वारा ऐसी भाषा का इस्तेमाल आश्चर्य की बात नहीं है। लेकिन प्रधानमंत्री के निजी जीवन पर उनकी टिप्पणी को अभद्रता का चरम माना गया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और कई अन्य नेताओं ने ममता बनर्जी के इस बयान की कड़ी आलोचना की। हालांकि बंगाल में ममता बनर्जी के कथित लापता पति को लेकर भी कई किस्से प्रचलित हैं, जिन्हें लेकर अक्सर चर्चाएं होती रहती हैं।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में बंगाल की विभिन्न समस्याओं को भी उजागर किया, जिनमें युवाओं के लिए रोजगार का अभाव प्रमुख था। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है। मुर्शिदाबाद और माल्दा में हाल ही में हुए सांप्रदायिक दंगों से यह बात एकदम स्पष्ट हो जाती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहलगाम आतंकी हमले के शहीद शुभम के परिजनों से मिले प्र.मंत्री

कानपुर, 30 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात की।

- प्र.मंत्री मोदी ने कानपुर के चकेरी हवाई अड्डे पर शुभम के माता-पिता व पत्नी से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया।

कानपुर को विकास परियोजनाओं की सौगात देने पहुंचे मोदी ने एयरपोर्ट पर ही शुभम की पत्नी ऐशन्या, मां सीमा और पिता संजय द्विवेदी से करीब आठ मिनट तक बातचीत की।

शुभम के चाचा मनोज द्विवेदी ने बताया कि मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री भावुक हो गए। इस दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

''जीवन के अच्छे दिनों में कभी भी उन लोगों को ना भूले जो जीवन के बुरे दिनों में आपके साथ थे।''- अरविन्द कटोच

केवल पुलिस सब इंस्पेक्टर्स की भर्ती निरस्त करने मात्र से क्या होगा, रोग की जड़ों का इलाज भी जरूरी है?

पुलिस सबइंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 के जरिये 859 पीएसआई भर्ती होने थे।परीक्षा के तुरंत बाद से ही यह आरोप लगातार लगे कि परीक्षा के पेपर लीक हुए।पेपर ही लीक नही हुए,बहुत से आवेदको की जगह दूसरे व्यक्तिय परीक्षा में बैठे।आवेदन के साथ दस्तावेज भी नकली-फेक लगाए।ऐसे डमी परीक्षार्थी पास भी हुए और पीएसआई बनने के लिए चयनित भी हुए। पीएसआई भर्ती परीक्षा के लिए 8 लाख के करीब युवकों में आवेदन किया और 3 लाख 80 हजार के करीब आवेदकों में परीक्षा दी थी। यह आंकड़ा बेरोजगारी की भयावह स्थिति की ओर इशारा करता है। ज्यादा धरना-प्रदर्शन होने पर, उस समय विपक्ष में और अब सत्ता पक्ष के वरिष्ठ राजनेताओं द्वारा इस परीक्षा की सुचिता पर बार बार प्रश्न उठाने पर और कुछ सबूत सम्बंधित अधिकारियों के सामने रखने पर भी पूर्ववर्ती सरकार नें कोई जांच नही करवाई। चयनितों को पोस्टिंग ऑर्डर्स भी दे दिए।

वर्तमान सरकार नें चुनाव के समय इस प्रकार के सारे भर्ती फर्जीवाड़े को एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया था। इस कारण सरकार को गहन जांच के लिए सारा प्रकरण पुलिस की शाखा एसओजी (स्पेशल ओप्रेसन ठ्रुप)को सौंपना पडा।अभी तक इस मामले में 53 प्रशिक्षु सब इन्सपेक्टर्स के साथ साथ इस फर्जीवाड़े में सहायक 103 दूसरे व्यक्ति गिरफ्तार हो चुके।

अभी तक कि जांच से इतना साफ हो चुका है कि पीएसआई परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपर लीक हुए, चयनित व्यक्तियों के लिए परीक्षा डमी लोगों ने दी। एसओजी में जो हेल्पलाइन जारी की थी उस पर हजारों की संख्या में शिकायतें,आपत्तियां आई है। इस भर्ती में फर्जीवाड़े को लेकर वर्तमान सरकार के एक बड़े राजनेता नें शुरू से विरोध किया।उनका ही कथन सही मानें तो उन्होंने बहुत से अहम सबूत सरकार व एसओजी को दिए है।

अब इस भर्ती से हुई नियुक्तियों का बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोप-) विरोध कर रही है जिसने इस मुद्दे पर विधान सभा के घेराव की भी चेतावनी दी है। इस मुद्दे का एक अन्य पक्ष भी है। चयनित पीएसआई लोगों से सहानुभूति रखने वाले उनके परिजन व मित्र लोग भी धरना प्रदर्शन कर सरकार से मांग कर रहे हैं कि जो चुने गए है उनमें बहुत से, बिना पेपर लीक का सहारा लिए, अपनी योग्यता के आधार पर चुने गए हैं। इन लोगों में ऐसे बहुत से लोग है जो पहले से विभिन्न सरकारी विभागों में सेवारत रहे है। ऐसे निर्दोष लोगों की नोकरियों पर कोई खतरा नहीं होना चाहिए। अब यक्ष प्रश्न है कि चयनितों में से यह कैसे छंटनी हो कि किन लोगों ने पेपर लीक का फायदा उठाया और किन लोगों ने नहीं?

इसी बात की जांच लगातार एसओजी कर रही है। ऐसा माना जा रहा है कि एसओजी ने जांच के आधार पर यह माना है कि इस परीक्षा में पड़े पैमाने पर धांधली हुई थी और इस परीक्षा को निरस्त कर पुन: परीक्षा की सिफारिश की है।इस पर मंत्रिमंडल का निर्णय शेष है।प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।सरकार का जो भी निर्णय होगा उसका परीक्षण उच्च न्यायालय में होना ही है। लेकिन बात केवल पुलिस सब इंस्पेक्टर्स की भर्ती की नहीं है,यह बीमारी बड़ी है।सत्ताधारी लोग की सरकारी कर्मचारियों की नियुक्तियों व पोस्टिंग में सदा से ही चलती रही है। यह कुछ जनहित में होता है और कुछ स्व हित में होता है। 1998 से पहले भी यह बीमारी थी किंतु बड़े रूप में नहीं फैली थी।सत्ता के नजदीक के लोगों की कुछ सिफारिशें मानी जाती थी और कुछ प्रशासन के हित में नहीं मानी जाती थी।

1998 में डिजायर नाम की एक बीमारी ने व्यापक रूप धारण कर लिया। समय के साथ बीमारी कम होने के बजाय ओर अधिक बढ़ती गई।डिजायर संस्कृति का सार यह था कि स्थानीय विधायक या उस क्षेत्र के अन्य प्रभावशाली नेता जो सत्तासीन समूह के मर्जीदान थे उन्हें उनके क्षेत्र में कर्मचारियों के स्थानांतरण,पोस्टिंग करवाने में खुली छूट दे दी गाई। किस नेता के कहने से किस महकमे में ट्रांसफर आदि होते है ,यह गली मोहलों व बाजारों में चर्चा के विषय हो गए। लोकल लेवल के बाद बीमारी ने बड़े स्तर भी फैलना शुरू किया।संवैधानिक व वैधानिक संस्थाओं में शीर्ष पदों पर नियुक्तियों में सिफारिशें,अपना-पराया और काम का आदमी आदि पैमाने आधार बन गए।

अभी तक कि जांच से इतना साफ हो चुका है कि पीएसआई परीक्षा में बड़े पैमाने पर पेपर लीक हुए, चयनित व्यक्तियों के लिए परीक्षा डमी लोगों ने दी। एसओजी में जो हेल्पलाइन जारी की थी उस पर हजारों की संख्या में शिकायतें, आपत्तियां आई है। इस भर्ती में फर्जीवाड़े को लेकर वर्तमान सरकार के एक बड़े राजनेता नें शुरू से विरोध किया। उनका ही कथन सही मानें तो उन्होंने बहुत से अहम सबूत सरकार व एसओजी को दिए है। अब इस भर्ती से हुई नियुक्तियों का बड़े पैमाने पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी विरोध कर रही है जिसने इस मुद्दे पर विधानसभा के घेराव की भी चेतावनी दी है। इस मुद्दे का एक अन्य पक्ष भी है। चयनित पीएसआई लोगों से सहानुभूति रखने वाले उनके परिजन व मित्र लोग भी धरना प्रदर्शन कर सरकार से मांग कर रहे हैं कि जो चुने गए है उनमें बहुत से, बिना पेपर लीक का सहारा लिए, अपनी योग्यता के आधार पर चुने गए हैं।

नियुक्त होने वालों के कार्य कुशलता व क्षमता,उनकी व्यक्तिगत व संस्थागत निष्ठा आदि गौण हो गए।आरपीएससी, सेवा चयन बोर्ड आदि में नियुक्तियों इन्हीं उपरोक्त वर्णित पैमानों के आधार पर होने लगी।कौन सदस्य किस नेता का आदमी है अथवा कौन से ट्रैक से नियुक्त हुआ है,आम चर्चा के विषय हो गए।इस में नीचे से लेकर शीर्ष तक कड़ियां जुड़ गई। इन संस्थाओं के सदस्यों ,वरिष्ठ अधिकारियों से मिलीभगत कर पेपर लीक होने लगे।पेपरलीक करने वालों और कुछेक कोचिंग संस्थाओं वालों के गिरोह सक्रिय हो गए। परिणाम यह हुआ कि 2018 से 2023के बीच अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं की सुचिता पर प्रश्न चिन्ह लगे।फेक दस्तावेजों, डमी कैंडिडेट्स के माध्यम से कई लोग सरकारी नौकरियों में नियुक्ति पा गए और सही अभ्यर्थियों को उनकी सज्जनता का दंड मिल गया। पीएसआई भर्ती के अतिरिक्त शारीरिक शिक्षक भर्ती,व्याख्याता भर्ती परीक्षा 2022,वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा 2022,लेवल 1 अध्यापक भर्ती परीक्षा 2018, प्रयोगशाला सहायक परीक्षा2018-19 तथा शिक्षा विभाग की अन्य भर्तियों में व्यापक गड़बड़ियों के आरोप लगे। अब आरोप तो सर्वविदित है। क्या राजनीतिक दलों के बयानवीर नेताओं में बयान भी खूब जारी किए किंतु क्या 2,4 भर्ती परीक्षाएं निरस्त हो जाएं या गहन जांच के बाद 100-50 को नौकरी से बर्खास्त हो जाए तो इस से रोग का अच्छा उपचार हो जाएगा? क्या रोग जड़ों से खत्म हो जाएगा या कम से कम लंबे अरसे तक रिपीट तो नहीं होगा? नहीं ,ऐसा नहीं होगा। जब तक नौकरियों के लिए परीक्षाएं,साक्षात्कार लेने वाली संस्थाओं में योग्य,निष्ठावान अध्यक्ष,सदस्य व वरिष्ठ अधिकारी नहीं लगाएंगे तब तक एक बार जो बीमारी फैली है उसे जड़ों से खत्म करना मुश्किल होगा। सरकार के पास अधिकारियों का बड़ा बेड़ा होता है और उसमें योग्य निष्ठावान अधिकारी भी बहुत है। केवल ध्यान से,निष्पक्षता से चयन करना होगा,सिफारिशें को दर किनार करना होगा। जहां तक अध्यक्ष,सदस्यों की नियुक्तियों का प्रश्न है,इसके लिए सर्वप्रथम एक योग्य अधिकारियों,शिक्षाविदों आदि का सर्च पैनल गठित किया जाए।सर्च पैनल,प्रारंभिक तौर पर 40,50 व्यक्तियों की छंटनी करे।सरकार द्वारा इन के नाम सार्वजनिक किए जाए। जनता का फीडबैक लिया जाए।सर्वथा उचित पर गए व्यक्तियों में से 10,20 नाम शॉर्टलिस्ट कर मंत्रिमंडल के समुख चयन करने के लिए रखे जाएं। अंतिम निर्णय तो चुनी हुई सरकार को ही करना है किंतु स्वच्छ चयन की दिशा में यह प्रयास हो सकता है।सरकार के पास सलाहकारों की कमी नहीं,और बेहतर सुझाव लें और पूर्णत: आर्बिटररी चयन के स्थान पर कोई युक्तियुक्त ,काफी हद तक पारदर्शी,उचित मानदंडों पर आधारित प्रक्रिया अपनाई जाए जिस से जनता को लगे कि चयन योग्यता के आधार पर होता है और पूर्णत: भाई भतीजावाद के अनुसार नहीं। निर्णय तो सरकार को करना है। अनुभव यह बताता है कि कोई भी सरकार अपने स्वैच्छिक अधिकारों पर अंकुश नहीं लगाती बल्कि अपनों को उपकृत करने में उनका उपयोग,दुरुपयोग करती हैं। आरोपों का क्या,पहले यह सत्ताधीश लगाते अब पहले वाले लगाते रहेंगे।जनता धरना प्रदर्शन करती रहेगा--सत्ता वालों के पास पुलिस है दुरुपयोग करने के लिए।

(महावीर सिंह, पूर्व आईएएस)

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर : सुशासन व सांस्कृतिक पुनर्निर्माण को समर्पित साधनामय जीवन

राजेश्वर सिंह

मराठा महासंघ के अंतर्गत इंदौर राज्य की तपस्विनी एवं तेजस्विनी शासिका अहिल्याबाई होल्कर अपने शौर्य, साहस, युद्ध कौशल, न्यायप्रियता, लोक कल्याणकारी प्रशासन, शिव भक्ति, त्याग और तपस्या से परिपूर्ण आध्यात्मिक जीवन तथा घ्वस्त् धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार एवं नवनिर्माण की वजह से अपने जीवन काल में ही किंवदंती का रूप धारण कर चुकी थीं। उनकी उदारता, दयालुता ,परदु:ख कातरता प्रशासनिक कुशलता व अतुलनीय धर्म निष्ठा के असंख्य किस्से आज भी मालवा व निमाड़ के क्षेत्र में प्रचलित हैं और जन सामान्य को व्यक्तिगत दुखों का साहसपूर्वक सामना करने तथा जीवन को परहित व लोकहित के लिए समर्पित करने की प्रेरणा देते हैं।

अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई को महाराष्ट्र राज्य के अहमदनगर (अब अहिल्या नगर) जिले के ठााम चौंड़ी में हुआ था। उनके पिता गांव के पाटिल थे। वह बाल्यकाल से ही कुशाठा बुद्धि, साहसी व धर्म परायण थीं। इंदौर के सूबेदार मल्हार राव होल्कर के सैन्य अभियान पर जाते समय चौंड़ी गांव के शिव मंदिर में बालिका अहिल्याबाई से उनकी आकस्मिक मुलाकात हुई और उनके नैसर्गिक तेज और ओज से प्रभावित होकर मल्हार राव ने उन्हें अपनी पुत्रवधू बनाने का निर्णय लिया। इस प्रकार 1733 ईस्वी में मात्र 8 वर्ष की आयु में अहिल्याबाई मल्हार राव होल्कर के पुत्र खंडेराव की पत्नी बनकर मालवा में आ गईं। वहां उन्हें अपनी नैसर्गिक प्रतिभा के विकास के लिए अनुकूल वातावरण मिला तथा मल्हार राव होल्कर की स्नेहिल छत्र छाया में न केवल उन्होंने शास्त्रों के पठन-पाठन में प्रवीणता अर्जित की वरन वे युद्ध कौशल एवं राजकीय प्रशासन की बारीकियों में भी निष्णात हो गईं। अहिल्याबाई का व्यक्तिगत जीवन असहनीय दु:ख, व्यथा, वेदना और संताप से भरा हुआ था। 24 मार्च 1754 को एक युद्ध के दौरान उनके पति खंडेराव का दु:खद निधन हो गया।कुछ समय बाद 20 मई 1766 को उनके ससुर मल्हार राव होल्कर नहीं रहे। 5 अप्रैल 1767 को उनके एकमात्र पुत्र मालेराव भी चल बसे। इसके बाद होल्कर राज्य की बागडोर औपचारिक रूप से अहिल्याबाई के हाथ में आई जिसका कुशलता व तत्परतापूर्वक निर्वहन उन्होंने अपने सुयोग्य व शूरवीर सेनापति तुकाजी राव होल्कर की सहायता से किया। 13 अगस्त 1795 को 70 वर्ष की आयु में महेश्वर कस्बे में अपनी मृत्यु पर्यंत उन्होंने इस महनीय उत्तरदायित्व का वहन किया तथा व्यक्तिगत जीवन की शुचिता, राज कार्य की प्रबंधपटुता, निर्बल व असहाय के प्रति दया भाव, युद्ध क्षेत्र की वीरता व वैयक्तिक कोष से तीर्थ स्थलों के पुनर्निर्माण के आध्यात्मिक उपक्रम से अभूतपूर्व यश, प्रतिष्ठा व लोकप्रियता का सार्वकालिक मानदंड स्थापित कर दिया।

उनका व्यक्तिगत व प्रशासनिक जीवन वैराग्य ,आध्यात्मिक साधना, निष्काम भाव से राज कार्य संपादन व सर्वतोमुखी लोकमंगल के प्रति पूर्ण समर्पण जैसे उच्चतम जीवन मूल्यों को समर्पित था। वे अप्रतिम शिव भक्त थीं और नित्य नैमित्तिक शिवपूजन के उपरांत ही अन्न-जल ठाहण करती थी।संपूर्ण राज्य उन्होंने अपने आराध्य देव को समर्पित कर रखा था। राजाज्ञाओं पर हस्ताक्षर करते समय वे अपना नाम न लिखकर श्री शंकर ही लिखती थीं। तब से लेकर भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति तक इंदौर राज्य की समस्त राजाज्ञाएं श्री शंकर की आज्ञा से ही पालनार्थ निर्गत होती थीं। उनका रहन-सहन अत्यंत सादगीपूर्ण था। वे श्वेत वस्त्र धारण करती थीं तथा आभूषण व अलंकार इत्यादि का उपयोग नहीं करती थीं। उनकी दिनचर्या पूर्वाह्न में धार्मिक एवं आध्यात्मिक क्रियाकलापों में व अपराह्न में राजकीय कर्तव्यों के निर्वहन व निष्पादन में व्यतीत होती थी। अहिल्याबाई होल्कर ने जब राज्य का शासन सूत्र ठाहण किया तो राज्य में चोर ,डाकुओं का आतंक व्याप्त था जिससे जनसाधारण अत्यंत त्रस्त था। अहिल्याबाई ने यह घोषणा की कि जो वीर पुरुष इन उपद्रवियों को काबू में ले आएगा ,उससे मैं अपनी पुत्री मुक्ताबाई का विवाह कर दूंगी। यशवंत राव फडसे नामक एक साहसी युवक ने यह बीड़ा उठाया और थोड़े समय में ही उन्होंने दस्यु समस्या का उन्मूलन कर राज्य में शांति स्थापित कर दी। इसके उपरांत यशवंत राव व मुक्ताबाई का विवाह समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। राज्य में शांति व्यवस्था स्थापित होते ही व्यापार, वाणिज्य व कला - कौशल में अभिवृद्धि हुई तथा महेश्वर ,जो अहिल्याबाई का मुख्यालय था, वस्त्र व्यवसाय का एक प्रमुख केंद्र बन गया। महेश्वर की यह स्थिति आज तक बदस्तूर बरकरार है। उन्होंने प्रशासन को सुव्यवस्थित कर राज्य को जिला एवं तहसीलों में विभक्त किया ,हर स्तर पर न्यायालय स्थापित किए व विवादों को स्थानीय स्तर पर शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने के लिए पंचायतों की स्थापना की। उनके प्रजानन कभी भी फरियाद लेकर सीधे उनके पास भी आ सकते थे। उन्होंने करारोपण की भी अत्यंत सरल पद्धित अपनाई जिसके अंतर्गत कर की दरें अन्य राज्यों की तुलना में अत्यंत कम होती थी ,फलत: कर की वसूली ज्यादा होती थी। उन्होंने विधवा महिलाओं को मृत पति का उत्तराधिकार प्रदान किया तथा शिक्षा एवं विशेष कर महिला शिक्षा की उन्नित के लिए विशेष प्रयास किये। उनकी न्यायप्रियता की ख्याति व प्रतिष्ठा का यह आलम था कि एक बार इंदौर व ग्वालियर राज्य के मध्य स्थित भूमि के विवाद के हल के लिए उन्हें ही न्यायाधीश मनोनीत किया गया जबकि वे स्वयं विवाद में एक पक्षकार थीं। उन्होंने उक्त विवाद का निर्णय भी अत्यंत तटस्थता व निष्पक्षतापूर्वक किया जिससे दोनों ही पक्ष सहमत व संतुष्ट हुए।

संपूर्ण भारतवर्ष में आक्रांताओं द्वारा ध्वस्त किए गए धर्मस्थलों का पुनर्निर्माण, पुरातन देवालयों का जीर्णोद्धार, लगभग सभी पवित्र नदियों व सरोवरों पर घाट तथा धर्मशालाएं एवं स्थान-स्थान पर कुएं एवं बावड़ियों का निर्माण इस धर्मपरायण शासिका की चिरस्थायी देन है, जिसके लिए धर्म प्रेमी जनता उनकी हमेशा ऋणी व कृतज्ञ रहेगी। उन्होंने सोमनाथ तथा काशी विश्वनाथ के खंडित देवालयों का पुनर्निर्माण किया व उनमें देव विठाह की पुनर्प्रतिष्ठा की। इस संबंध में यह उल्लेखनीय व स्मरणीय है कि यह सब कार्य उन्होंने इंदौर के राजकोष से वहन न कर शासक को जीवन निर्वाह हेतु प्राप्त होने वाली वैयक्तिक धनराशि में से किया था।

अहिल्याबाई होल्कर द्वारा शासित इंदौर कोई बहुत बड़ी रियासत नहीं थी, किंतु अपनी विलक्षण प्रतिभा, पावन चरित्र, अदम्य साहस, अनुपम त्याग, दु:साध्य संयम, असीम उदारता, अद्भुत लोक निष्ठा व अतुलनीय धर्मपरायणता की वजह से उन्होंने अपने जीवन काल में ही अपरिमित व अकल्पनीय ख्याति, प्रतिष्ठा, श्रद्धा व सम्मान अर्जित कर लिया। इतिहास में संभवत: वह एकमात्र रानी हैं जो अपने व्यक्तित्व व कृतित्व की वजह से लोक- स्मृति में लोकमाता के रूप में प्रतिष्ठित है। अतुलनीय धर्मपरायणता की वज़ह से उन्होंने अपने जीवनकाल में ही अपरिमित व अकल्पनीय ख्याति, प्रतिष्ठा,श्रद्धा व सम्मान अर्जित कर लिया। इतिहास में संभवत: वह एकमात्र रानी हैं जो अपने व्यक्तित्व व कृतित्व की वजह से लोक स्मृति में लोकमाता के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

-राजेश्वर सिंह
आईएएस (सेवानिवृत्त)

एम.एस.पी. घोषणा सकारात्मक पहल तो चाकचौबंद खरीद व्यवस्था भी जरुरी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा खरीफ की बुवाई से पहले ही करने को किसानों के हित में सकारात्मक पहल के रुप में देखा जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा एक तो समय पूर्व समर्थन मूल्यों की घोषणा की जा रही है वहीं दूसरी और भविष्य की रणनीति के तहत आवश्यकतानुसार उत्पादन बढाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये जा रहे हैं। सरकार द्वारा श्री अन्न को जहां अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का सफल प्रयास किया गया है।

वहीं देश को दलहन और तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है तो तिलहन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आगामी खरीफ के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्यों में रामतिल के भावों में सर्वाधिक 820 रु. की बढ़ोतरी करते हुए 9537 रु. प्रति क्विंटल एमएसपी घोषित की गई है। इसी तरह से तिल की एमएसपी में 579 रु., सोयाबीन में 436 रु., सूरजमुखी में 441 रु. और मूंगफली की एमएसपी में 480 रु. की बढ़ोतरी की गई है। ठीक इसी तरह से उड़द में 400 रु. तो मूंग की एमएसपी में 86 रु. और अरहर की एमएसपी में 450 रु. की बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह से बाजरा, रागी, ज्वार, कपास, धान आदि अन्य खरीफ फसलों की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी की गई है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जहां तक एमएसपी दरों की घोषणा की बात है सरकार की ईच्छा शक्ति पर किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकता है। मोदी सरकार के 2013-14 से 2025-26 तक के कार्यकाल की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी निश्चित रुप से सकारात्मक दिषा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। 2013-14 की तुलना में 226 प्रतिशत की बढ़ोतरी रागी के समर्थन मूल्य में की गई है। बाजरा में 122 प्रतिशत तो ज्वार की एमएसपी में 147 प्रतिशत तक की बढोतरी हो चुकी है। दलहन और तिलहन की खरीफ फसलों में भी 82 प्रतिशत से रामतिल में 172 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। सरकार का यह भी दावा है कि एमएसपी घोषणा करने से पहले सरकार ने फसलों की लागत के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा है और लागत से कहीं अधिक एमएसपी दर जारी की गई है।

किसान आंदोलनों के दौरान सबसे अहम् मुद्दा एमएसपी को लेकर ही रहता आया है। सरकार एक और एमएसपी दरों में बढ़ोतरी और एमएसपी पर खरीद का दावा कर रही है और यह दावा एक हद तक सही भी है पर दूसरी और किसान नेताओं का यह कहना रहा है कि सरकार एमएसपी दरों की घोषणा के साथ ही एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। केन्द्र सरकार की और से एफसीआई और नेफैड एमएसपी खरीद के लिए नोडल संस्था है तो कपास की खरीद सीसीआई द्वारा की जाती है।

राज्यों में एफसीआई व नेफैड के लिए खरीद सुविधा में राज्यों की सहकारी विपणन संस्थाएं प्रमुखता से सहभागी रहती है। खरीद की व्यवस्था को भी पारदर्शी और ऑनलाईन कर दिया गया है और रजिस्ट्रेशन से लेकर सीधे खातों में भुगतान तक की व्यवस्था ऑनलाईन की गई है। पर कहीं ना कही व्यवस्था में झोल अवश्य है। इसको यों समझा जा सकता है कि एक समय था तब सरकारी खरीद शुरु होने की घोषणा और लगभग 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन की खरीद होते होते मण्डियों में भाव एमएसपी के आसपास आ जाते थे। इसका परिणाम यह होता था कि ना तो किसानों की नाराजगी रहती थी और ना ही अन्य कोई समस्या आती थी।

पर आज खरीद व्यवस्था के पारदर्शी होने के बावजूद किसान अपने आप को ठगा महसूस करता है। इसका एक बड़ा कारण तो यह है कि बाजरा आदि की खरीद तो सरकार द्वारा किसी ना किसी बहानें टाली ही जाती है क्योंकि बाजरे की खरीद के बाद रखरखाव को लेकर संकट रहता है और सरकार का मानना है कि उसे नुकसान अधिक होता है क्योंकि खरीदा हुआ बाजरा जल्दी खराब हो जाता है। वहीं दूसरी और व्यवस्था को लाख पारदर्शी और जबावदेह बनाने के बावजूद बिचौलियें इस व्यवस्था का भरपूर लाभ उठाते देखे जा रहे हैं। कहीं कहीं तो खरीद केन्द्रों पर जितनी मात्रा में खरीद हो रही है वह उस क्षेत्र में उत्पादित पैदावार से भी अधिक हो जाती है।

इसके साथ ही किसानों की तात्कालीक आवश्यकताओं के चलते आड़तियों पर निर्भरता के कारण भी किसान का लाभ आड़तियां ले जाता है। हांलाकि यह व्यवस्था का ही दोष माना जा सकता है। होना तो यह चाहिए कि जिन फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा सरकार द्वारा की जाती है उन फसलों के तैयार होकर मण्डियों में आने से पहले ही सरकार को खरीद की आवश्यक तैयारियां पूरी कर लेनी चाहिए। खरीद के लिए खरीद केन्द्र की स्थापना, तुलाई ढुलाई की व्यवस्था, बारदाना, ट्रांसपोर्टेशन, भण्डारण, भुगतान की आवश्यक व्यवस्था, बैंकों से भुगतान आदि की व्यवस्था, खरीद केन्द्रों पर पीने के लिए पानी आदि की व्यवस्था सहित आवश्यक सभी तैयारियां सुनिश्चित हो जानी चाहिए। इसके साथ ही आज सरकार के पास उत्पादन के सारे डेटा उपलब्ध होते हैं ऐसे में संभावित खरीद का आकलन भी सुनिश्चित हो जाना चाहिए।

सरकार द्वारा पूर्व में ही यह घोषणा कि इतनी मात्रा में ही खरीद की जाएगी तो इससे राजनीति के अधिक अवसर उत्पन्न हो जाते हैं और अनावश्यक भ्रम के हालात बन जाते हैं। ऐसे हालात से बचा जाना जरुरी हो जाता है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार को खरीफ श्री अन्न खासतौर से बाजरा आदि की खरीद की भी स्पष्ट नीति बनानी होगी अन्यथा श्री अन्न खासतौर से बाजरा को हम अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म दिला रहे हैं वह जल्दी ही प्रभावित हो सकती है। सरकार को कोई ना कोई ऐसी स्पष्ट रणनीति बनानी होगी जिससे बाजरा उत्पादक किसान एमएसपी दर घोषित होने के बावजूद अपने आपकों ठगा महसूस ना कर सके। इसके लिए बाजार ताकतों को भी सक्रिय करना होगा ताकि बाजार में श्रीअन्न बाजरा आदि की मांग बढ़े और सरकारी खरीद ना होने की स्थिति में भी एमएसपी दर तो कम से कम उत्पादक किसान को बाजार में मिल सके। इसके लिए सरकार को इच्छाशक्ति के साथ आगे आना होगा। अब श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने का हमारा दायित्व भी हो जाता है।

ऐसे में इस और अधिक गंभीरता से ध्यान देना होगा क्योंकि अभी तो बुवाई से फसल पकने तक का तीन से चार माह का समय सरकार के पास होगा। इस क्षेत्र में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों को भी ठोस प्रयास करने होंगे ताकि इस समस्या का समाधान खोजा जा सके और अन्नदाता को उसकी मेहनत का पूरा पैसा मिल सके। देर सबेर सरकार को खरीद को सीमा में बांधने के स्थान पर स्थाई हल खोजना होगा ताकि एमएसपी व्यवस्था और अधिक किसान हितेषी हो सकें।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

दो पार्थीव देह मेडिकल कॉलेज को सौंपी

बीकानेर, (निसं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर के एनाटॉमी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. जुगल किशोर खत्री ने शुक्रवार को अपने पुत्र दीपक खत्री के निधन पर उनकी पार्थीव देह मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग में सुपुर्द की। इस अवसर पर सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज की अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. रेखा आचार्य पार्थीव देह पर पुष्पांजलि अर्पित कर परिजनों को ढांढस बंधाया और कहा कि पूर्व विभागाध्यक्ष द्वारा दु:ख की इस घड़ी में देहदान का निर्णय सर्वसमाज को प्रेरित करेगा जिससे सर्व समाज को कुशल चिकित्सक प्राप्त होंगे। इस दौरान शरीर रचना विभाग से डॉ. राकेश मणि, डॉ. कविता पाहुजा, डॉ. जसकरण सहित अन्य कार्मिकों एवं परिजनों आदि ने पार्थीव देह को श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रंद्धाजलि दी।

समाजसेवी देवानी का निधन, पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज को दान किया :- वहीं शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी, व्यापारी और देहदान आंदोलन के प्रेरक पवन देवानी का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अपने जीवनभर देहदान और अंगदान को समर्पित रहे देवानी ने मृत्यु उपरांत भी अपना पार्थिव शरीर मेडिकल शिक्षा के लिए मेडिकल कॉलेज को दान कर समाज के लिए अंतिम संदेश छोड़ गए। देहदान के इस पुण्य अवसर पर सिंधी समाज के कई प्रमुख व्यक्ति उपस्थित रहे। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. गुंजन सोनी ने भी इस अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए स्वयं देहदान प्रक्रिया में भाग लिया और इसे एक सामाजिक संदेश करार दिया। यह क्षण न केवल पवन देवानी के जीवन मूल्यों का प्रतीक था, बल्कि समाज में देहदान और अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला भी बना।

देवानी का जन्म 26 मार्च 1944 को वर्तमान पाकिस्तान में हुआ था। भारत-पाक विभाजन के दौरान उनका परिवार सब कुछ छोड़कर भारत आ गया। महज 7 वर्ष की आयु में माता को खोने के बाद, उन्होंने चौथी कक्षा तक ही औपचारिक शिक्षा प्राप्त की, लेकिन ज्ञान, सामाजिक जागरूकता और जीवन मूल्य उन्हें विरासत में मिले। उन्होंने न केवल व्यवसाय में पहचान बनाई, बल्कि मानवता, सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में भी सक्रिय योगदान दिया। देवानी के पुत्र महेश देवानी ने बताया कि उनके पिताजी कहते थे, देहदान से मेडिकल छात्रों को मानव शरीर को समझने में मदद मिलती है, और यह एक सच्चा सामाजिक योगदान है। महेश देवानी ने बताया कि वर्षों से उनके पिता अपनी जेब में देहदान कार्ड लेकर चलते थे और लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करते रहे। उनकी यह प्रतिबद्धता अंत तक बनी रही।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 31 मई, 2025

ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम सम्वत 2082, पुष्य नक्षत्र, रात्रि 9.07 तक, वृद्धि योग दिन 10.43 तक, बवकरण प्रात: 8.49 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरु-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा।

आज रवियोग रात्रि 9.07 से आरम्भ होगा। श्रुति पंचमी, महादेव विवाह है महापात्र योग दिन 11.58 से सायं 5.36 तक है। आज शुक्र अश्विनी मेष में दिन 11.33 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7.19 से 9.01 तक, चट 12.24 से 2.06 तक, लाभ-अमृत 2.06 से 5.29 तक

राहूकाल: 9.00 से 10.30 तक, सूर्योदय 5.37 सूर्यास्त 7.11

मेष
घर-परिवार में सुख सुविधाऐं बडेगी। परिवार में धार्मिक मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक मामले में संतुलन बनाये रखना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों-रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाऐ बडेगी।

सिंह
घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अर्नगल कार्यों में समय खराब होगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है

कन्या
कन्या - आर्थिक वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल उंचा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में आ रही अडचनें दूर होने लगेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कार्यकर्ता से राज्यपाल बना, बचपन के संस्कारों से ही मिली राह : कटारिया

बीकानेर, (कासं)। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन बीकानेर ईकाई के तत्वावधान में पंजाब के राज्यपाल व प्रशासक चण्डीगढ़ गुलाबचंद कटारिया को वैश्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। वैश्य समाज के विभिन्न घटकों के प्रतिनिधि संस्थाओं सहित अन्य सामाजिक संस्थाओं द्वारा नागरिक अभिनंदन किया गया। इस समारोह में दीप प्रज्ज्वलन के बाद महिला ईकाई महामंत्री सरिता नाहटा नेतृत्व में स्वागत गीत का गायन किया।

रानी बाजार स्थित खचाखच भरे रिद्धि-सिद्धि भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में अध्यक्ष विनोद बाफना सहित बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास, श्रीडूंगरगढ विधायक ताराचंद सारस्वत, नोखा के पूर्व विधायक कन्हैयालाल झंवर, डीआईजी जेल सुमन मालीवाल, वरिष्ठ समाजसेवी सुभाष मित्तल इस समारोह में राज्यपाल के साथ मंच पर उपस्थित रहे। वैश्य समाज सहित अन्य समाजों में स्मृति चिन्ह शॉल साफा पहनाकर महामहिम एवं अन्य उपस्थित अतिथियों का अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने सभागार में उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए कहा कि ये बड़े ही गौरव की बात है कि समाज में मुझे मान व सम्मान दिया। मैं आप ही तरह एक सामान्य कार्यकर्ता का जीवन जीते जीते आज राज्यपाल बना हूं तो इसके पीछे मुझे बचपन से ही मिले संस्कार एक नई राह दिखाते हैं। 26 सौ वर्षों से आज भी हमारा वजूद कायम है तो वो केवल हमारे गुरूजनों, साधु संतों व भगवंतों के दिखाये गए मार्ग पर चलने की वजह से कायम है। हमारे साधु संत कष्टों को सहते हैं, उनके पास कोई धन या दौलत नहीं होती, होती है तो सिर्फ त्याग व तपस्या व समर्पण। वे इसी को साथ लेकर समाज का कल्याण करते है।

मैं समाज का एक मात्र राज्यपाल हूं। यह मेरी नैतिक जिम्मेदारी भी है कि मेरे कर्म की वजह से समाज को कोई दाग न लगे। इस अवसर पर अध्यक्ष विनोद बाफना ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि हमारे लिए बड़े ही गौरव की बात है कि हमारे बीच राज्यपाल उपस्थित है। समाज इनका नागरिक अभिनंदन कर गौरवान्वित है। मैं देश की सेना शौर्य व पराक्रम को सलाम करता हूं। ऑपरेशन सिंदूर से प्रेरणा लेकर समाज में सिंदूर के महत्व को चरितार्थ करने के लिए जल्द ही समाज की 26 कन्याओं का सामूहिक विवाह करवाने का सकंल्प लेते है जिसकी क्रियान्विती जल्द ही कर दी जायेगी। राज्यपाल के व्यक्तित्व का परिचय देते हुए संस्था के वरिष्ठ सदस्य विजय बाफना ने प्रशस्ति पत्र का वाचन करते हुए कि कटारिया के जीवन से नवंकुर युवाओं को राजनीति में आने के लिए प्रेरणा लेनी चाहिए। महामहिम इस सभागार में आपके स्वागत में बड़ी संख्या में युवा मौजूद है। इस बात का घौतक है कि आप युवाओं रॉल मॉडल हैं, प्रेरणा पुंज है मार्गदर्शक है पथ प्रदर्शक हैं।

कार्यक्रम में एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन सुराणा व प्रदेश मंत्री राजेश गोयल व विनोद गोयल ने अपनी महती भूमिका निभाई। मुख्य विंग के महामंत्री किशन लोहिया व सहयोगी विनय हर्ष के कुशल मंच संचालन से कार्यक्रम की गरिमा और भी बढी है। समारोह में युवा ईकाई अध्यक्ष मुदित खंजाची, महामंत्री किशन अग्रवाल ने युवाओं का नेतृत्व किया व सक्रिय रहे। सम्मान करने वाली सामाजिक संस्थाओं में मुख्यत: खण्डेलवाल समाज, विजयवर्गीय समाज, महात्मा समाज, अग्रवाल समाज, जैन महासभा के सुरेन्द्र जैन सहित माहेश्वरी समाज के प्रतिनिधि मौजूद रहे। अन्य संस्थाओं में श्री पुनरासर हनुमानजी पुजारी ट्रस्ट के मंत्री महावीर बोथरा सहित चन्दन मल बोथरा, पवन बोथरा व सह मंत्री मोतीलाल बोथरा व व्यापार उद्योग मण्डल के सचिव संजय जैन मौजूद थे।

अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन बीकानेर ईकाई के तत्वावधान में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया का नागरिक अभिनंदन किया।

- **वैश्य समाज ने पंजाब राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया का नागरिक अभिनंदन किया**
- **कटारिया ने गुरूजनों, साधु-संतों व भगवंतों के दिखाये मार्ग पर चलने की नसीहत दी**

नशे के 3920 कैप्सूल सहित दबोचा

श्रीगंगानगर,(कासं)। पुरानी आबादी पुलिस ने कैप्सूल की बड़ी मात्रा के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से नशे के 3920 कैप्सूल और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

इस कार्रवाई में डीएसटी सेकंड के कांस्टेबल राजेंद्र कुमार की विशेष भूमिका रही। डीआईजी गौरव यादव ने बताया कि पुरानी आबादी में यूआईटी कॉलोनी पार्क के निकट निवासी 21 वर्षीय संदीप सिंह उर्फ शिबू पुत्र सुखदेव सिंह मजहबी सिख और 32 वर्षीय रविकुमार उर्फ गिदू पुत्र राजकुमार को कुंज विहार में गश्त के दौरान पकड़ा।

एएसआई सुंदरलाल, रीडर चरणसिंह और कांस्टेबल बलवीर सिंह की टीम ने आरोपियों के पास से जिला मजिस्ट्रेट की ओर से प्रतिबंधित घटक के नशे के काम लिए जा रहे 3920 कैप्सूल बरामद किए। दर्ज किए गए मुकदमे की जांच एएसआई रोशनलाल को सौंपी गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी संदीप सिंह के दो भाई और भी थे। इनमें से एक की करीब एक साल पहले हेरोइन के इंजेक्शन की ओवर डोज से मौत हो गई थी। इसके बावजूद उसने नशे की तस्करी से खुद को अलग नहीं किया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि रोज के 5 से 7 डिब्बे कैप्सूल बेच देते हैं। एक रैपर 230 रूपए में फुटकर में नशेडियों को बेचा जाता है। अगर कोई पूरा डिब्बा खरीदे तो उसे 2300 रूपए और फुटकर में पूरा डिब्बा 4600 रूपए में बिक जाता है।

सार-समाचार

कटारिया को गार्ड ऑफ ऑनर

बीकानेर में नाल हवाई अड्डे पर पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

बीकानेर, (कासं)। पंजाब के राज्यपाल एवं प्रशासक यू.टी. चंडीगढ़ गुलाबचंद कटारिया शुक्रवार सुबह नाल एयरपोर्ट पहुंचे। जहां उन्हें पुलिस द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यहां पहुंचने पर कटारिया को श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर, सुमन छाजेड़, श्याम पंचारिया, डॉ लोकेश, ललित चतुर्वेदी, सत्यप्रकाश आचार्य, विजय आचार्य, महावीर रांका, मोहन सुराणा, गोकुल जोशी, नारायण चौपड़ा, श्रीभगवान अग्रवाल, गोपाल गहलोत, श्याम सुंदर चौधरी, विनोद बाफना, अशोक प्रजापत, सुभाष मित्तल, विनोद धामुका, दीपक पारीक, संपत पारीक, पुनीत शर्मा, गोपाल अग्रवाल समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने बुके भेंटकर उनकी अगवानी की।

'सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाएं'

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक को संबोधित कलेक्टर डॉ. मंजू ने संबोधित किया।

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक शुक्रवार को जिला कलेक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इस दौरान जिला कलेक्टर ने जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये अभी तक हुई गतिविधियों और कार्यक्रमों की समीक्षा कर पुलिस, यातायात, पीडब्लयूडी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि घायलों को अस्पताल पहुंचाने वालों को मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना के माध्यम से पुरस्कृत किया जाये। बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने कहा कि जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये संबंधित विभाग समुचित कार्यवाही करें। सड़क दुर्घटना होने पर पुलिस, स्वास्थ्य सहित संबंधित विभाग तत्काल पहुंचे और घायलों का जीवन बचाने के लिये आवश्यक कार्यवाही की जाये। यातायात व्यवस्था में सुधार के लिये सभी के सहयोग को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि ब्लैक स्पॉट निरीक्षण में मिली कमियों का समुचित निस्तारण किया जाए। रोडवेज बसों के नियमानुसार संचालन के निर्देश देते हुए यादव ने कहा कि नियमित रूप से वाहनचालकों की नेत्र जांच करवाई जाए। इस दौरान आईआरएडी मैनेजर हरविन्दर सिंह द्वारा पीपीटी के माध्यम से एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस की जानकारी दी गई। बैठक में एडीएम प्रशासन सुभाष कुमार, प्रशिक्षु आईएएस अदिति यादव, पीडब्लूयूडी एसई भीमसेन स्वामी, सीओ ट्रैफिक रमेश माचरा, डीटीओ देवानंद, डॉ. अजय सिंगला, नगरपरिषद आयुक्त रविन्द्र यादव, रीको आरएम एमसी मीणा, नगर विकास न्यास एक्सईन सुरेन्द्र पूनिया, मंगत सेतिया, यशिका चौधरी, एनएचएआई अधिकारियों सहित अन्य मौजूद रहे।

प्रयाण यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

बीकानेर, (कासं)। गंगाशहर सेवा केन्द्र में विराजित साध्वी कीर्तियशा का अंतिम संस्कार पुरानी लेन ओसवाल मुक्तिधाम में किया गया। 28 मई को सायं 7 बजे चौविहार प्रत्याख्यान व तिविहार संथारे में देवलोकगमन हो गया। आचार्य महाश्रमण की आज्ञा से 27 मई को दोपहर 3:47 बजे तिविहार संथारा का प्रत्याख्यान उग्र विहारी तपोमूर्ति मुनि कमल कुमार ने करवाया था। साध्वी कीर्तियशा की प्रयाण यात्रा से पूर्व मुनि कमल कुमार, साध्वी विशदप्रज्ञा, साध्वी लब्धियशा, शासनश्री साध्वी मंजूप्रभा, शासनश्री साध्वी कुन्थुश्री की सहवृति साध्वियां ने गीतिका का संगान करके साध्वी कीर्तियशा के गुणों का यशज्ञान किया। गंगाशहर के डागा परिवार में जन्मी 63 वर्षीय साध्वी कीर्तियशा पिछले कुछ वर्षो से असाध्य बीमारी से जूझ रही थी। सोहनलाल-झमकू देवी डागा की पुत्री कस्तूरी का जन्म 20 अक्टूबर 1962 को गंगाशहर में हुआ। साध्वी कीर्तियशा की प्रयाण यात्रा गुरुवार को प्रात: 8 बजे शान्ति निकेतन सेवा केन्द्र से रवाना होकर भंसाली भवन से होकर बोथरा भवन के बाहर मुनि कमल कुमार स्वामी ने प्रेरक उद्बोधन दिया व मंगलपाठ सुनाया। उसके बाद बैकुंठी यात्रा मुख्य बाजार से होते ओसवाल मुक्तिधाम पंहुची। मुखाग्नि उनके भाई धर्मचन्द, आशकरण डागा, संजय, महेंद्र, पंकज, मुकेश डागा, चिराग, विभु, गर्वित ने दी। प्रयाण यात्रा में तेरापंथी सभा गंगाशहर, महिला मंडल, तेरापंथ युवक परिषद आदि संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने अपनी भागीदारी निभाई।

खेल मैदान की जमीन पर कब्जा

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले की ग्राम पंचायत मानकसर के ग्रामीणों ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय और उसके सामने स्थित खेल मैदान की जमीन पर अवैध कब्जे की कोशिश का आरोप लगाया है। ग्रामीण ने इस संबंध में शुक्रवार को बैठक कर मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से करने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल और खेल मैदान की जमीन की सुरक्षा की जाए। दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो ताकि बच्चों की पढ़ाई और ग्रामीणों की खेल गतिविधियां प्रभावित न हों। ग्रामीणों ने आरोप है कि इस पूरे मामले में सूरतगढ़ बीडीओ अपेक्षित कार्रवाई नहीं कर रहे। ग्रामीणों ने बताता कि यह राजकीय स्कूल वर्ष 1967 से संचालित है। इसका पट्टा वर्ष 2001 में जारी हो गया था। स्कूल के सामने अनूपगढ़ सड़क के दूसरी ओर खेल मैदान है। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में कुछ लोगों ने बीडीओ सूरतगढ़ से शिकायत की। इसके बाद पंचायत समिति की कमेटी गठित की गई। ग्रामीणों का कहना है कि इस कमेटी पर स्कूल का पट्टा निरस्त करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। इस मामले को लेकर हुई ग्रामीणों की बैठक में प्रभुदयाल नायक, अजय गोदारा, ओमप्रकाश पूनिया, पूर्व सरपंच प्रमोद कड़वासरा, आलोक बिश्नोई, पूर्व कॉलेज अध्यक्ष मुकेश कड़वासरा, बृजलाल कड़वासरा, कृष्णलाल, धर्मपाल शर्मा, बलदेव गोदारा, भोलूराम गोदारा, जगदीश गोदारा, मनफूल भादू, वार्ड पंच पवन, रतिनाथ सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

धोखाधड़ी के तीन आरोपियों में से एक को 4 साल की सजा

धोखाधड़ी के तीन आरोपियों में से एक को 4 साल की सजा

-तीनों ही फरार, पुलिस ने जांच में लापरवाही बरती

बीकानेर, (कासं)। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या एक ने 13 साल पहले धोखाधड़ी से चांदी हड़पने के मामले में फरार चल रहे तीन में से एक आरोपी को चार साल के कारावास और दो लाख रूपए अर्थदंड की सजा सुनाई है।

तीन में से दो आरोपी तारीख पेशी पर नहीं आ रहे थे और फैसले के दौरान तीसरा आरोपी भी फरार हो गया। कोर्ट ने माना है कि पुलिस ने त्रुटिपूर्ण जांच की है जिसके लिए कलेक्टर को आवश्यक कार्यवाही के लिए लिखा जायेगा। परिवादी रामेश्वर सिंह ने वर्ष 2012 में नयाशहर थाना पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि वह जोधपुर में चांदी के जेवर का काम करता है। 15 दिन पहले उसके पास दलपत चौधरी का फोन आया और उसने चांदी के जेवर आर्डर किए। 10 दिसम्बर 2012 को सुबह वह प्रतापसिंह के साथ बीकानेर पहुंचा तो दलपत ने मोबाइल पर बताया कि वह सूरतगढ़ गया हुआ है और अपने भाई राजेन्द्र के मोबाइल नंबर दे दिए।

राजेन्द्र से फोन पर बात कर रामपुरा बस्ती स्थित उसकी दुकान पर पहुंचे और करीब 14 किलो नगीने लगी चांदी की पायजेब उसे दी। वहां दिनेश नाम का शख्स भी बैठा था। दोपहर करीब दो-ढाई बजे राजेन्द्र और दिनेश चांदी लेकर चले गए और वापस नहीं लौटे। पुलिस ने इस मामले की जांच की तो सामने आया कि दलपत, राजेन्द्र और दिनेश तीनों ही छदम नाम थे। उन्होंने योजना बनाकर 14 किलो चांदी हड़प ली और फरार हो गए।

वास्तव में जोधपुर निवासी सुरेश सोनी, नागौर निवासी अशोक सुथार और जायल निवासी जगदीश जाट ने योजना बनाकर परिवादी को धोखा दिया। आरोपियों ने किशनगढ़ में चंदू वैध और हड़मान सोनी को चांदी बेच दी थी। पुलिस ने सुरेश सोनी, अशोक सुथार और जगदीश जाट को गिरफ्तार कर कोर्ट में चालान पेश कर दिया। सुरेश सोनी के पिता जगदीश सोनी, खरीदार चंदू और हड़मान के खिलाफ अनुसंधान जारी बताया। बाद में केवल जगदीश सोनी के खिलाफ तितंबा चार्जशीट पेश की।

कोर्ट में सुनवाई के दौरान अशोक सुथार जगदीश जाट ने तारीखों पर आना बंद कर दिया और फरार हो गए। फैसले के दौरान सुरेश सोनी भी नहीं आया। उसके पिता जगदीश सोनी मौजूद थे, जिन्हें बरी किया गया।

- **कोर्ट ने माना कि पुलिस ने त्रुटिपूर्ण जांच की है जिसके लिए कलेक्टर को कार्यवाही के लिए लिखा जायेगा**

वार्ड 77 में गंदगी से परेशान

बीकानेर,(कासं)। बीकानेर शहर के वार्ड नंबर 77 की मुख्य सड़क, सामुदायिक भवन बड़ी गुवाड़ के पास, पिछले दो हफ्ते से कचरे के ढेर से अटी पड़ी है। इस गंदगी के कारण मोहल्ले में रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बीकानेर कांग्रेस कमेटी के महासचिव राहुल जादुसंगत ने कहा कि आसपास आवारा पशुओं का जमावड़ा बना रहता है, जिससे राहगीरों को भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें स्थानीय निवासियों व रहगीरों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राहुल जादुसंगत ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण उठती बदबू से पूरे वार्ड में दुर्गन्ध फैली हुई है, जिससे बीमारियों के फैलने का खतरा है। इस स्थिति पर नगर निगम प्रशासन की उदासीनता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि रात के समय अंधेरे में कई बुजुर्ग महिलाएं इस कचरे के कारण फिसलकर गिर चुकी हैं, जिससे वार्डवासियों में आक्रोश है। कचरे से फैली दुर्गन्ध ने वातावरण को दूषित कर दिया है।

पांच लाख की फिरौती नहीं देने पर हमला

बीकानेर, (कासं)। दुकानदार से 5 लाख की फिरौती मांगने और नहीं देने पर जानलेवा हमला करने का मामला नयाशहर पुलिस थाने में दर्ज किया गया है।

सोनगिरी कुआ के पास रहने वाले गिरिराज खत्री की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि उसकी दूध की दुकान है। 19 मई की रात करीब 11.30 बजे वह अपनी दुकान में बैठा था। इस दौरान मोईन खान ने फोन कर कहा कि तेरी सरोज दूध भण्डार नाम से दुकान है। उसकी फिरौती के रूपये नहीं दिये है। सभी लोग मार्केट में मुझे फिरौती के रूपये देते हैं। जान से मारने की धमकी देकर 5 लाख रूपये की फिरौती मांगी। इसके बाद रात को वह अपने दोस्त मूलचंद के साथ उसकी गाड़ी में सवार होकर जा रहा था।

दुकान से थोड़ा आगे दुर्गा ज्वैलर्स के पास पहुंचे तो मोईन खान, उसका भाई व तीन चार अन्य लोग घात लगा करके बैठे थे। मोईन खान व उसके साथियों ने 5 लाख रूपये व शराब पीने के लिए रूपये मांगे। मित्र मूलचंद ने रूपये देने से मना किया तो जानलेवा हमला कर दिया। लोहे के पाइपों से गाडी में तोड़-फोड की। शीशे तोड़ दिये और जेब से 5000 रूपये निकाल लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लापता युवक का नहीं लगा सुराग : गंगाशहर के चौपड़ा बाड़ी में रहने वाले 26 वर्षीय अरूण पंचारिया का पाच दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लगा। अरूण के परिजनों ने गंगाशहर थाने में गुमशुदगी रिपोर्ट कराई है। गंगाशहर थाना पुलिस ने बताया कि गुमशुदा अरूण पंचारिया 26 मई को अपने घर से ऑफिस का कहकर निकला था, जो अभी तक घर नहीं लौटा।

- **जान से मारने की धमकी देकर 5 लाख रूपये की फिरौती मांगी**

हिसाब को लेकर चचेरे भाईयों ने की मारपीट

नोखा, (कासं)। दादी के निधन के बाद होने वाले खर्च को लेकर भाईयों में विवाद हो गया। नौबत हाथापाई तक पहुंच गई। जिसके बाद एक पक्ष ने पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया है।

नोखागांव निवासी सुनिल विश्नोई ने रिपोर्ट देकर बताया कि 23 मई को उनकी दादी ईमा देवी का निधन हो गया था। 25 मई को खर्च का कार्यक्रम संपन्न होने के बाद शाम करीब 4 बजे हिसाब-किताब चल रहा था। इस दौरान उनके चाचा फूलाराम, किसनलाल और उनके बेटे अनेश, रमेश और राकेश ने हिसाब को लेकर विवाद शुरू कर दिया।

रिपोर्ट में बताया गया कि इसके बाद सभी आरोपी लोहे के पाइप, लाठियां, ईंट और पत्थर लेकर सुनिल के घर में घुस गए। उन्होंने सुनिल, उनकी मां और बहन पूजा के साथ मारपीट की। फूलाराम, किशनाराम, राकेश और रमेश ने सुनिल की जेब से 10,300 रूपए छीन लिए। उन्होंने सुनिल की सोने की चैन भी तोड़कर ले ली। पीड़ित का कहना है कि आरोपी उनके परिवार से रंजिश रखते हैं।

- **दादी के निधन पर खर्च को लेकर भाईयों में मारपीट**
- **हिसाब को लेकर हुई मारपीट का मामला थाने तक पहुंचा**

500 ग्राम अफीम सहित गिरफ्तार

नोखा, (कासं)। नोखा के पांचू थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। एसपी कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशन में थानाधिकारी रामकेश मीणा की टीम ने बीकानेर निवासी राजेन्द्र बिश्नोई को 500 ग्राम अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया है।

इससे पहले रात को भी पांचू पुलिस ने भारत माला सड़क मार्ग पर खानूवाली निवासी बीरबल को दो किलो डोडा पोस्त के साथ पकड़ा था। पुलिस लगातार मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। अब पुलिस टीम अफीम बरामदगी से जुड़े अन्य तस्करों की तलाश में जुटी है। इस कार्रवाई में हैड कांस्टेबल रामनिवास, पप्पूराम, धन्नाराम, गणेश सहित अन्य जवान शामिल थे।

अस्पतालों का निरीक्षण आज करेगा 4 सदस्यीय दल

बीकानेर, (कासं)। प्रदेशभर में मेडिकल कॉलेजों के अधीन सरकारी अस्पतालों का सघन निरीक्षण होगा। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इसके लिए जिलेवार 28 दल बनाए हैं। चार से पांच सदस्य हर जिले में जायेंगे।

अतिरिक्त निदेशक नरेश गोयल, डॉ. गोपाल झालानी, सहायक आचार्य राजमेस, सुरेश यादव सहायक सांख्यिकी अधिकारी और भगवान दास माकले, निर्माण प्रबंधक सिविल को बीकानेर मेडिकल कॉलेज की जिम्मेदारी दी गई है। ये चारों अधिकारी शुक्रवार सुबह बीकानेर आयेंगे तथा पीबीएम हॉस्पिटल, जिला अस्पताल और गंगाशहर सैटेलाइट हॉस्पिटल का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान अस्पताल में सफाई व्यवस्था और मरम्मत के कार्यों का जायजा लेंगे।

चिकित्साधिकारियों की बैठक भी लेंगे। उसके बाद संभागीय आयुक्त और कलेक्टर से भी चर्चा करेंगे। विभाग के शासन सचिव अंबरीश कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। गौरतलब है कि पीबीएम हॉस्पिटल के सी वार्ड में टायलेट की छत एक साल से टूटी पड़ी है। छतों पर सोलर पैनल लगाने के कारण सफाई नहीं हो पा रही है, जिससे बारिश होने पर पानी इकट्ठा होता है और पीबीएम के वार्डों में टपकता रहता है। ट्रोमा सेंटर में मरम्मत का काम अब तक अधूरा पड़ा है। बिजली की मेंटिनेंस सही नहीं है।

कैंसर हॉस्पिटल में पिछले दिनों पैनल में आग लगने से पूरा हॉस्पिटल खाली कराना पड़ा था। यूरोलॉजी विभाग की बिल्डिंग की मरम्मत को लेकर अब तक कोई प्रयास नहीं हो पाए हैं। एसएसबी की बिल्डिंग में भी फाल्स सीलिंग कई जगह से उखड़ी पड़ी है। पिछले माह चिकित्सा शिक्षा सचिव अंबरीश कुमार ने इन सभी स्थानों का निरीक्षण किया था। अव्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन की खिंचाई भी की थी।

- **अस्पताल में सफाई व्यवस्था और मरम्मत के कार्यों का जायजा लेंगे**

चित्रकारी देख कलेक्टर अभिभूत

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर जिला उद्योग संघ में आयोजित सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कार्यक्रम में पहुंची जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने वहां बनी आर्ट गैलेरी देख प्रभावित हुई।

जिला कलेक्टर आर्ट गैलेरी में बनी ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी एवं विंग कमांडर व्योमिका सिंह की तस्वीर देख अभिभूत हुई। कलेक्टर ने बताया कि भारत पाक के इस युद्ध की घड़ी में महिलाओं द्वारा युद्ध की कमान संभालना पूरे देश की महिलाओं के लिए गौरव का विषय है और प्रेरणास्पद भी है। संघ अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पचीसिया ने बताया कि बीकानेर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक व पर्यटन स्थलों, यहां के उद्योग धंधे, देश की ख्यातनाम हस्तियां मदर टेरेसा, महात्मा गांधी, डॉ करणीसिंह, महाराणा प्रताप, शिवाजी महाराज, रानी लक्ष्मी बाई, शहर की विरासतों को एक ही छत के नीचे फोटो आर्ट गैलेरी में दर्शकों के लिए स्थापित किया है।

'ऊंटनी के दूध को डेयरी व्यवसाय के रूप में अपनाये जाने की जरूरत'

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र (एन.आर.सी.सी.) द्वारा विश्व दुग्ध दिवस के उपलक्ष पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में वचुअर्ल रूप से जुड़ते हुए अतिथि वक्ता कुलदीप शर्मा, संस्थापक एवं सी.टी.ओ., सुरूचि कंसल्टेंट्स, नोयड़ा, नई दिल्ली ने ऊंटनी के दूध पर अनुसंधान हेतु उद्देश्यों का निर्धारण' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारत का कुल दूध उत्पादन 239.3 मिलियन मैट्रिक टन है। इसे दृष्टिगत रखते हुए गैर-गौवंशीय दूध को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इस दिशा में ऊंटनी के दूध को डेयरी व्यवसाय के रूप में अपनाए जाने की आवश्यकता है।

इसके लिए दूध संग्रहण, प्रसंस्करण, प्रचुर मात्रा में उत्पादन, सप्लाई चैन विकसित करना, दूध से निर्मित स्वास्थ्यप्रद तथा कॉस्मेटिक जैसे नवाचारी उत्पादों का विपणन आदि पहलुओं पर अपेक्षित ध्यान देना होगा। अतिथि वक्ता ने कहा कि ऊंटनी के दूध के औषधीय महत्व को देखते हुए भारत में इस दूध के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु और अधिक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता है। जब उपभोक्ता बढ़ेंगे तो बाजार में इसके दूध की स्वत: मांग बढ़ेगी।

विश्व दुग्ध दिवस के उपलक्ष पर कार्यशाला को एन.आर.सी.सी. के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पूनिया ने संबोधित किया।

- **ऊंटनी के दूध पर अनुसंधान हेतु उद्देश्यों का निर्धारण विषयक पर व्याख्यान**

जिससे ऊंट पालकों की सामाजिक व आर्थिक स्थिति में भी महत्वपूर्ण सुधार लाया जा सकता है।

डॉ. पूनिया ने ऊंटनी के दूध में मानवीय रोगों जैसे-मधुमेह, क्षय व ऑटिज्म में इसकी कारगरता तथा एन.आर.सी.सी. द्वारा दूध को बढ़ावा दिए जाने हेतु किए जा रहे व्यावहारिक पहलुओं को सदन के समक्ष रखा। इन सभी गैर-गौवंशीय पशुओं के दूध के प्रति जागरूकता बढ़ाने व इन्हें दूध व्यवसाय के रूप में अपनाने की बात कही। पूनिया ने 'गैर-गौवंशीय दूध का महत्व' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत किया।

विज्ञापन संख्या 19/2025

केन्द्रीय विद्यालय संगठन में प्रतिनियुक्ति के आधार पर अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता के पद को भरा जाना

केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एक स्वायत्त निकाय प्रतिनियुक्ति के आधार पर अधीक्षण अभियंता का 01 (एक) पद वेतन स्तर 13 तथा अधिशासी अभियंता का 01 (एक) पद वेतन स्तर-11 पर भरने हेतु इच्छुक है। अधिक जानकारी अर्थात पात्रता मानदंड, योग्यता तथा निबंधन एवं शर्तों के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन की वेबसाइट www.kvsangathan.nic.in एवं रोजगार समाचार के दिनांक 31 मई- 06 जून, 2025 के संस्करण में देखें ।

CBC 21106/12/0001/2526

संयुक्त आयुक्त (प्रशासन)

कृषि मंत्री ने दूसरे दिन भी नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों में कार्रवाई की

इन फैक्ट्रियों में तत्कालीन गहलोत सरकार के समय भी नकली खाद तैयार की जा रही थी, उस समय कार्रवाई क्यों नहीं की गई : कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा

मदनगंज-किशनगढ़/अजमेर, (निसं)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने दूसरे दिन शुक्रवार को भी किशनगढ़ क्षेत्र में नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों पर छापामार कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में नकली खाद जब्त कराया। कृषि मंत्री ने कहा किसानों के साथ धोखा करने वालों को किसी भी हालात में बक्शा नहीं जायेगा। बड़े प्लांट में मार्बल पाउडर, बजरी, मूरड व केमिकल से तैयार की जा रही नकली खाद ब्रांडेड कंपनी के कट्टों में भरकर राजस्थान, बिहार, हरियाणा सहित कई राज्यों में सप्लाई की जा रही है। वहीं कृषि मंत्री ने केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी से मुलाकात कर विपक्ष के आरोपों को खारिज हुए कहा कि इन फैक्ट्रियों में तत्कालीन गहलोत सरकार के समय भी नकली खाद तैयार की जा रही थी, उस समय कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने शुक्रवार को भी नकली खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों पर कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में नकली खाद जब्त कराया।

- कृषि मंत्री ने अंराई, बांदरसिंदरी व डिंडवाड़ा में जांच के बाद गांव चौसला पहुंचकर संदिग्ध खाद फैक्ट्रियों की जांच कर सैम्पल लिये
- कार्रवाई की भनक लगते ही नकली खाद तैयार करने वाले व्यापारी फैक्ट्रियों के ताले लगा भूमिगत हो गये
- नकली खाद की 34 फैक्ट्रियां चिन्हित, 12 फैक्ट्रियों को सीज कर मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है

कृषि मंत्री ने कहा कि किशनगढ़ क्षेत्र में नकली खाद बनाने वाली 34 फैक्ट्रियों को चिन्हित कर लिया है, इनमे से 12 फैक्ट्रियों को सीज कर मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कृषि विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि किसानों के साथ किया जा रहा धोखा बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं होगा। मंत्री ने फैक्ट्री में प्लांट का अवलोकन किया और वहां रखे हुए खाद के कट्टे भी देखे। कार्रवाई की भनक लगते ही नकली खाद बनाने वाले फैक्टरी मालिकों ने गुपचुप रूप से खाद को सड़कों पर फेंकना शुरू कर दिया, ताकि कार्रवाई से बच सके, किंतु काले कारोबार का भंडाफोड़ होने से इनके मंसूबों पर पानी फिरता हुआ दिखाई दे रहा है। प्रथम दिवस कई फैक्ट्रियों में शुरू छापामार कार्रवाई देर रात तक चलती रही। देर रात पाटन स्थित अतिशय बायोटेक इंडस्ट्रीज लिमिटेड सहित एक दर्जन फैक्ट्रियों पर कार्रवाई के दौरान सैम्पल लिये। आर के मार्बल गेस्ट हाउस में रात्रि विश्राम करने के बाद कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा विभागीय टीम के साथ बांदरसिंदरी स्थित राधिका एग्रो इंडस्ट्रीज नामक फैक्ट्री पहुंच गये और खाद की जांच पड़ताल की।

उन्होंने छापामार अभियान के अंतर्गत अंराई, डिंडवाड़ा व बांदरसिंदरी में जांच के बाद गांव चौसला पहुंचकर संदिग्ध खाद फैक्ट्रियों की जांच कर सैम्पल लिये। कार्रवाई की भनक लगते ही नकली खाद तैयार करने वाले व्यापारी फैक्ट्रियों के ताले लगाकर भूमिगत हो गये। कृषि मंत्री ने कहा कि पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि फर्टिलाइजर एक्ट के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और यह भी जांच की जाए कि इन फैक्ट्रियों के असली मालिक कौन है।

पांच हजार रु. की रिश्वत लेते सहायक लेखाधिकारी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यूनिट उदयपुर ने सहायक लेखा अधिकारी बाल विकास परियोजना अधिकारी वृत्त गोगुंदा महिला एवं बाल विकास विभाग उदयपुर को पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि 21 मई को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो यूनिट उदयपुर को एक शिकायत मिली थी जिसमें परिवादिया एवं सहपरिवादिया महिला एवं बाल विकास विभाग तहसील गोगुंदा में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता है एवं उन्हें माह अक्टूबर 24 से अब तक उनका वेतन/मानदेय प्राप्त नहीं हुआ है। उनके द्वारा इस संबंध में निरंतर नूतन शाह सहायक लेखाधिकारी कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी वृत्त गोगुन्दा से संपर्क किया जा रहा है परन्तु बिना कारण बताए वेतन का उनके द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा है। तीन चार दिनों से नूतन शाह परिवादिया एवं सह परिवादिया से 4500-4500 रूपये प्रत्येक से कुल 9 हजार रूपये रिश्वत की राशि के रूप में देने का दबाव डाल कर गोगुन्दा कार्यालय पर बुलाया जा रहा है। इस पर उप महानिरीक्षक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा रेंज शिवराज मीणा के पर्यवेक्षण में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो उदयपुर अनन्त कुमार के निर्देशानुसार ब्यूरो के पुलिस निरीक्षक नरपतसिंह मय टीम ने ट्रेप कार्रवाई करते हुए नूतन शाह सहायक लेखाधिकारी कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी वृत्त गोगुन्दा, महिला एवं बाल विकास विभाग उदयपुर को स्वयं के कार्यालय में पांच हजार रूपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

1500 रु. की रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो भीलवाड़ा की टीम ने शुक्रवार को शाहपुरा तहसील कार्यालय में 1500 रुपए की रिश्वत लेते लसाड़िया में पदस्थापित पटवारी बबलू धोबी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार परिवादी कालू माली ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी कि पटवारी बबलू धोबी उनके पिता के इंतकाल (मृत्यु) का मामला खोलने के नाम पर दो हजार रुपये की रिश्वत मांगी है।

शिकायत के सत्यापन के दौरान पांच सौ रुपए की रिश्वत ली और बाकी रिश्वत के 1500 रुपये शुक्रवार को लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

आरोपी पटवारी बबलू धोबी

- पटवारी बबलू धोबी ने शिकायत के सत्यापन के दौरान पांच सौ रुपए की रिश्वत ली

एसीबी टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद शाहपुरा तहसील कार्यालय में ट्रैप की योजना बनाई और पटवारी धोबी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से तहसील कार्यालय में हड़कंप मच गया और कई कर्मचारी मौके से गायब हो गए।

बीकानेर में करोना के तीन पॉजीटिव केस मिले

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में करोना के 3 पॉजीटिव केस सामने आए है। तीनों में एक 12 साल का बच्चा भी शामिल है। पीबीएम हॉस्पिटल में तीनों के सैंपल लेने के बाद सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज में कोविड जांच की गई थी। रिपोर्ट पॉजीटिव आने पर मेडिकल कॉलेज से पीबीएम हॉस्पिटल और सीएचएचओ को रिपोर्ट दी गई है।

सीएमएचओ डॉ. पुखराज साध ने बताया कि कोविड पॉजीटिव में गंगाशहर, जयपुर और पवनपुरी क्षेत्र के रहने वाले हैं। तीनों ने पीबीएम हॉस्पिटल में जांच करवाई थी। इसके बाद कोविड सैंपल लिए गए थे। जांच करोना पॉजीटिव होना सामने आया है। इसके साथ ही हेल्थ डिपार्टमेंट एक्टिव मोड पर आ गया है। तीनों कोविड पॉजीटिव के घर और आस-पास के क्षेत्रों से भी सैंपल लिए जा सकते हैं। अभी ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि तीनों को पहले वैक्सीन लगी है या नहीं? नए वेरियेंट में वैक्सीनेट भी चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में सभी को लक्षण मिलने पर कोविड जांच कराने की सलाह दी जा रही है। सीएमएचओ ने बताया कि जोधपुर में भर्ती बीकानेर के एक व्यक्ति को भी कोरोना हुआ है।

OFFICE OF MUNICIPAL BOARD NAWA CITY (DIDWANA-KUCHAMAN)

SR.NO. :MBN/DEV/2025-26/354 DATE : 29-05-2025

NOTICE INVITING BID

15 Bids for Civil Works (cost 251.64 lacs) are invited from interested bidders up-to 12.00 PM (time) 06.06.2025 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. NIB NO. DLB2526A1857 UBN No. DLB2425WSOB06200, 06208, 06221, 06223,06224,06231 06233,06235,06238,06239,06241,06242,06243,06244,06245 EPROC TENDER ID : 2025_DLB_474201_1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15

Raj.Samwad/C/25/3312 Chairman Executive Officer

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वा.अभि. विभाग, खण्ड धौलपुर

मचकुण्ड चौराहा जी.टी. रोड धौलपुर

फोन नं. 05642-220728 ई-मेल ee.dho.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- 593-599 **ई-निविदा सूचना संख्या 30/2025-26** दिनांक :- 20.5.25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खंड के अधीन विभिन्न कार्यों की उपरोक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण निम्न यू.बी.एन. के अनुसार www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.rajwater.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउन लोड भी किये जा सकते है।

एन.आई.बी. नं.	PHE2526A1240
यू.बी.एन.	PHE2526WSOB02587

DIPR /C/6895/2025 (आशाराम मीणा) अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि. विभाग, खंड धौलपुर

कार्यालय नगर परिषद् बांसवाडा (राज.)

फोन : 02962-243714, 247201, फैक्स : 02962-243714 Email Id :palika.bsw@gmail.com

क्रमांक : एफ 5( )निर्माण/न.प.बा./2025-2026/1222-24 दिनांक : 27.05.2025

निविदा सूचना स.02/2025-26

(NIB NO. DLB2526A1824)

सक्षम स्तर पर पंजीकृत संवेदक से 05 कार्य निर्माण कार्य जिसकी कुल लागत 93.09 लाख हेतु ऑनलाईन निविदा डाउनलोड की अवधि दिनांक 29/05/2025. प्रातः 9 बजे एंव दिनांक 07/06/2025 सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित अन्य शर्तें एवं विवरण पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajsthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN No. DLB2526WSOB06131, DLB2526WSOB06135, DLB2526WSOB06137 DLB2526WSOB06141, DLB2526WSOB06145

राज.संवाद/सी/25/3278 आयुक्त नगर परिषद्, बाँसवाड़ा

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, वृत सवाई माधोपुर

क्रमांक : 238 दिनांक : 20.5.2025

निविदा सूचना संख्या : 01/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला सवाई माधोपुर में मलारना चौड़, भगवतगढ़, पीपलाई एवं उदेई कलां में अटल प्रगति पथ निर्माण कार्य हेतु मय नियमानुसार दोष निवारण अवधि के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के 'ए' एवं 'एए' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेबसाईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.inएवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB No. :- PWD 2526A0703

UBN No. :- 1. PWD2526WSOB02126, 2. PWD2526WSOB02127 3. PWD2526WSOB02128, 4. PWD2526WSOB02129

DIPR/C/6812/2025 (हरि सिंह मीना) अधीक्षण अभियंता, सा.नि.वि. वृत्त सवाई माधोपुर

कार्यालय अधीशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-बस्सी

क्रमांक :- 281 दिनांक :- 20.5.2025

ई-टेण्डरिंग सूचना संख्या 03/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

FINANCE (G&T) DEPARTMENT NOTIFICATION Jaipur, October 22, 2021 (75A. Additional Performance Security.- (1) In addition to Performance Security as specified in rule 75,an Additional Performance Security shall also be taken from the successful bidder in case fo unbalanced bid. The Additional Performance Security shall be equal to fifty percent of Unbalanced Bid Amount. The Additional Performance Security shall be deposited in lump sum by the successful bidder before execution of Agreement. The Additional Performance Security shall be deposited through e-Grass, Demand Draft, Banker's Cheque, Goverment Securities or Bank Guarantee.)

निविदा का कार्य	:	Various Work for VVIP Visit in PWD Division-Bassi, Jaipur (2 Nos)
कुल धरोहर राशि (रुपयों में)	:	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख	:	बुधवार 21 मई, 2025 प्रात: 9.30 बजे से सोमवार 02 जून, 2025, सायं 6.00 बजे तक।
निविदा जमा कराने की तारीख	:	बुधवार 21 मई, 2025 प्रात: 9.30 बजे से सोमवार 02 जून, 2025, सायं 6.00 बजे तक।
निविदा खोलने की तारीख	:	मंगलवार 03 जून, 2025 को प्रात: 11.00 बजे तक।
प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया	:	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6(5)/वित्त/सावितेनि/2018 दिनांक 27.4.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आनलाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क - 8658-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क - 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि - 8443-00-108-00-00 ऑफिस आई.डी. 4533

UBN No. : PWD2526WSOB02160, PWD2526WSOB02161

(दिनेश कुमार मीणा) अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खंड-बस्सी (जयपुर

DIPR./C/6840/2025

Rural Non Farm Development Agency

3rd Floor, B-Block, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur) Ph: +91-0141-2226861, 2225619, Fax: +91-0141-5104844 Website : www.ruda.rajasthan.gov.in, Email: rudaraj@ rajasthan.gov.in

F02(1)RUDA/store/NGO/2025-26/1428 दिनांक :- 28/05/2025

अभिरूचि प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

ग्रामीण गैर कृषि विकास अभिकरण (रूडा) कार्यालय द्वारा सूचीबद्ध किये जाने की दिनांक से एक वर्ष के लिए राज्य में गैर कृषि क्षेत्र के दस्तकारों के उन्नयन हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशाला एवं एक्सपोजर विजिट इत्यादि के आयोजनों में रुचि रखने वाले प्रतिष्ठित पंजीकृत गैर सरकारी संगठन/ट्रस्ट को सूचीबद्ध करने हेतु ई-उपापन के माध्यम से अभिरुचि प्रस्ताव आंमत्रित किये जाते हैं।

UBN No. RUD2526SLOB00003, NIB No. RUD2526A0003

क्र. सं.	कार्य	ऑनलाइन निविदा प्राप्त होने की अन्तिम दिनांक एवं समय	अनुमानित कुल व्यय	प्रतिभूति राशि अधिकतम 2 प्रशित	ई-उपापन हेतु प्रक्रिया शुल्क	निविदा प्रपत्र का शुल्क
1	NGO Empanelment for Training programmes, Workshops, Exposure Visit etc.	19.06.2025 6.00 PM तक	24.00 लाख	48,000/-	500/-	500/-

अभिरूचि प्रस्ताव आमंत्रण हेतु निविदा प्रपत्र State Public Procurement Portal http://sppp.rajasthan.gov.in एवं e-procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in एवं website www.ruda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं।

राज.संवाद/सी/25/3301 उपमहाप्रबंधक

हादसे में तीन घायल

मालपुरा, (निसं)। जयपुर-भीलवाड़ा स्टेट हाइवे पर शुक्रवार की दोपहर मालपुरा की और से जा रहे टैंकर व जयपुर की और से आ रही कार में एमिनेन्ट कॉलेज के पास आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार दिल्ली निवासी शशि बक्सी पत्नी सुशील कुमार गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे जयपुर रैफर किया तथा घायल विशाल बक्सी व वैभव का डिग्गी अस्पताल में उपचार शुरू किया। डिग्गी पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार व टैंकर को पुलिस सुरक्षा में लिया।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद वि.वि. तक पहुंची नीट यूजी की जांच

केंद्रीय जांच ब्यूरो की टीम ने कई स्टूडेंट्स से पूछताछ की, डमी कैंडिडेट बन एग्जाम देने का शक

जोधपुर, (कासं)। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में डमी अभ्यर्थियों, पेपर लीक व फर्जीवाड़े के आरोपों की जांच अब राजस्थान के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों तक पहुंच गई है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम पिछले तीन-चार दिनों से जोधपुर स्थित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में जांच कर रही है। सीबीआई की पकड़ में आए गिरोह से पूछताछ में यहां के कुछ स्टूडेंट्स द्वारा नीट परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बनने की जानकारी सामने आई थी। इसको लेकर सीबीआई टीम ने आयुर्वेद वि.वि. के द्वितीय व तृतीय वर्ष के अनेक स्टूडेंट्स से पूछताछ की। इन स्टूडेंट्स पर नीट में डमी अभ्यर्थी बनने का संदेह जताया जा रहा है।

सीबीआई सूत्रों के अनुसार आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों पर नीट परीक्षा में अन्य अभ्यर्थियों के स्थान पर डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने की पुष्टि करने के लिए जोधपुर पहुंची दिल्ली सीबीआई टीम आयुर्वेद विवि के द्वितीय व तृतीय वर्ष के 10-12 छात्रों के फोटो और हस्ताक्षरों का मिलान करने के साथ ही विभिन्न संदिग्ध बिंदुओं पर तकनीकी जांच करने में जुटी है।

सीबीआई की जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया था कि जोधपुर एम्स के तृतीय वर्ष के एमबीबीएस छात्र हुकमाराम गोदारा ने चार लाख रुपए लेकर बिहार के मुज्जफरनगर स्थित डीएवी स्कूल (मालीघाट) परीक्षा केंद्र में डमी अभ्यर्थी बनकर परीक्षा देने का प्रयास किया था। बाड़मेर निवासी हुकमाराम प्रयागराज के नामी डॉक्टर आरके पांडे के बेटे राज पांडे के स्थान पर परीक्षा देने पहुंचा था, परंतु बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान पकड़ा गया। जोधपुर का संबंध सीबीआई की पटना स्थित शास्त्री नगर पुलिस स्टेशन में जून-2024 में दर्ज एफआईआर से जुड़ा था। उसी की जांच में जुटी सीबीआई टीम को राजस्थान के कई छात्रों और संस्थानों की संदिग्ध भूमिका होने के संकेत मिले थे। तब से दिल्ली सीबीआई की स्पेशल यूनिट की टीम संदिग्ध छात्रों के एकेडेमिक रिकॉर्ड, परीक्षा केंद्रों के दस्तावेज और बायोमेट्रिक डेटा का विश्लेषण कर रही है।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि सीबीआई की टीम नीट यूजी परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर जांच के सिलसिले में जोधपुर आई है। उस जांच के दौरान सीबीआई की पकड़ में आई गैंग से ऐसे सुराग मिले, जिसमें जोधपुर आयुर्वेद विवि के कुछ स्टूडेंट्स द्वारा दूसरे राज्य में जाकर डमी के रूप में परीक्षा देने की बात सामने आई थी। उसी की पुष्टि के लिए सीबीआई टीम जांच में जुटी है।

अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित आस्था कॉलोनी के पास नहर की पुलिया के नीचे शुक्रवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक की शिनाख्त करने और वारदात का पता लगाने की कोशिश कर रही है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

ऑपेरशन शील्ड : आज फिर गूंजेगा सायरन, मॉक ड्रिल होगी

जोधपुर, (कासं)। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद प्रदेश में 31 मई को एक बार फिर ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल होगी। मॉक ड्रिल के दौरान सायरन बजेंगे। इसके साथ ही इमरजेंसी व्यवस्थाओं को भी जांचा जाएगा। सिविल डिफेंस ने मॉक ड्रिल की तैयारियां शुरू कर दी है। इसके लिए सभी जिलों को निर्देश जारी किए जा रहे हैं। पाकिस्तानी बॉर्डर से लगते जिलों में मॉक ड्रिल के लिए खास तैयारियां की जा रही है।

जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि शनिवार को जोधपुर में भी मॉक ड्रिल होगी। मॉक ड्रिल शाम पांच बजे होगी। उन्होंने बताया कि मॉक ड्रिल को लेकर निर्देश मिले हैं। इस दौरान चेतावनी भरे सायरन बजने के साथ ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाएगा। युद्ध जैसे हालात और हमले की स्थिति में बचाव एवं राहत कार्य का अभ्यास भी इस मॉक ड्रिल में किया जाएगा। इस दौरान सुरक्षा इंतजामों और बचाव कार्यों की तैयारियों को भी जांचा जाएगा।

जानकारी के अनुसार पहले राजस्थान सहित चार राज्यों और एक केंद्र शसित प्रदेश में 29 मई को मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट रिहर्सल होनी थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों से इसे स्थगित किया गया। अब 31 मई को मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट रिहर्सल होगी। इससे पहले 7 मई को प्रदेशभर में मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट रिहर्सल की गई थी। तब कई खामियां सामने आई थी। इन खामियों को भी शनिवार को प्रस्तावित मॉक ड्रिल में जांचा जाएगा। मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट रिहर्सल को लेकर सभी जिला कलेक्टर को निर्देश जारी किए गए हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार पश्चिमी सीमा से लगे राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदशों के सभी जिलों में 31 मई को सिविल डिफेंस अभ्यास आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में राजस्थान के सभी 7 संभागों के 41 जिलों में द्वितीय सिविल डिफेंस अभ्यास (ऑपरेशन शील्ड) का आयोजन होना है।

हत्या के मामले में वांछित इनामी बदमाश नागौर से गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। बीछवाला थाना क्षेत्र में हत्या के एक मामले में वांछित बदमाश प्रकाश चांगरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के अलावा मारपीट और आर्म्स एक्ट के कई मामलों में भी पुलिस को उसकी तलाश थी। दस हजार रुपए का इनाम भी इस पर घोषित था। फरारी के दौरान छह राज्यों में भागता फिरा, हालांकि बाद में पुलिस ने इसे दबोच लिया।

थानाधिकारी गोविन्द सिंह चारण के अनुसार 3 जुलाई 2024 को सदाम व मृतक शाहरूख परिवार के साथ शोभासर में बारात में शामिल होकर वापस बीकानेर लौट रहे थे। रास्ते में बदमाशों ने सद्दाम की गाड़ी को टक्कर मारी। बदमाशों की गाड़ियों से 20-30 व्यक्ति उतरे जिनमें से सिकंदर, साजिद, सीताराम, प्रकाश ने अपने हाथों में पिस्तौल ले रखी थी। सद्दाम को जान से मारने के लिए फायर किया और मारने की नियत से सद्दाम एवं उसके भाई पर हमला कर दिया। इस हमले मे परिवादी के भाई शाहरूख की मौत हो गई। हत्या का मामला दर्ज होने के साथ ही पुलिस ने धरपकड़ शुरू कर दी लेकिन बदमाश भागने में सफल हो गए। आरोपी प्रकाश चांगरा पुत्र लालचंद चागरा निवासी हरिजन बस्ती बड़ी गुवाड पर 10 हजार रुपए का इनाम रखा गया। टीम ने पिछले कई दिनों से लगातार प्रयास करते हुए कड़ी से कड़ी जोड़कर संदिग्ध स्थानों पर लगातार निगरानी रखी। सायबर सैल ने मुल्जिम प्रकाश चांगरा से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों पर प्रतिदिन मॉनिटरिंग की। प्रकाश चांगरा के बारे में पुख्ता सूचना मिलते ही उसे नागौर से पकड़ लिया गया। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से फरार होकर प्रकाश मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश व पंजाब में फरारी काटता रहा। आरोपी कोटगेट थाने में 3 गिरफ्तारी वारंटों में वांछित था।

- हत्या, मारपीट और आर्म्स एक्ट के संगीन मामलों में फरार था आरोपी, छह राज्यों में काटी फरारी

झोलाछाप के क्लीनिक पर कार्रवाई

पावटा, (निसं)। ग्राम पांछूडाला में झोलाछाप डॉक्टर सुनील कुमार सैनी जिसके पास ना कोई डिग्री ना कोई डिप्लोमा फिर भी 7-8 साल से प्रैक्टिस करते हुए अपना क्लीनिक खोलकर रोग से पीड़ित मरीजों का उपचार के नाम पर शोषण करने व मरीजों की जान से खिलवाड़ करने की शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष सिंह शेखावत के आदेशानुसार बीसीएमओ डॉ. कृष्ण सिंह शेखावत, ड्रग कंट्रोलर ऑफिसर अरुणा मीणा, पावटा तहसीलदार संजय खेदड के नेतृत्व में प्रागपुरा थाना पुलिस एएसआई कंवर सिंह की टीम के द्वारा झोलाछाप डॉक्टर पर छापामार कार्रवाई अभियान चलाया गया। जिसके चलते स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्राम पांछूडाला पहुंचकर मरीजों का उपचार करते पाए जाने पर डॉक्टर के क्लीनिक को सीज कर नोटिस चस्पा किया।

अनियंत्रित होने से बस पलटी, 15 घायल

भीम, (निसं)। पुलिस थाना अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर जस्साखेड़ा के समीप शुक्रवार सुबह एक निजी ट्रैवल्स बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में 15 यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा घायलों को एंबुलेंस एवं ग्रामीणों की सहायता से भीम उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने घायलों का इलाज किया तथा गंभीर अवस्था में चार यात्रियों को रेफर किया गया।

हादसे की सूचना पर भीम उपखंड अधिकारी दुदाराम हुडा एवं खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार सैनी, उपजिला चिकित्सालय पीएमओ डॉक्टर सुरेश मीणा आदि अस्पताल पहुंचे तथा घायलों के इलाज एवं यात्रियों को गंतव्य स्थल तक पहुंचाने की व्यवस्था देखी। सड़क हादसे में गंभीर घायलों का भीम चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार कर हंसराज गणेश धापू देवी एवं गोपाल सिंह आदि को ब्यावर रैफर किया गया। उंडावासांन ताल देवगढ़ निवासी पन्नासिंह पुत्र भैरूसिंह तथा भैरूसिंह पुत्र लालसिंह, नागफनी अजमेर निवासी गणेश पिता पवन बंजारा, रितिका पुत्री पवन बंजारा, दिनेश पुत्र पवन बंजारा, बानसूर अलवर निवासी कमल पुत्र राम अवतार, हंसराज पिता अशोक, पिंकी पत्नी हंसराज नाथी पत्नी गोपाल, रेखा पत्नी सोनू, गोपाल सिंह पिता विजय सिंह, धापू देवी रामसिंह सांडला जयपुर निवासी गोविंद पुत्र उमराव, विक्रम पुत्र गोविंद, बर निवासी उषा पत्नी दयालु, राम सिंह पुत्र कंगाल सिंह एवं मियाला निवासी भगवान सिंह पुत्र केसर सिंह घायल हो गए। बस पलटने से बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। परिजन एक दूसरे को आपस में ढूंढते नजर आए तथा अपने सामान को बस से बाहर निकालने के लिए आसपास के ग्रामीणों से गुजारिश करते रहे। पुलिस प्रशासन एवं ग्रामीणों ने घायल यात्रियों को बस से बाहर निकाला तथा एंबुलेंस की सहायता से उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। पुलिस ने वाहन दुर्घटना का मामला पंजीकृत कर अनुसंधान प्रारंभ किया है।

भीम उपजिला चिकित्सालय में चिकित्सकों की टीम ने घायलों का इलाज किया।

दो गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। पचेवर थाना पुलिस ने नाबालिग के अपहरण व छेड़छाड़ के मामले में दो जनों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि परिवादी ने चार अप्रेल को दी रिपोर्ट में बताया कि 14 मार्च की दोपहर मुकेश व सुरेश बावरी ने उसकी पत्नी व बहिन के साथ मारपीट कर लज्जाभंग कर एवं अपहरण कर ले जाने का प्रयास किया।

योजनाओं का लोगों को जल्दी और समुचित लाभ मिले : हरिभाऊ बागड़े

- जयपुर जिले की समीक्षा बैठक में शिक्षा, कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना की
- राजस्थान देव धर्म, गौ सेवा से जुड़ी आध्यात्मिक संस्कृति का सभ्य प्रदेश : राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जयपुर जिले की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने केंद्र और राज्य सरकार की लाभकारी योजनाओं का लोगों को जल्दी और समुचित लाभ दिए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद की पहचान कर पूर्ण पारदर्शिता से योजनाओं का लाभ आम जन को मिले। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जयपुर में केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ रास्ता खोलने का अभियान, डेयरी और शिक्षा क्षेत्र में महती काम हुए हैं। ये अनुकरणीय हैं। उन्होंने खेती में रसायनों के उपयोग से कैंसर जैसे होने वाले भयावह रोगों के प्रति काश्तकारों को जागरूक करते हुए प्राकृतिक खेती पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता और बढ़ाई जाए। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा सीखने की नींव हैं। इसमें सिखाने की व्यावहारिक पद्धितयों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि लॉर्ड मैकाले द्वारा पारंपरिक भारतीय शिक्षा को बदल कर ऐसी शिक्षा व्यवस्था देश में लागू की गई जिससे हमारे नैतिक मूल्य और प्रामाणिकता पर प्रहार हुआ। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर से ही अब ऐसे प्रयास हों कि बच्चे प्राचीन ज्ञान की हमारी समृद्ध परंपरा से जुड़ सकें।

राज्यपाल शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में जिले की समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने काश्तकार, गरीब और वंचित वर्ग के लोगों के हित को ध्यान में रखते हुए विकास योजनाओं का आंकड़ों में ही नहीं व्यावहारिक रूप में क्रियान्वयन किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने दुग्ध संग्रहण के अंतर्गत पशुपालकों के जीवन स्तर में सुधार हेतु और प्रयास किए जाने की आवश्यकता जताई।

राज्यपाल ने पंच गौरव के अंतर्गत जयपुर जिले में कबड्डी के खेल मैदान विकसित करने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रेरणादायक हैं। दूसरे जिलों में भी स्थानीय खेलों को बढ़ावा देने किए ऐसे कार्य होने चाहिए। उन्होंने रास्ता खोलो अभियान के तहत ग्रेवल सड़कों के निर्माण और वहां गांव की प्रतिभाशाली बेटियों के नाम से पिलर बनाने को महत्वपूर्ण बताया।

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2023-2024 तक जिले में 12789 आवासों की निर्माण किया गया है। राज्यपाल ने निर्मित आवासों की समीक्षा करते हुए इनमें अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्ग के लोगों को इस योजना से अधिकाधिक लाभान्वित करने पर जोर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, स्वामित्व योजना के तहत पट्टे वितरण, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण, बायोगैस प्लांट निर्माण और गांवों में स्वच्छता के लिए हो रहे कार्यों की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के लिए योजनागत कार्य किए जाने के साथ आम जन को स्व प्रेरणा से स्वच्छता की आदत डालने हेतु जागरूक भी किया जाए।

बागडे ने पीएम स्वनिधि के तहत रेडी वालों, कमजोर आय वर्ग के लोगों को स्व उद्योग के लिए प्रोत्साहित करने, कौशल विकास के तहत युवाओं को अधिकाधिक प्रशिक्षित कर उनकी विकास में सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी इस दौरान उपस्थित रहे। आरंभ में जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी ने विभिन्न विकास और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में विस्तार से बताया।

प्रदेश में कोविड के 15 नए केस सामने आये

जयपुर। प्रदेश में कोरोना वायरस एक बार फिर चिंता का कारण बनता रहा है। शुक्रवार को प्रदेश में कोविड-19 के 15 नए मामले सामने आए हैं। विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, जयपुर एक बार फिर हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहा है। वर्तमान में 13 मरीज अस्पतालों में भर्ती हैं। इनमें से अधिकतर जयपुर के साकेत, जेके लोन, राजस्थान, गुप्ता अस्पताल और एम्स जोधपुर में इलाज चल रहा हैं।

प्रदेश में कोविड-19 के केसों की बात की जाए तो सबसे अधिक मामले जयपुर में है, शुक्रवार को 8 नए मरीज मिले हैं। इनमें 64, 56, 33, 27, 36, 58, 21, और 57 वर्षीय पुरुष व महिलाएं शामिल हैं। वहीं बीकानेर से 3 मरीजों में 12 वर्षीय बालक, 74 वर्षीय महिला, और 50 वर्षीय पुरुष शामिल है। इसी प्रकार से उदयपुर से 2 मरीज, 78 और 25 वर्षीय पुरुष, बालोतरा से 7 वर्षीय बालक की पुष्टि हुई है। इस प्रकार कुल 15 मामलों में से अधिकांश बी-लाल लैब (5) व एसपीएमसी बीकानेर (3) से रिपोर्ट हुए हैं। अन्य रिपोर्टिंग संस्थानों में एम्स जोधपुर, आरएनटी, एसएमएस, आरयूएचएस, जीएमसी उदयपुर, आणविक शामिल हैं।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल बागडे से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

मेडिकल कॉलेजों के अस्पतालों का सघन निरीक्षण

जयपुर। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों और संबद्ध 81 अस्पतालों का शुक्रवार को सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान अस्पतालों में साफ सफाई, बिजली उपकरणों की स्थिति और भवनों की स्थिति जांची गई। इसके लिए कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय की ओर से 5-5 अधिकारियों की 33 टीमों का गठन किया गया था। सभी टीमों ने आज निरीक्षण कर तय फॉर्मेट के अनुसार जांच रिपोर्ट बनाई। अब इस रिपोर्ट के आधार पर मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में सुधार करवाए जाएंगे।

एटक की जनरल कॉन्सिल की मीटिंग में स्थानीय व राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा

मजदूर यूनियन एटक की शुक्रवार को जनरल कॉन्सिल की मीटिंग हुई।

जयपुर। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कॉंग्रेस की जनरल कॉन्सिल की मीटिंग के दूसरे दिन राज्यों की समस्याओं पर चर्चा के साथ ही अनेक प्रस्ताव पारित किए गए। प्रस्तावों में बिजली क्षेत्र के निजीकरण के विरोध में प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में कहा गया बिजली उत्पादन क्षेत्र को ठेके पर दिया जा रहा है।हल ही गौतम अड़ानी को बिना किसी नियम क़ायदे के 21 हज़ार करोड़ रुपये का ठेका दे दिया गया। सरकार की इस नीति से उपभोक्ताओं पर महंगाई की मार पड़ेगी। साथ ही सरकारी क्षेत्र को भी नुक़सान पहुँचेगा। प्रस्तावों में अंशदायी राष्ट्रीय पेंशन योजना और एकीकृत पेंशन को रद्द कर अंशदायी पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने, स्वास्थ्य सेवाओं को मौलिक अधिकार घोषित करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर जीडीपी का 3 प्रतिशत बजट करने तथा बढ़ती महंगाई के खिलाफ न्यूनतम मज़दूरी को मौलिक अधिकार घोषित करने करने और 26 हज़ार करने सम्बन्धी प्रस्ताव पारित किए गए। इन प्रस्तावों के अलावा फ़िलिस्तीन में गाजा पट्टी पर बिना शर्त युद्ध बंद करने और 1967 की सीमा को स्वीकार करने की माँग की गई।प्रस्ताव में कहा कि एटक ने भारत सरकार से माँग की है कि भारत के भवन निर्माण मज़दूरों और अन्य श्रमिकों को इस्त्राइल भेजना बंद किया जाए।इस सम्बन्ध में एटक का एक प्रतिनिधिमंडल भारत के विदेशी मामलात के मंत्री व इस्त्राइल के दूतावास से भी मिलेगा।

भाजपा के डेढ साल कांग्रेस के पांच सालों पर भारी : संजय शर्मा

जयपुर। वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयान पर पलटवार किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिल्ली प्रवास पर की गई टिप्पणी का वन मंत्री ने कड़ा जवाब दिया है। संजय शर्मा ने कहा कि टीकाराम जूली ही नहीं, पूरी कांग्रेस राजस्थान के विकास से घबरा गई है। जो लोग पांच साल तक आपस में लडते रहे, एक दूसरे को नीचा दिखाते रहे, महीनों तक होटलों में रहे, उन्हें डबल इंजन सरकार का महत्व कैसे पता होगा। दरअसल राज्य के उपचुनावों में हुई करारी हार से कांग्रेस उबर नहीं पाई है। हताशा के साथ ही कांग्रेस के नेता आपसी होड में अनर्गल बयान जारी कर रहे हैं।

'शेल्टर होम से बाहर निकले युवाओं को पहचान का संकट'

- हाईकोर्ट ने लिया प्रसंज्ञान, केन्द्र सरकार, मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, अलवर कलेक्टर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर और यूनिसेफ के प्रदेश कार्यालय को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने वयस्क होने के बाद शेल्टर होम को छोडने वाले युवाओं के लिए कोई प्रावधान नहीं होने पर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने केन्द्र सरकार, मुख्य सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, अलवर कलेक्टर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर और यूनिसेफ के प्रदेश कार्यालय को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने केन्द्र सरकार के बाल विकास विभाग और राज्य के मुख्य सचिव से रिपोर्ट पेश कर बताने को कहा है कि ऐसे युवाओं के कल्याण के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश प्रकरण में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने अलवर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और कलेक्टर को स्थानीय बालिका गृह का दौरा कर जांच करने को कहा है कि वहां अनुदान क्यों रोका गया है। अदालत ने कहा कि सही नीतियों से न केवल इन युवाओं को जीवित रहने, बल्कि फलने-फूलने के लिए सशक्त बनाया जा सकता है। आज हम इन्हें राहत देकर न केवल अपनी सामाजिक जिम्मेदारी पूरी करेंगे, बल्कि इनके भविष्य का भी निर्माण करेंगे।

तीन महिलाओं ने पार किया सवा दो लाख रुपए का गोल्ड पेंडेंट सेट

जयपुर। गांधी नगर थाना इलाके में एक व्यक्ति के बैग से तीन महिलाओं ने सवा दो लाख रुपए का गोल्ड पेंडेंट सेट पार कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है। पुलिस के अनुसार कृष्णा मार्ग बापू नगर निवासी मानसिंह गुर्जर ने मामला दर्ज करवाया।

जयपुर में धाकड़ छात्रावास की मांग फिर हुई बुलंद

जयपुर। श्री धाकड़ समाज समिति जयपुर की ओर से शुक्रवार को मालवीय नगर स्थित त्रिमूर्ति आर्टमेंट में विशेष परिचय व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला स्तरीय पदाधिकारी में शामिल हुए। वहीं, श्री धाकड़ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व संसदीय सचिव नरेंद्र नागर का समिति की ओर से स्वागत किया गया। नागर ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पद लेना महत्वपूर्ण नहीं, इसे एक जिम्मेदारी समझे, इसे पूरी निष्ठा से निभाएं। नागर ने समाज को एक सूत्र में बांधने का मंत्र देते हुए कहा कि संगठित रहेंगे तो एक रहेंगे, और एक रहेंगे तो आगे बढ़ेंगे। इस कार्यक्रम का नेतृत्व समिति अध्यक्ष व श्री धाकड़ महासभा राजस्थान के प्रदेश महामंत्री एडवोकेट महेश धाकड़ ने किया। बैठक में शिक्षा, संगठन विस्तार, राजनीतिक भागीदारी और सामाजिक सामंजस्य जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा हुई।

अंजन कुमार का नाम एकल सेवारत महंत के तौर पर अंकित करने पर स्टे

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अतिरिक्त जिला न्यायालय क्रम-4 महानगर द्वितीय के उस आदेश पर यथास्थिति के आदेश दिए हैं, जिसके तहत अदालत ने गोविंद देवजी मंदिर के एकल सेवारत महंत के रूप में मृतक प्रद्युम्न कुमार गोस्वामी के स्थान पर गोस्वामी अंजन कुमार का नाम अंकित करने को कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश अंजन कुमार के भाई ओथेश कुमार की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुखदेव सिंह सोलंकी ने अदालत को बताया कि निचली अदालत ने लोक न्यास अधिनियम के प्रावधानों के तहत ज्येष्ठाधिकार के उत्तराधिकार का तरीका होने होने के आधार पर अंजन कुमार का नाम एकल सेवायत महंत के रूप में उनके स्वर्गवासी पिता के स्थान पर अंकित करने को कहा था। अंजन कुमार ने निचली अदालत में यह प्रार्थना पत्र लोक न्यास अधिनियम की धारा 41 व 43 के तहत पेश किया था। जबकि इन धाराओं में कार्यवाहक प्रन्यासी नियुक्त करने का प्रावधान है ना की एकल सेवायत महंत। इसके अलावा याचिकाकर्ता के पिता प्रद्युम्न कुमार गोस्वामी ज्येष्ठाधिकार के आधार पर एकल सेवायत महंत बने थे। वहीं बाद में उत्तराधिकार अधिनियम लागू हो गया था। ऐसे में ज्येष्ठाधिकार परम्परा समाप्त हो गई और उत्तराधिकार अधिनियम के तहत प्रद्युम्न कुमार के तीनों उत्तराधिकारी समान रूप से सेवायत महंत के हकदार को गए।

देवनानी आज हनुमानगढ़ और बीकानेर जाएंगे

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी 31 मई से 2 जून तक हनुमानगढ़ और बीकानेर की यात्रा पर रहेंगे। देवनानी दोनों जिलों में अनेक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। देवनानी हनुमानगढ में 31 मई को खुशालदास विश्वविद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण करेंगे। हनुमानगढ के नोहर के सिंधी बाजार में 1 जून को शहीद हेमू कालानी की मूर्ति का अनावरण करने के साथ ही शहीद हेमू कालानी चौक का उद्घाटन करेंगे।

दिया कुमारी ने आईआईडीसी 2025 का उद्घाटन किया

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शुक्रवार को इंडिया इंटरनेशनल डिज़ाइन कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया। यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिज़ाइनर्स, जयपुर चैप्टर द्वारा आरआईसी, झालाना में आयोजित किया जा रहा है।

उद्घाटन के बाद उपमुख्यमंत्री ने डिज़ाइन इंस्टॉलेशन, क्राफ्ट प्रदर्शनी और कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने युवाओं की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा : "राजस्थान की कलात्मक परंपरा और डिज़ाइन क्षमता को ऐसे मंचों के माध्यम से देश-दुनिया तक पहुँचाना अत्यंत सराहनीय प्रयास है। डिज़ाइन एक ऐसा माध्यम है जो परंपरा को नवाचार से जोड़ता है।" आईआईडीसी 2025 का उद्देश्य जयपुर और राजस्थान की समृद्ध डिज़ाइन परंपरा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना है।

मकान पर घुसे चोर ने की फायरिंग, कंधे पर लगी गोली

- घायल व्यक्ति करता है कैटरिंग का काम, काम से देर रात लौटा तो उसे मकान की छत पर

जयपुर। करधनी थाना इलाके में गुरुवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि एक मकान में घुसे चोर को युवक ने देख लिया। इस पर युवक ने चोर का पीछा करना शुरू कर दिया तो चोर ने पकड़े जाने के डर से युवक पर फायरिंग कर दी। गोली युवक के बाएं बाजू पर लगी। युवक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार लालचंदपुरा जेडीए कॉलोनी निवासी 47 वर्षीय भगवंत सिंह केटरिंग का काम करता है। गुरुवार को वह कैटरिंग का काम कर देर रात घर लौटा था। घर लौटने पर उसे पडोसी के मकान की छत पर चोर नजर आया। यह देखकर वह पडोसी के मकान के नजदीक आ गया। युवक को आता देखकर चोर भागने लगा तो उसने पीछा किया। पकड़े जाने के डर से चोर ने भगवत सिंह पर फायरिंग कर दी। गोली भगवंत सिंह के बाएं बाजू को छूकर निकल गई। इससे भगवंत सिंह घायल हो गया। गोली की आवाज सुनकर स्थानीय लोग जाग गए। तब तक चोर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकला। थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि मामले की छानबीन के दौरान सीसीटीवी फुटेज मिला है। इसमें पीड़ित चोर का पीछा करता नजर आ रहा है। घटना रात करीब दो बजे की है। व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की तलाश की जा रही है। जल्द ही चोर को पकड़ लिया जाएगा। भगवंत सिंह कैटरिंग का काम करता है। गोली उसके हाथ के बाजू को छू कर निकल गई।

34 गीगावाट सौर क्षमता स्थापित करके राजस्थान की पूरे देश में सर्वाधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता : हीरालाल नागर

जयपुर के क्लार्क्स आमेर होटल में एनर्जेटिका इंडिया पत्रिका द्वारा आयोजित रीकनेक्ट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने संबोधित किया।

जयपुर। जयपुर के क्लार्क्स आमेर होटल में एनर्जेटिका इंडिया पत्रिका द्वारा आयोजित रीकनेक्ट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि राजस्थान वर्तमान में स्थापित सौर क्षमता के मामले में भारत में सबसे आगे है, जिसमें 34 गीगावाट पहले से ही चालू है। राज्य में देश में सबसे अधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता है, जिसमें सौर ऊर्जा में 142 गीगावाट और पवन ऊर्जा में 284 गीगावाट तक की क्षमता है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में ही हमने 10,772 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता जोड़ी है। एकीकृत ऊर्जा नीति के तहत हमारा लक्ष्य 2030 तक 125 गीगावाट हासिल करना है। यह 500 गीगावाट के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है, जिसमें राजस्थान प्रमुख भूमिका निभा रहा है। राजस्थान भारत की अक्षय ऊर्जा क्रांति के केंद्र में है। आज, देश भर के निवेशक सौर और अन्य स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्रों में अवसरों के लिए राजस्थान की ओर देख रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में राज्य सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव कदम उठाए हैं जिसमें एक समर्पित ऊर्जा नीति शुरू करना भी शामिल है। उन्होंने आगे कहा, हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में भूमि है, हमने भूमि आवंटन नीति को सरल बनाया है ताकि निवेशक आ सकें, निवेश कर सकें और राजस्थान के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। इससे हमें अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और भविष्य में अन्य राज्यों को बिजली देने में मदद मिलेगी।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि राजस्थान को बैटरी ऊर्जा भंडारण के लिए राष्ट्रीय केंद्र बनाया जायेगा, इसका लक्ष्य केंद्र सरकार के सहयोग से 5,000 मेगावाट भंडारण क्षमता हासिल करना है।

उन्होंने निवेशकों से ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सौर प्रतिष्ठानों के साथ कम से कम 25-30 प्रतिशत बैटरी भंडारण को एकीकृत करने का आग्रह किया। रीकनेक्ट कार्यक्रम में सौर पीवी विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण अपनाने, कृषि को सौर ऊर्जा से जोड़ने, विनियामक सुधार और वाणिज्यिक, औद्योगिक और आवासीय छत विकास पर चर्चा हुई। कार्यक्रम को ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज, गौतम सोलर, ओसवाल सोलर, आनंद ई-बीम केबल्स, आत्मनिर्भर सोलर, पीओएम पावर, स्टैंडर्ड स्काईटॉप राइज, सोलरयान और कॉस्मिक पीवी सहित प्रमुख कम्पनियों से समर्थन मिला है। राजस्थान सोलर एसोसिएशन भी इस आयोजन में भागीदार है। रीकनेक्ट शिखर सम्मेलन के जयपुर संस्करण ने नेटवर्किंग और ज्ञान साझा करने के लिए एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य किया, जिसमें सरकारी अधिकारियों और उद्योगपतियों सहित विभिन्न हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

ई मेल से फिर आई मेट्रो स्टेशन और दो कोर्ट में बम से उड़ाने की धमकी

- मेल में लिखा कि तीन आईईडी से होंगे धमाके, कोर्ट परिसर खाली कराए

जयपुर। मानसरोवर मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी मिली। इसके बाद बम और डॉग स्क्वॉयड मौके पर पहुंचे। इससे पहले शुक्रवार सुबह दो कोर्ट में बम ब्लास्ट की धमकी मिली थी। इनमें एक जयपुर मेट्रो कोर्ट और एक फैमिली कोर्ट है। धमकी भरे ई-मेल के बाद हड़कंप मच गया था।

मेल में शुक्रवार दोपहर दो बजे तक तीन आईईडी से दो कोर्ट में धमाके करने की जानकारी थी। मेल भेजने वाले ने खुद को पूर्व नक्सली बताया था। सुबह मेल मिलने के बाद पूरे परिसर को खाली कराया गया था। मौके पर पहुंचे बम और डॉग स्क्वॉयड ने फैमिली कोर्ट में करीब चार घंटे सर्च किया था। वहीं, जयपुर मेट्रो कोर्ट में करीब एक घंटे तक सर्च करने के बाद परिसर को सेफ बताया था।एंटी टेररिस्ट स्क्वाड की टीम भी ज्योति नगर के फैमिली कोर्ट में जांच के लिए पहुंची। जयपुर मेट्रो कोर्ट (प्रथम) के जज पवन कुमार ने पुलिस कमिश्नर को धमकी भरे ई-मेल की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि ई-मेल 29 मई को सुबह 4.49 बजे मिला था। कोर्ट बंद होने के कारण 30 मई को सुबह करीब 8.15 बजे ई-मेल देखा था। इसी ई-मेल में ज्योति नगर फैमिली कोर्ट में में भी ब्लास्ट की जानकारी थी।मेल में लिखा मैं पूर्व नक्सली हूं। इस हफ्ते से पहले तक कोर्ट आईईडी ऑपरेशन का हिस्सा भी रह चुका हूं। ध्यान से इस ऑपरेशन के बारे में पढ़ लीजिए, जिसे सीपीआई (माओ) ने सिंगर कोवान नाम दिया है। सिंगर कोवान उर्फ एस शिवदास का इस्तेमाल अगले सप्ताह एडैपडी के.पलानीसामी के खिलाफ होने वाले अभियान के लिए किया जा रहा है। यह अभियान सवुक्कु शंकर के साथ गलत तरीके से किए गए व्यवहार और डीएमके के 2 जी सादिक बाचा की हिरासत में मौत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए है। हमारे हाई कमांड से क्रिटिकल सिक्योरिटी अलर्ट आया है। कल तीन बम कोर्ट की बिल्डिंग में प्लांट किए गए हैं। वहीं, मेल के सब्जेक्ट में लिखा कि तीन आईईडी फैमिली कोर्ट की बिल्डिंग में रखें हैं। 2 बजे से पहले खाली करवा लें।

गौरतलब है कि इससे पहले 13 मई, 12 मई और 8 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम को उड़ाने की धमकी दी गई थी। इसमें 13 मई को मिले मेल में बम से उड़ाने की धमकी के साथ ही रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की गई थी। 9 मई को जयपुर मेट्रो को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। जयपुर मेट्रो की मेल आईडी पर ईमेल मिला था। इसमें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद जयपुर मेट्रो स्टेशन और ट्रेन दोनों को उड़ाने की धमकी दी गई थी। लेकिन जांच में कुछ नहीं मिला था।

भीलवाड़ा की नेहरू तलाई में लाखों की तादात में मछलियों व जलीय जीवों की मौत

मछलियों व जलीय जीवों की मौत का कारण नेहरू तलाई में नालों का गंदा पानी आना, गंदगी होना व समय पर सफाई नहीं होना बताया जा रहा है

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर विकास न्यास द्वारा निर्मित नेहरू तलाई में लाखों मछलियों एवं जलीय जीवों की मौत हो गई। इसकी वजह नेहरू तलाई में नालों का गंदा पानी आना, गंदगी होना व समय पर सफाई नहीं होना बताया जा रहा है। मृत मछलियां तलाई के किनारे पानी के ऊपर तैर रही हैं। ये विभिन्न साइज की है। हजारों मछलियों ने तो शैशवावस्था में ही दम तोड़ दिया। पूरे क्षेत्र में जबर्दस्त सड़ांध फैल रही है। आसपास रहने वाले लोग परेशान हैं।

- **पानी पर तैर रही है मृत मछलियां, पूरे क्षेत्र में जबर्दस्त सड़ांध फैल रही है, आसपास रहने वाले लोग परेशान हो रहे हैं**

भीलवाड़ा में नगर विकास न्यास द्वारा निर्मित नेहरू तलाई में लाखों मछलियों एवं जलीय जीवों की मौत हो गई।

इसकी सूचना मिलने पर पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू नेहरू तलाई पहुंचे। उन्होंने यहां के हालात पर नाराजगी जताई। जाजू ने दावा किया कि यहां लाखों मछलियां व जलीय जीव मरे हैं। नेहरू तलाई में चारों ओर पॉलीथिन, डिस्पोजेबल व अन्य कचरा फैला है। तलाई के पास ट्रेन ट्रैक के आसपास भी गंदगी है। तलाई की दीवारें कई जगह से टूट चूकी हैं और तालाब में गिर गई है। इन सब हालात को दर्शाते हुए उन्होंने दस दिन पहले जिला कलेक्टर व यूआईटी सेक्रेट्री को पत्र भी लिखा था, पर नेहरू तलाई की सफाई पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। यदि समय रहते सफाई हो जाती तो आज ये दिन नहीं देखना पड़ता। जाजू ने मांग की है कि नेहरू तलाई का विकास मानसरोवर झील की तर्ज पर किया जाए। यूआईटी ने मानसरोवर झील के लिए 20 करोड़ रुपए की योजना बनाई है, उसी तरह नेहरू तलाई के चारों ओर विकास कराया जाए, स्वच्छ जल भरा जाए, गंदे नाले बंद किए जाएं, नौका विहार शुरू हो, पानी को साफ करने के लिए ईटीपी प्लांट लगाया जाए ताकि फिर से ऐसी घटना न हो। यूआईटी की पटेल नगर में बनी मानसरोवर झील में पहले भी हजारों मछलियों ने दम तोड़ दिया था। तब भी वे पानी पर तैरती रही। कई दिन तक मृत मछलियों को हटाया नहीं गया था। तब भी मत्स्य विभाग और यूआईटी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते रहे। आज भी मानसरोवर झील में जलकुंभी जमी है। पानी तो दिखाई ही नहीं देता। ऐसे में जलीय जीवों का जीवन संकट में होना तय है।

ट्रेन की चपेट में आई दो सगी बहनें, दोनों की मौत

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र के सुभाष नगर रेलवे फाटक और दौराई रेलवे स्टेशन के बीच शुक्रवार को दो सगी बहनें रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गईं, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में मातम छा गया। मौके पर पहुंची जीआरपी और रामगंज थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिए।

- **रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से हादसा हुआ**
- **दोनों बहनें किसी काम से घर से निकली थी और रेलवे ट्रैक पार कर रही थी**

रामगंज थाने के हैडकांस्टेबल विजेंद्र सिंह ने बताया कि चन्द्रवरदायी नगर निवासी कौशल्या देवी और मलूसर रोड निवासी उनकी बहन माया देवी दोनों बहनें किसी काम से घर से निकली थीं और रेलवे ट्रैक पार कर रही थीं। उसी दौरान तेज गति से ट्रेन आ गई। दोनों बहनें घबरा गईं और पटरी पार नहीं कर सकीं, जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। दौराई रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर ने जीआरपी को हादसे की जानकारी दी। साथ ही रामगंज थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों बहनों के शवों को कब्जे में लेकर जेएलएन अस्पताल के चीरघर में रखवाया। मृतक कौशल्या के पति भीखाराम ने दोनों की शिनाख्त की। इधर पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है।

महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में दो नवजात बच्चों के शव मिले

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब दो नवजात बच्चों के शव परिसर में पड़े मिले।

- **महिला सफाईकर्मी ने हॉस्पिटल परिसर में स्थित कचरे के ढेर में दो नवजात बच्चों के शव पड़े देखे**
- **अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है पुलिस**

जानकारी के अनुसार, अस्पताल में कार्यरत एक महिला सफाईकर्मी ने हॉस्पिटल परिसर में स्थित कचरे के ढेर में दो नवजात बच्चों के शव पड़े देखे तो अस्पताल में तैनात होमगार्ड के जवान को सुचित किया। सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन हरकत में आया और दोनों नवजात बच्चों के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। यह घटना पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

पीएमओ डॉक्टर अरुण गौड़ ने बताया कि महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में अग्रवाल भवन वाले गेट के पास कचरे के ढेर में दो मासूम बच्चों के भ्रूण मिले हैं। उन्होंने बताया कि भीमगंज पुलिस और मेडिकल जूरिस्ट को सूचित कर दिया गया है और अस्पताल प्रशासन द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इन भ्रूणों को वहां किसने और क्यों फेंका। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

प्रदेश का पहला वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो जोधपुर में आकार लेने लगा

जोधपुर, (कासं)। देश में बिजली की रफ्तार से बेहतर कनेक्टिविटी दे रही सेमी हाईस्पीड वंदे भारत सुपरफास्ट ट्रेनों के रखरखाव के लिए प्रदेश का पहला वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के उपनगरीय भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के पास अब आकार लेने लगा है। रेलवे ने 167 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले अत्यंत महत्वाकांक्षी वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो का निर्माण इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है तथा इसके लिए भगत की कोठी रेलवे स्टेशन के दूसरे प्रवेश द्वार और वॉशिंग लाइन के बीच करीब 600 मीटर लंबे क्षेत्र में इसका निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर करवाया जा रहा है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि 167 करोड़ रुपए की लागत वाली यह महत्वपूर्ण परियोजना प्रदेश में अपने तरह की पहली सुविधा होगी और इससे जोधपुर को समूचे भारतीय रेलवे में वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में नई पहचान मिलेगी। उन्होंने बताया कि देश में चार वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो बन रहे हैं जिसमें से एक जोधपुर में स्थापित किया जा रहा है जो ढांचागत दृष्टि से काफी आकार ले चुका है तथा इसमें 600 मीटर लंबी 3 पिट लाइनों का निर्माण कराया जा रहा है जिससे एक साथ तीन वंदे भारत ट्रेनों का मेंटेनेंस एक साथ किया जा सकेगा। इसके साथ ही 900 मीटर लंबी एक व्हील लैथ व ड्राप पिट लाइन का निर्माण भी प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि यात्री सुविधाओं में विस्तार और रेलवे के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से जिस तरह से देश में वंदे भारत ट्रेनों का तेजी से संचालन प्रारंभ किया जा रहा है, उनके मेंटेनेंस संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए जोधपुर में बनने वाले इस वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो का निर्माण भी तेजी से पूरा करने के निर्देश मिले हैं तथा इस लिहाज से इसे इस वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इस संबंध में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता मेजर अमित स्वामी ने बताया कि वंदे भारत कोच मेंटेनेंस डिपो एक ही समय में तीन वंदे भारत ट्रेनों का निरीक्षण करने में सक्षम होगा तथा इसमें संपूर्ण ट्रेन रैक को उठाने, ड्राप पिट टेबल का उपयोग कर बोगियों को स्थानांतरित करने और व्हील टर्निंग सिस्टम के लिए उन्नत व आधुनिक मशीनरी स्थापित होगी जो वंदे भारत ट्रेनों का निर्बाध रखरखाव और मेंटेनेंस सुनिश्चित करेगी।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा मेंटेनेंस डिपो :- डिपो में उन्नत व्हील टर्निंग सिस्टम विकसित किया जाएगा। ड्राप पिट टेबल के उपयोग से बोगियां स्थानांतरित होगी। रखरखाव उपकरणों के लिए एक उन्नत परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रावधान शामिल है। वंदे भारत ट्रेन के बाहरी हिस्सों की धुलाई के लिए अत्याधुनिक व स्वचालित वाशिंग प्लांट की स्थापना की जाएगी। संपूर्ण वंदे भारत ट्रेन के ट्रैक के लिए सिंक्रोनाइज्ड लिफ्टिंग की व्यवस्था विकसित की जाएगी। डिपो में वंदे भारत ट्रेन की बोगी व्हील और एयर ब्रेक सिस्टम का रखरखाव होगा।

शिकारी पक्षी "स्टेपी ईगल" को बचाने के लिए ग्लोबल एक्शन प्लान बनेगा

प्रवासी प्रजातियों पर कजाकिस्तान में हुए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन में सूचीबद्ध किया गया

बीकानेर, (निसं)। विश्व के सबसे बड़े शिकारी पक्षी स्टेपी ईगल के संरक्षण को लेकर ग्लोबल एक्शन प्लान बनाया जाएगा। प्रवासी प्रजातियों पर कजाकिस्तान में हुए अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (सीएमएस) में इसे सूचीबद्ध किया गया है। आईयूसीएन रेड लिस्ट में स्टेपी ईगल की 'लुप्तप्राय' स्थिति को स्वीकार करते हुए, रैप्टर्स एमओयू के तकनीकी सलाहकार समूह ने इस प्रजाति की तेजी से घटती संख्या को थामने के लिए एक वैश्विक कार्य योजना के निर्माण को प्राथमिकता दी है।

गिद्ध के बाद स्टेपी ईगल ही सबसे बड़ा पक्षी है, जिसे बचाने के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। कजाकिस्तान की राजधानी अस्थाना में पिछले दिनों हुई एक कार्यशाला में स्टेपी ईगल के मुद्दे पर गहन चिंतन और मनन किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भारत का प्रतिनिधित्व बीकानेर के पक्षी विशेषज्ञ डॉ. दाऊ लाल बोहरा ने किया। उन्होंने भारत में स्टेपी ईगल के वितरण क्षेत्र और प्रवास के दौरान इन पक्षियों को होने वाले खतरों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। भारत के साथ-साथ नेपाल, रूस, कज़ाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, इज़राइल, यूरोप, अर्मेनिया, अमेरिका और अफ्रीका जैसे देशों के रैप्टर विशेषज्ञों ने भी अपने सुझाव और अनुभव साझा किए। इस वैश्विक स्तर की योजना का मुख्य उद्देश्य स्टेपी ईगल की पूरी प्रवासी सीमा में लागू किए जाने वाले प्राथमिक संरक्षण उपायों की रूपरेखा तैयार करना था। इन उपायों में प्रभावी कानूनी संरक्षण, प्रमुख आवासों का संरक्षण, मौजूदा खतरों का समाधान और क्षमता निर्माण की पहल जैसी महत्वपूर्ण जरूरतों को शामिल किया गया। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य स्टेपी ईगल के वितरण क्षेत्र में इसके संरक्षण की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार लाने हेतु सहयोगात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करना था।

- **रैप्टर्स एमओयू के तकनीकी सलाहकार समूह ने इस प्रजाति की तेजी से घटती संख्या को थामने के लिए वैश्विक कार्य योजना के निर्माण को प्राथमिकता दी**

डॉ. बोहरा ने बताया कि 23-29 मार्च 2026 को होने वाले कॉप 15 में अनुमोदन के लिए एक एकल प्रजाति कार्य योजना प्रस्तुत की जाएगी। इस वैश्विक कार्य योजना का समन्वय वैज्ञानिक जेनी वेस्टन और अम्बर्टो गैलो ओरसी, सीएमएस रैप्टर्स एमओयू की समन्वय इकाई में कार्यक्रम प्रबंधन अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। स्टेपी ईगल और इस कार्य योजना के लिए चयनित विशेषज्ञों के एक नेटवर्क के साथ-साथ एक समर्पित कार्य समूह की स्थापना की जा रही है, जो इस संकटग्रस्त प्रजाति के संरक्षण को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के लिए मिलकर कार्य करेगा। ठंडे स्थानों पर खतरे ज्यादा रूस, मध्य एशिया और मंगोलिया के प्रजनन स्थलों से शीतकालीन प्रवास के दौरान स्टेपी ईगल को भारत और अफ्रीका के उनके शीतकालीन क्षेत्रों में कई गंभीर खतरों का सामना करना पड़ता है। बिजली की लाइनों से करंट लगना और बुनियादी ढांचे से टकराना इनकी मृत्यु दर के प्रमुख कारण हैं।

डॉ. बोहरा के अनुसार पशु चिकित्सा में प्रयुक्त दर्द निवारक दवाओं से उपचारित जानवरों के शवों को खाने से होने वाली विषाक्तता भी एक गंभीर खतरा बनी हुई है। सौर ऊर्जा परियोजनाओं जैसे विकास कार्यों के चलते आवास की हानि भी इनके लिए खतरा है, जिससे महत्वपूर्ण शीतकालीन क्षेत्र घटते जा रहे हैं। साथ ही, कृषि में प्रयुक्त कृंतक नाशकों के जरिए अप्रत्यक्ष विषाक्तता भी मृत्यु दर को बढ़ाती है, क्योंकि ईगल प्रदूषित भोजन का सेवन कर लेते हैं। इन शीतकालीन खतरों के साथ-साथ प्रजनन और प्रवास के समय आने वाले दबाव, इस संकटग्रस्त प्रजाति की सुरक्षा के लिए समन्वित वैश्विक संरक्षण रणनीतियों की अत्यंत आवश्यकता को उजागर करते हैं।

खड़े ट्रेलर में घुसे ट्रेलर में आग में लगी, चालक जिंदा जला

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में गुरूवार-शुक्रवार की मध्यरात्रि दर्दनाक हादसे में ट्रेलर ड्राइवर की जलने से मौत हो गई। हादसा अजमेर-दिल्ली हाईवे पर दौलतपुरा टोल के पास हुआ। यहां सड़क पर खड़े ट्रेलर को पीछे से दूसरे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पीछे से आ रहे ट्रेलर में धमाके के साथ आग लग गई। आग में ट्रेलर जलकर खाक हो गया। हादसे के दौरान ड्राइवर को इतना भी समय नहीं मिला की वह ट्रेलर से निकल सके। ड्राइवर मौके पर जिंदा जल गया। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर दौलतपुरा, वीकेआई, बनीपार्क से दमकल पहुंची। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग को कंट्रोल किया गया।

पुलिस ने बताया कि एक ट्रेलर खाली था,जो मुख्य रोड़ पर खड़ा था। दिल्ली से अजमेर की ओर जा रहे ट्रेलर ने पीछे से खड़े ट्रेलर को टक्कर मारी। इस ट्रेलर में कोयला भरा हुआ था। सम्भवतया भिड़ंत ने ट्रेलर का डीजल टैंक फट गया। इसके बाद ट्रेलर ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते पूरा ट्रेलर जल कर राख हो गया। ट्रेलर में मौजूद चालक भी जिंदा चल गया। ट्रेलर के चेचिस नम्बर के आधार पर ट्रेलर मालिक की तलाश की जा रही हैं। जिसके बाद ही मृतक की पहचान हो पाएगी।

कटक गैंग सक्रिय

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में टकटक गैंग ने कार चालक का ध्यान भटका कर आईफोन पार कर लिया। लक्ष्य अग्रवाल ने मामला दर्ज करवाया कि वह 28 मई को बाजार से घर जा रहा था इसी दौरान ट्रांसपोर्ट नगर पुलिया के पास कार के आगे एक युवक आया गया। युवक ने दूसरी साइड में आकर बोला कि अभी तो वह उसे टक्कर मार देता। इसी दौरान चालक की तरफ आए युवक ने शीशा खटखटाया। इस पर चालक ने शीशा नीचे कर उससे बात करना शुरू ही कि थी कि कंडक्डर साइड में खड़ा युवक मोबाइल लेकर भाग गया।

अजमेर प्रशासन ने आनासागर झील के तीन गेट खोले

अजमेर, (कासं)। मानसून के दस्तक देने से पहले ही अजमेर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने पहल करते हुए आनासागर झील के तीन गेट खोल दिए हैं। हर साल आनासागर झील के ओवरफ्लो होने से शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने समय रहते कदम उठाया है।

- **शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने पहल की**

जिला प्रशासन का लक्ष्य आनासागर झील को तीन फीट तक खाली करना है, जिससे बारिश के दौरान झील में पानी भरने की पर्याप्त जगह रहे और ओवरफ्लो की स्थिति से बचा जा सके। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह और सिंचाई विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने गेट खोलने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेंद्र सिंह ने बताया कि इस बार बारिश से पहले ही आनासागर झील के गेट खोल दिए गए हैं ताकि शहर में जलभराव की समस्या से बचा जा सके। उन्होंने बताया कि झील को तीन फीट तक खाली करने का लक्ष्य रखा गया है और सिंचाई विभाग के अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। गौरतलब है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में आनासागर झील के ओवरफ्लो होने से शहर के निचले इलाकों में पानी भर जाता है, जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है। इस समस्या से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने इस बार पहले से ही तैयारी कर ली है। इसके अलावा, नगर निगम ने भी शहर के नालों की सफाई का काम इस बार अपने हाथों में लिया है। निगम कर्मचारियों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में नालों की सफाई की है ताकि बारिश के पानी की निकासी सुचारू रूप से हो सके और जलभराव की समस्या से निजात मिल सके। इस दौरान केएम जायसवाल, नगर निगम एसई मनोहर सोनगरा, स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर पृथ्वी सिंह जोधा उपस्थित रहे।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 10 से अधिक वारदातें कबूली

सरवाड़, (निसं)। शहर में पुलिस ने चोरी की विभिन्न वारदातों के आरोपी को गिरफ्तार किया गया। वहीं पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की एक दर्जन वारदातें करना कबूल किया है।

सरवाड़ थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद चौधरी के अनुसार गत दिनों ग्राम सापुंदा निवासी मनोहर सिंह ने उसकी खातेदारी भूमि पर लगी सौर ऊर्जा की मोटर स्टार्टर तथा लाइट की मोटर चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। मुखबिर की सूचना और अन्य जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने टोडारायसिंह थाना अंतर्गत ग्राम खेडुल्या निवासी प्रहलाद बावरी को गिरफ्तार किया गया। वहीं पूछताछ में उसने चोरी की विभिन्न वारदातें करना कबूल किया है। आरोपी ने बताया कि 21 अक्टूबर 2024 की रात्रि साथी धनराज मोग्या बनवारी व किशोर मोग्या के साथ मिलकर सापुंदा में एक कुएं से सौर ऊर्जा की डोरी काट कर ले जाना और तांबे के तार निकालकर टोडारायसिंह में कबड्डी की दुकान को बेचा व 22 अक्टूबर 2024 को ग्राम लल्लाई में पांच कुएं से धनराज बनवारी व किशोर के साथ मिलकर सौर ऊर्जा की प्लेट से लेकर मोटर की डोरी को काटकर तांबा निकालकर कबाड़ी को बेचा। वहीं सात-आठ माह पूर्व तीनों साथियों के साथ मिलकर ग्राम बरवास में सौर ऊर्जा के प्लेटों की चोरी कर कबाड़ी को बेचा, ऐसे अनेक वारदातें को अंजाम दिया है।

- **चोरी किए गए माल की बरामदगी के लिए पुलिस ने जांच शुरु की**

सरवाड़ पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद चौधरी ने बताया कि इन सभी वारदातों में चोरी किए गए माल की बरामदगी के लिए पुलिस गहनता से पड़ताल कर रही है। इस दौरान पुलिस टीम में थाना मोहनलाल कांस्टेबल जितेन्द्र व कमलेश शामिल रहे।

कक्षा पांच का परीक्षा परिणाम जारी, छात्राओं ने बाजी मारी

भीलवाड़ा, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर शुक्रवार को भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहे। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने जहाजपुर के पंचायत समिति कार्यालय से प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन कक्षा पांच का परीक्षा परिणाम जारी किया। मंत्री दिलावर ने परीक्षा परिणाम जारी करने के पश्चात कहा कि राजस्थान प्रदेश में शिक्षा में नित नये आयाम स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने बेहतर परीक्षा परिणाम वाले समस्त छात्र-छात्राओं को बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की, साथ ही परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने में अहम योगदान देने वाले अध्यापकों व अन्य स्टाफ की भी सराहना की।

शिक्षा मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा 5 की वर्ष 2025 की परीक्षा का आयोजन 7 अप्रैल से 17 अप्रैल तक राज्य के निर्धारित 18,598 परीक्षा केन्द्रों पर किया गया। इस परीक्षा में कुल 13,30,190 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से 12,96,495 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। कुल परीक्षा परिणाम 97.47 प्रतिशत रहा, जिसमें गत वर्ष की तुलना में लगभग 0.41 प्रतिशत की वृद्धि उपलब्धि रही है। कुल उत्तीर्ण परीक्षा परिणाम में छात्रों का उत्तीर्णता का प्रतिशत 97.29 प्रतिशत रहा जबकि छात्राओं का 97.66 प्रतिशत रहा है। शिक्षा मंत्री दिलावर ने बताया कि छात्रों की तुलना में छात्राओं का परीक्षा परिणाम 0.37 प्रतिशत श्रेष्ठतर रहा है। प्रविष्ट समस्त परीक्षार्थियों में से कुल 2145 परीक्षार्थियों का परिणाम विभिन्न कारणों से रोका गया है, जिनका परिणाम पृथक से जारी किया जायेगा। कुल 31550 परीक्षार्थी एक या अधिक विषयों में पूरक श्रेणी में वर्गीकृत हुए हैं, जिनके लिए पूरक परीक्षा का आयोजन अगस्त माह में किया जायेगा। इस परीक्षा के परिणाम में परीक्षार्थियों की अंकतालिका में अंकों का अंकन न किया जाकर ग्रेड अनुसार ग्रेड तालिका जारी की जाती है।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने जहाजपुर के पंचायत समिति कार्यालय में बैठक ली।

- **शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने जहाजपुर पंचायत समिति कार्यालय से परीक्षा परिणाम जारी किया**
- **कुल उत्तीर्ण परीक्षा परिणाम में छात्रों का उत्तीर्णता का प्रतिशत 97.29 प्रतिशत, जबकि छात्राओं का 97.66 प्रतिशत रहा**

विकास अधिकारियों की ली बैठक : शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री दिलावर ने कार्यक्रम के पश्चात पंचायत समिति कार्यालय में ही जिले के समस्त विकास अधिकारियों की बैठक ली। मंत्री दिलावर ने विकास अधिकारियों से पूर्णतया साफ एवं स्वच्छता वाली ग्राम पंचायतों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी समय में भीलवाड़ा जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन साफ-सफाई हो, पॉलिथीन या कचरा सार्वजनिक जगहों पर ना रहे एवं व्यर्थ में गंदा पानी रास्ते में ना भरा रहना सुनिश्चित करें।

श्रेयस अय्यर आईपीएल 2025 के क्वालिफायर 1 में आरसीबी के खिलाफ पंजाब किंग्स की हार के दौरान कंडीशन को अच्छी तरह से समझने में सफल नहीं रहे। - टॉम मूडी

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, श्रेयस अय्यर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पूजा

दक्षिण कोरिया के गुमी में आयोजित एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय एथलीट पूजा ने इतिहास रच दिया है। दरअसल, 18 वर्षीय पूजा ने महिलाओं की हाई जम्प में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। पूजा ने सीजन का सर्वश्रेष्ठ 1.89 मीटर का प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन जीत दर्ज की। उनके इस प्रयास ने उनका खुद का अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। बता दें कि, ये कारनामा करने वाली पूजा दूसरी भारतीय हैं। उनसे पहले बॉल एलॉयसियस एशियाई चैंपियनशिप में ऊंची कूद में मेडल जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला थीं।

क्या आप जानते हैं ?... 2025 में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया।

// जिन संघों की मान्यता नहीं, वहां कॉल्विन के लिए बनेगी कमेटी //

सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस दीपक वर्मा को लोकपाल नियुक्त किया : बिहाणी

दीपक वर्मा

जयपुर, 30 मई। राजस्थान क्रिकेट एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस दीपक वर्मा को लोकपाल नियुक्त किया है। राजस्थान क्रिकेट एडहॉक कन्वीनर जयदीप बिहाणी को तकरीबन डेढ़ दर्जन जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिवो ने एटहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी को लोकपाल, चुनाव अधिकारी, एथेंस आफिस को नियुक्त करने तथा बीकानेर पाली क्रिकेट एसोसिएशन के खिलाफ कार्रवाई करने के अधिकार पत्र पर अपनी सहमति दी हैं। इसके बाद बीते दिन गुरुवार को एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन ओर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के बीच आदेशों के मद्देनजर होने वाले विवाद के निपटारे, फैसला करने का अधिकार रखने वाले लोकपाल पद पर लोढा कमेटी के निर्देश मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस दीपक वर्मा की नियुक्ति किया हैं। राजस्थान क्रिकेट संघ में एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने धर्मवीर सिंह शेखावत के पाली जिला क्रिकेट एसोसिएशन की ओर बीते दिन गुरुवार को एक ओर सदस्य रतन सिंह शेखावत की बीकानेर जिला क्रिकेट एसोसिएशन की मान्यता को रद्द करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की जगह नियुक्त हुए एडहॉक कमेटी में कन्वीनर जयदीप बिहाणी ने कहा विवाद की जड़ ये दो सदस्यों धर्मवीर सिंह शेखावत,रतन सिंह है। आरसीए एडहॉक कमेटी में चल रहा विवाद आज एक नए मुकाम पर पहुंच गया। एडहॉक कमेटी के संयोजक जयदीप बिहाणी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में धनंजय सिंह गुट पर पलटवार किया। कमेटी के संयोजक जयदीप बिहाणी ने साफ किया कि जिन जिला संघों पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, उन पर कार्रवाई किसी सूरत में नहीं रुकेगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को टीए-डीए के बिलों से कमाई करनी होती है, वो ही जल्दी-जल्दी मीटिंग करने का दबाव बनाते हैं।

उन्होंने खुद पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों पर कहा कि पिछले एक साल के दौरान बीसीसीआई ने आरसीए को करीब साढ़े 57 करोड़ रुपए का अनुदान दिया है। अगर काम नहीं करते तो क्या बीसीसीआई अनुदान देती? प्रदेश में दो जिला संघों बीकानेर और पाली की मान्यता समाप्त हो चुकी है। जबकि जोधपुर जिला संघ को मान्यता अभी तक मिली नहीं है। ऐसे में कॉल्विन शील्ड के लिए इन जिलों से टीम बनाने के लिए आरसीए एडहॉक कमेटी अपनी टीम भेजेगी। बिहाणी ने कहा कि जिला संघों के भ्रष्टाचार की गाज प्लेयर्स पर नहीं पड़ने दी जाएगी। 7 जून से कॉल्विन शील्ड शुरू होनी है। उससे पहले ही आरसीए की एक कमेटी गठित कर इन जिलों में भेजी जाएगी और वही कमेटी इन जिलों में टीम का चयन करेगी।

बिहाणी ने कहा कि धनंजय सिंह ने अपने साथियों के साथ गत 19 मई को मीटिंग करके एक प्रस्ताव पारित किया था कि आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा किए गए सभी पूर्व निर्णयों को रद्द किया जाता है। ऐसे में बीसीसीआई से अनुदान के रूप में प्राप्त करोड़ों की राशि की भी वापस वसूल करनी होगी। क्योंकि इस राशि का भुगतान, क्रिकेटर्स, अंपायर्स, पेंशन आदि विभिन्न मदों में किया जा चुका है। अब धनंजय सिंह इस पूरी राशि की वसूली कर लें और वापस बीसीसीआई को चुका दें। धनंजय सिंह गुट के उन आरोपों को भी सिरे से खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि एडहॉक कमेटी को सिर्फ चुनाव करवाने के लिए बनाया गया था। बाकी कोई अधिकार कमेटी को नहीं हैं। इस पर बिहाणी ने कहा कि आरसीए एक्ट, स्पोर्ट्स एक्ट और वकील की राय बताती है कि एडहॉक कमेटी एक निर्वाचित कमेटी की तरह ही काम कर सकती है। अगर धनंजय सिंह गुट को आपत्ति थी तो फिर ये सिर्फ पिछले 3 महीने से ही क्यों दिख रही है ? उससे पहले जब कमेटी राजस्थान स्तर पर काम कर रही थी, क्रिकेट के आयोजन कर रही थी, तब ये बात क्यों नहीं उठी कि कमेटी को इस काम का अधिकार ही नहीं है। बिहाणी ने आरसीए में अपनी ताकत दिखाने का भी प्रयास किया। पिछले कुछ दिनों से धनंजय सिंह गुट उन पर इस आधार पर हमलावर होने की कोशिश कर रहा था कि 6 सदस्यीय कमेटी में 4 सदस्य बिहाणी के खिलाफ हैं।

बीसीसीआई से अनुदान के रूप में प्राप्त करोड़ों की राशि में से किया गया भुगतान

जयदीप बिहाणी के अनुसार खिलाड़ी, अंपायर/स्कोरर और अन्य का टीए/डीए 27,41,072, पुराने खिलाड़ियों की पेंशन 2,20,000, जिला मासिक कोच भुगतान, 1,67,400, ग्राउंडमैन की रात्रि ड्यूटी का शुल्क, 51,900, एनसीए कैंप 54,31,934, घरेलू और राष्ट्रीय टूर्नामेंट के संबंध में भुगतान 58,86,376। कुल मिलाकर 1,44,98,682 रूपये सबके खातों में सीधे तौर पर दिए गए। इसके अलावा खिलाड़ी, अंपायर/स्कोरर और अन्य का टीए/डीए, 92,980, पुराने खिलाड़ियों की पेंशन 22,500, एनसीए कैंप 7,33,900, घरेलू और राष्ट्रीय टूर्नामेंट के संबंध में भुगतान 2,61,276। कुल 11,10,656 रूपये सबके खातों में सीधे तौर पर दिए गए। व्यावसायिक सेवाओं पर टीडीएस 51,33,263, किराए पर टीडीएस, 7,66,665, ठेकेदार पर टीडीएस 1,57,110, वेतन पर टीडीएस, 30,597, ठेकेदार पर टीडीएस 2,999, जीएसटी जमा करें 1,02,64,596, सभी तरह के पेमेंट पर 1,63,55,230 रुपए दिए गए। इनके साथ ही जेवीवीएनएल - मानसरोवर - बिजली राशि 92,836 के जमा हुए।

उन्होंने दावा किया कि आरसीए की 35 सदस्यीय एजीएम में इस समय 32 सदस्य हैं और उनमें से 18 का उन्हें समर्थन प्राप्त है। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी ने फिर दोहराया कि बीकानेर और पाली जिला क्रिकेट संघ की मान्यता समाप्त की जा चुकी है और इस निर्णय पर अब आरसीए के 18 सदस्यों ने बहुमत से मुहर भी लगा दी है। जब एडहॉक कमेटी को चुनाव होने पर जिला संघ को मान्यता देने का अधिकार है, तो अनियमितता की स्थिति में मान्यता समाप्त करने का अधिकार भी है।

बिहाणी ने कहा कि धनंजय सिंह गुट उन पर आरोप लगा रहा है कि आरसीए एडहॉक कमेटी क्रिकेट पर ध्यान नहीं दे रही है। जबकि पिछले एक साल में हर टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि अंडर-19 स्टेट चैंपियनशिप, अंडर-16, अंडर-23 स्टेट चैंपियनशिप, अंडर-14, स्टेट वीमेन, कूच बिहार, रणजी ट्रॉफी जैसे तमाम आयोजन उसी स्तर पर करवाए गए, जैसे दूसरे राज्यों में होते हैं। यही कारण है कि बीसीसीआई ने बतौर अनुदान आरसीए को साढ़े 57 करोड़ रूपए का अनुदान जारी किया।

तदर्थ कार्यकारी समिति की कुल 16 बैठकें आयोजित हुई

01.04.2024,	05.04.2024,
21.04.2024,	02.05.2024,
10.05.2024,	07.06.2024,
06.07.2024,	17.07.2024,
03.08.2024,	27.08.2024,
16.09.2024,	07.10.2024,
23.10.2024,	30.01.2025,

23.02.2025 और 18.03.2025 को।

साधारण सभा की बैठक बीस जून को पुष्कर, अजमेर में आयोजित की जाएगी जिसकी सूचना आज राजस्थान क्रिकेट संघ से एफिलेटेड सभी सदस्यों, जिला क्रिकेट संघो को जारी कर दी गयी है। जयदीप बिहाणी ने आज भ्रष्टाचार पर बेबाक़ी से जबाब दिया और खिलाड़ियों को दिये गये पैसे वो भी खातों में उसको रोकने चारो सदस्यों के हस्ताक्षर करवाकर धर्मवीर द्वारा प्रयास किया गया सारे विवाद की मूल जड़ धर्मवीर सिंह और रतन सिंह ही है जो ये संघ में क़ब्ज़ा करने के लिये सभी को आपस में विवाद करवाते रहे है।

बिहाणी ने पाली जिला क्रिकेट संघ की जांच पर रोक लगाने के आदेशों पर कहा कि जांच कराने के आदेश तो देते सुना है लेकिन जांच रोकने के आदेश पहली बार देखे हैं। बिहाणी ने कहा कि कमेटी के एक साल के कार्यकाल में लगभग एक दर्जन मीटिंग हो चुकी हैं और कितनी करवानी हैं। इसके अलावा पिछले दिनों जो मीटिंग नहीं हो पाई, वो युद्ध की स्थिति के कारण। उन्होंने धनंजय सिंह गुट पर सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि सिर्फ टीए-डीए के चक्कर में मीटिंग-मीटिंग खेलने चाहते हैं। मैने तो आज तक आरसीए से कोई भत्ता उठाया नहीं।

गुजरात टाइटंस को 20 रन से हराकर मुंबई इंडियंस दूसरे क्वालीफायर में पहुंची

मुल्लांपुर, 30 मई। रोहित शर्मा (81), जॉनी बेयरस्टो (47) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत मुम्बई इंडियंस ने शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में गुजराज टाइटंस को 20 रनों से हराकर दूसरे क्वालिफायर में प्रवेश कर लिया है।

229 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही उसने कप्तान शुभमन गिल (एक) का विकेट गवां दिया। शुभमन को बोल्ट ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कुसल मेंडिस ने साई सुदर्शन के साथ दूसरे विकेट लिये 64 रन जोड़े। सातवें ओवर में मिचेल सैंटनर ने कुसल मेंडिस 10 गेंदों में (20) रन का शिकार किया। इसके बाद 14वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने वॉशिंगटन सुंदर 24 गेंदों में (48) रन को बोल्ड कर मुम्बई को तीसरी सफलता दिलाई। 16वें ओवर में रिचर्ड ग्लीसन ने साई सुदर्शन को बोल्ड कर मैच पर मुम्बई का दबदबा कामय कर दिया।

साई सुदर्शन ने 49 गेंदों में 10 चौके और एक छक्का लगाते हुए (80) रनों की पारी खेली। 19वें ओवर की पहली गेंद पर बोल्ट ने शरफेन रदरफोर्ड 15 गेंदों में (24) रन का शिकार किया। शाहरुख खान (13) छठे विकेट के रूप में आउट हुए। गुजरात टाइटंस की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 208 रन बना सकी और मुकाबला 20 रनों से हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वहीं इस जीत के साथ मुम्बई ने दूसरे क्वालीफायर में प्रवेश कर लिया है।

मुम्बई इंडियंस की ओर से ट्रेंट बोल्ट को दो विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह, रिचर्ड ग्लीस और अश्विनी कुमार और मिचेल सैंटनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।बल्लेबाजी करने उतरी रोहित शर्मा और जॉनी बेयरस्टो की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 84 रन जोड़े।

आठवें ओवर में साई किशोर ने जॉनी बेयरस्टो को गेराल्ड कोएत्जी के हाथों कैच आउट कराकर गुजरात को पहली सफलता दिलाई। बेयरस्टो ने 22 गेंदों में तीन छक्के और चार चौके लगाते हुए (47) रन बनाये। इसके बाद सूर्यकुमार यादव 20 गेंदों में तीन छक्के एक चौका लगाते हुए(33) रन बनाकर साई किशोर का शिकार बने। 17वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने रोहित शर्मा को आउटकर गुजरात टाइटंस को बड़ी सफलता दिलाई। रोहित शर्मा ने 50 गेंदों में चार छक्के और नौ चौके लगाते हुए (81) रनों की पारी खेली। चौथे विकेट के रूप में तिलक वर्मा 11 गेंदों में (25) रन बनाकर आउट हुये। मुम्बई इंडियंस ने निर्धारित

20 ओवरों में पांच विकेट पर 228 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। कप्तान हार्दिक पंड्या ने नौ गेंदों में तीन छक्के लगाते हुए (नाबाद 22) रनों की विस्फोटक पारी खेली। गुजरात टाइटंस की ओर से साई किशोर और प्रसिद्ध कृष्णा ने दो-दो विकेट लिये।मोहम्मद सिराज ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

सात्विक और चिराग की जोड़ी सिंगापुर बैडमिंटन ओपन के सेमीफाइनल में

सिंगापुर, 30 मई। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शुक्रवार को मलेशिया की गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की जोड़ी को हराकर सिंगापुर बैडमिंटन ओपन 2025 में पुरुष युगल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां 39 मिनट तक चले पुरुष युगल मुकाबले में सात्विक और चिराग की जोड़ी दुनिया की नम्बर वन मलेशियाई जोड़ी गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन को सीधे सेटों में 21-17, 21-15 से हराया। गेम की शुरुआत से ही दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और एक समय स्कोर 7-7 से बराबरी पर था।

गुलवीर सिंह ने एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत को दिलाया पहला गोल्ड मेडल

नई दिल्ली, 30 मई। एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारतीय एथलीट्स छा गए हैं। इस कड़ी में भारत को पहला गोल्ड मेडल उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के रहने वाले गुलवीर सिंह ने दिलाया। गुलवीर ने दक्षिण कोरिया के गुमी शहर में आयोजित हो रही एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में 28 मिनट 38.63 सेकंड का बेहतरीन समय निकालते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बता दें कि, ये चैंपियनशिप में भारत का पहला गोल्ड है।अलीगढ़ जिले के सिरसा गांव में हैं, जहां गुलवीर सिंह एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता पप्पू सिंह खेती करते हैं और बेटा आज देश के लिए गोल्ड लाया है। गुलवीर की सफलता देखकर परिजनों के आंखों में खुशी के आंसू थे। गुरवीर के भाई मोनू ने बताया कि हमें सोशल मीडिया से पता चला कि भाई ने गोल्ड मेडल जीता है। जब वीडियो देखी तो यकीन ही नहीं हुआ पूरा गांव खुशी से झूम उठा है। गुलवीर की मेहनत काबिले तारीफ है। वो हर दिन सुबह 4 बजे दौड़ की शुरुआत करता था आज उसी मेहनत ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है।

आईपीएल 2025 फाइनल में नहीं आएंगे तीनों सेना प्रमुख, क्लोजिंग सेरेमनी में गूंजेंगे देशभक्ति के गीत

नई दिल्ली, 30 मई। बीसीसीआई ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में तीन जून को होने वाले आईपीएल फाइनल के लिए तीनों सेना के प्रमुखों को आमंत्रित किया था लेकिन अब जानकारी के अनुसार, थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौ सेना प्रमुख एडमिनरल दिनेश के त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह समापन समारोह में शामिल नहीं होंगे। मंगलवार को बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि हमने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाने के लिए सभी भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुखों, टॉप अधिकारियों और सैनिकों को आईपीएल फाइनल के लिए आमंत्रित किया है। बोर्ड देश के सशस्त्र बलों की वीरता, साहस और निस्वार्थ सेवा को सलामी करता है। समापन समारोह में तीनों सेनाओं के बैंड के सात बीएसएफ के बैंड की प्रस्तुति भी होनी थी। साथ ही स्टेडियम में 1000 सैन्य अआधिकारियों, सैनिकों और उनके परिवार के बैठने के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी। यही नहीं स्टेडियम में लगी बड़ी स्क्रीन पर भारत की वीरगाथा के चलचित्र दिखाए जाने थे। बोर्ड सूत्र ने कहा कि गुरुवार को सरकार की तरफ से संकेत मिले थे, जिसके बाद हमने कार्यक्रम में बदलाव किया है।

एलीट क्लब जयपुर विजेता और चैम्पियन मेकर अजमेर बना उपविजेता

जयपुर, 30 मई। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान मे एस एस जैन सुबोध पब्लिक स्कूल मे दिनांक 10 जनवरी 2025 से 29 मई 2025 तक आयोजित की गई अंडर-13 युथ राजस्थान लीग मे 90 मैच खेले गए जिसमें जयपुर इलीट फुटबॉल क्लब ने 16 मैच जीत कर 49 अंक के साथ लीग की विजेता बनी वही चैंपियन मेकर फुटबॉल क्लब अजमेर ने 13 मैच जीतकर 41 पॉइंट के साथ लीग की उपविजेता टीम बना।

संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की अंडर-13 युथ राजस्थान लीगे मे सम्पूर्ण राजस्थान की सर्वश्रेष्ठ 10 क्लबों ने अपनी भागीदारी दर्ज की लगभग 4 महीने तक चली इस लीगे मे 300 से अधिक खिलाडियों ने भाग लिया इस लीग से विजेता टीम को अंडर 13 युथ इंडियन लीग के लिये भाग लेने का मौका मिलेगा लीग का मुख्य उद्देश्य अंडर 13 के राजस्थान के ग्रासरूट खिलाडियों को अधिक से अधिक

मैच का अनुभव मिल। चैंपियन मेकर फुटबाल क्लब के जोयरिंग ने प्रतियोगिता में सबसे अधिक 37 गोल करके बेस्ट स्कोरर रहे ओर ए एस एल फुटबाल क्लब के जर्सी नंबर 77 काका को प्रतियोगिता का बेस्ट यंगर फुटबाल खिलाड़ी रहे। लीग के सभी मैच सुबोध पब्लिक स्कूल मे आयोजित किये गए संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने सुबोध पब्लिक स्कूल के प्रबंधक को लीग के सफल आयोजन के लिये धन्यवाद दिया।

लीग मे भाग लेने वाली टीमें इस प्रकार थे। जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब 49 अंक के साथ प्रथम स्थान, चैंपियन मेकर फुटबॉल क्लब, 41 अंक दूसरे स्थान, राजस्थान फुटबॉल स्कूल 32 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही, ब्रदर्स यूनाइटेड क्लब 32 अंक चौथा स्थान, रॉयल फुटबॉल क्लब 18 अंक पांचवां स्थान, जयपुर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब 17 अंक छठा स्थान, जयपुर बॉयज एंड गर्ल्स फुटबॉल अकादमी 15 अंक सातवां स्थान, फुटबॉल क्लब 13 अंक आठवां स्थान, जयपुर फुटसाल 12 अंक नौवा स्थान, रिहान फुटबॉल क्लब 7 अंकों के साथ दसवें स्थान पर रहा।

जैनिक सिनर फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में

पेरिस, 30 मई। इटली के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने गुरुवार को फ्रांस के रिचर्ड गैस्के को हराकर फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में इटली के सिनर ने फ्रांस के गैस्के को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। इस हार के साथ ही 38वर्षीय गैस्के का क्ले कोर्ट पर शानदार करियर खत्म हो गया। वे अभी भी बेहतरीन टेनिस खेल रहे हैं। सिनर की तीसरे दौर में रूस के पावेल कोटोव से भिड़ंत होगी।

पी एंड टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) चैम्पियन बनी

यूनियन क्रिकेट क्लब रही उपविजेता, रजत छपरवाल का शतक

जयपुर, 30 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के नॉक आउट मुकाबले में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए फाइनल मैच में प्रात: पी एंड टी क्रिकेट क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए विनीत सक्सेना के 61 रन, नरेश गहलोत के 31 रन, रजत छपरवाल के 101 रन, अजीम अख्तर के 82 रन, भैरा राम के 14 रन व सौरभ चौहान के 10 रन से 50 ओवर में 9 विकेट पर 340 रन बनाए। यूनियन क्रिकेट क्लब के लिए आतिफ खान ने 63 पर 5, दीपक चौधरी, देवराज सैनी व कुणाल शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

जवाबी पारी में यूनियन क्रिकेट क्लब की टीम देव प्रताप के 50 रन, नितेश कुमार के 30 रन, कुणाल शर्मा के 26 रन, दीपक चौधरी के 49 रन व आदित्य टांक के 42 रनों से 47.1 ओवर में 240 रन बनाकर आउट हो गई। पी टी क्रिकेट क्लब के लिए चंद्र पाल सिंह, नरेश गहलोत व रजत छपरवाल ने 3 - 3 विकेट लिए। प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर, मोहम्मद असलम, राहुल कांवट, रोहित झालानी, झबार (इंडिया पोस्ट), आनंद मिश्रा, आशुतोष मिश्रा, ऋषिता मिश्रा, आनंद सिंह राठौर ने विजेता व उपविजेता टीमों को व्यक्तिगत पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर एडहॉक कमेटी के सदस्य रोहित झालानी, लोकेश जैन सहित ओम शर्मा, सलीम कामरेड तपेश कौशिक सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज देव प्रताप (यूनियन क्रिकेट क्लब), सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज चंद्रपाल सिंह (पी एंड टी) क्रिकेट क्लब, मेन ऑफ दी सीरीज शोभित मिश्रा (अरावली क्लब) रहे।

डी गुकेश ने रोमांचक मुकाबले में कारूआना को हराया

स्टवान्गर (नोर्वे), 30 मई। विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज के 'ओपन' वर्ग में अमेरिका के ग्रैंड मास्टर फैबियानो कारूआना के खिलाफ रोमांचक आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत दर्ज की। वहीं अर्जुन एरिगैसी को मैग्नस कार्लसन से हार का सामना करना पड़ा। चौथे चक्र में गुकेश ने चार घंटे से अधिक समय तक चले रोमांचक मुकाबले में अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करते हुये अमेरिका के फैबियानो कारूआना को हराया। गुकेश के शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन के आगे कारूआना अपनी बढ़त को नहीं भुना पाये। इसके बाद गुकेश ने 'आर्मागेडन' में मुकाबला आसानी से जीत लिया। कार्लसन आठ अंकों के साथ शीर्ष पर है। गुकेश और एरिगैसी 4.5 अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। महिला वर्ग में भारत की आर. वैशाली ने 'आर्मागेडन' टाई-ब्रेक में यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक को हराया। विश्व चैंपियन वेनजुन जू ने कोनेरू हम्पी को हराया। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी हम्पी तालिका में मुजीचुक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

राजस्थान के सुधाकर ने श्रीलंका के ज्ञानसीलन डॉरिसन को हराकर प्रतियोगिता का सबसे बड़ा उलटफेर किया

जयपुर, 30 मई। आज से आरंभ हुई रॉयल जयपुर फीडे रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता के पहले चक्र में सभी वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने आसानी से जीत कर खिताब की ओर अपना अभियान शुरू किया.. परन्तु दूसरे चक्र में 12 वर्ष से कम आयु के नन्हें शातिरों ने कुछ धमाकेदार खेल दिखाते हुए अपने से कहीं अनुभवी और उच्च रेटिंग वाले खिलाड़ियों को अपने शानदार खेल से चौंका कर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

सबसे बड़े उलटफेर में राजस्थान के सुधाकर ने श्रीलंका के ज्ञानसीलन डॉरिसन को हराकर प्रतियोगिता का सबसे बड़ा उलटफेर किया। राजस्थान के ही विहान गुप्ता ने मध्यप्रदेश के फीडे मास्टर पियूष रंजन दूबे को हराकर अपने उत्कृष्ट खेल से आकर्षित किया। वहीं दूसरी ओर हरियाणा के 10 वर्षीय विट्ठल नारायणन ने पंजाब के जसप्रीत सिंह को और राजस्थान की ही आराध्या उपाध्याय ने 60 वर्षीय महेश लखियानी को ड्रॉ के लिए

मजबूर कर सबकी वाहवाही बटोरी। इसके अलावा बाकी उच्च वरियता प्राप्त खिलाड़ियों ने अपने विजय अभियान को जारी रखा।

बंगाल के आरित्रिय पाल, मध्यप्रदेश के ऋषि सोनकर, तीसरी वरीयता के सिद्धांत चतुर्वेदी अपने मैच जीत कर 2/2 अंक बनाकर आगे चल रहे हैं। महिला वर्ग में जयपुर की आशी उपाध्याय दो में से दो अंक बनाकर सबसे आगे चल रहीं हैं। जयपुर के शानदार होटल अमर पैलेस में चल रही इस प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में सर्वश्री ज्योति माहेश्वरी, निर्मल बरडिया, राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश जे के रांका (रि.) और अमर पैलेस होटल के राजेश शर्मा ने शिरकत की और खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग और राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की समीक्षा बैठक ली। इस अवसर पर उन्होंने प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के लिए समर्पित रूट बनाकर बसों का समयबद्ध संचालन कराने के निर्देश भी दिए।

'रोडवेज ड्राइवर, कंडक्टर व कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण सेमीनार आयोजित करें'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने परिवहन, सड़क सुरक्षा विभाग व रोडवेज़ की समीक्षा बैठक ली

- **मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि बसों में ऐसी सुविधायें उपलब्ध करायें कि कार वाले भी बस में यात्रा करने के लिए प्रेरित हों।**
- **उन्होंने कहा, ओवर लोड व ओवर स्पीड वाहन चालकों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही व निगरानी होनी चाहिए।**

जयपुर, 30 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा परिवहन व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ , सुरक्षित एवं सुविधायुक्त बनाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करके कार्ययोजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान रोडवेज की बसों में ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे कार वाले भी बसों में यात्रा के लिए प्रेरित हों।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग और राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रोडवेज चालक, परिचालक सहित सभी कार्मिकों के लिए प्रशिक्षण सेमिनार आयोजित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने रोडवेज बस स्टैंड और विश्राम स्थलों पर सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने और उन्हें एक ही रंग में विकसित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पथ परिवहन निगम भविष्य को देखते हुए सुविधाओं का विस्तार करे। सुरक्षित सफर के साथ बसों में भोजन और सरस उत्पाद उपलब्ध कराने का नवाचार किया जाए। उन्होंने प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के लिए समर्पित रूट बनाकर बसों का समयबद्ध संचालन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बसों में कैमरे और जीपीएस स्थापित करें और लोक परिवहन बसों का भी कलर निर्धारण करें।

शर्मा ने पद दुरूपयोग करने वाले कार्मिकों, ओवरलोड और ओवरस्पीड वाहन चालकों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई और निगरानी के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीन परमिट जारी करने से पहले रूट निर्धारण करें, जिनमें अस्पताल, शैक्षणिक संस्थान, राजकीय कार्यालयों का विशेष ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क सुरक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी को परिवहन नियमों की पालना करनी चाहिए, तभी सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुविधाजनक बनाने में इलेक्ट्रिक वाहनों की महत्वपूर्ण भूमिका है।इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित सम्बंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गाज़ा में अस्थायी युद्ध विराम पर इज़रायल ने सहमति दी

वाशिंगटन, 30 मई। अमेरिका के वाइट हाउस ने कहा कि इजरायल ने गाजा में 60 दिन के युद्ध विराम प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक प्रेस ब्रीफिंग में, पुष्टि की कि पश्चिम एशिया में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हमास को युद्ध विराम प्रस्ताव सौंपा है, जिसका इजरायल ने समर्थन किया है।

- **अमेरिका ने बताया कि यह युद्ध विराम 60 दिन का होगा।**

लेविट ने कहा, हमास को भेजे जाने से पहले इजरायल ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए थे। मैं यह भी पुष्टि कर सकता हूं कि वे चर्चाएं जारी हैं, और हमें उम्मीद है कि गाजा में युद्ध विराम होगा ताकि हम सभी बंधकों को घर वापस ला सकें। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एक इजरायली अधिकारी और मामले से परिचित एक अमेरिकी सूत्र ने पुष्टि की कि प्रस्तावित समझौते में न केवल 60-दिवसीय युद्ध विराम शामिल है, बल्कि 10 जीवित बंधकों और 18 मृत बंधकों के अवशेषों को रिहा करने की योजना भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या ''पूर्ण'' हुई

तीन न्यायाधीशों के शपथ ग्रहण के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 34 हो गई है

- **सी.जे.आई. बी.आर. गवई ने सुप्रीम कोर्ट के ऑडिटोरियम में तीन नए न्यायाधीशों को शपथ दिलाई।**

नयी दिल्ली, 30 मई। उच्चतम न्यायालय में नवनियुक्त तीन न्यायाधीशों ने शुक्रवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने शीर्ष अदालत परिसर के एक सभागार में आयोजित समारोह में न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। उनके शपथ ग्रहण करने के साथ ही उच्चतम न्यायालय के लिए कुल निर्धारित 34 न्यायाधीशों की संख्या पूरी हो गई।

शपथ ग्रहण समारोह में शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों के अलावा अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता और गणमान्य लोग मौजूद थे। इस महीने उच्चतम न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति ए एस ओका के सेवानिवृत्त होने के बाद शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों के तीन पद खाली हो गए थे।

न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली शीर्ष अदालत की कोलीजियम ने 26 मई 2025 को विभिन्न उच्च न्यायालयों के तीन मुख्य न्यायाधीशों को शीर्ष अदालत में न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की मुहर के बाद केंद्र सरकार ने गुरुवार को न्यायमूर्ति अंजारिया, न्यायमूर्ति बिश्नोई और न्यायमूर्ति चंदुरकर को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी।

शीर्ष अदालत के न्यायाधीश पद की शपथ लेने से पहले न्यायमूर्ति अंजारिया कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे, जबकि न्यायमूर्ति बिश्नोई गुवाहाटी उच्च न्यायालय के और न्यायमूर्ति चंदुरकर बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के पद पर थे। अहमदाबाद के मांडवी-कच्छ में 23 मार्च, 1965 को वकीलों के परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति अंजारिया के पिता भी न्यायपालिका में थे। अंजारिया अगस्त 1988 से वरिष्ठ अधिवक्ता एस एन शेलत के चैंबर में शामिल होकर गुजरात उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की और वे संवैधानिक मुद्दे और सभी श्रेणियों के सिविल मामलों, श्रम और सेवा से जुड़े मामलों में वकालत कर चुके हैं। न्यायमूर्ति अंजारिया ने 25 फरवरी, 2024 को कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

न्यायमूर्ति बिश्नोई का जन्म 26 मार्च, 1964 को जोधपुर में हुआ था। उन्होंने आठ जुलाई, 1989 को अधिवक्ता के रूप में अपना पंजीकरण करवाया। उन्होंने राजस्थान उच्च न्यायालय और जोधपुर में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में सिविल, आपराधिक, संवैधानिक, सेवा, चुनाव मामलों आदि जैसे कई क्षेत्रों में वकालत की। उन्होंने वर्ष 2000-2004 के दौरान केंद्र सरकार के स्थायी वकील के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

न्यायमूर्ति बिश्नोई को आठ जनवरी, 2013 को राजस्थान उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने सात जनवरी, 2015 को राजस्थान उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्होंने पांच फरवरी, 2024 को गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य शुरू किया।

न्यायमूर्ति चंदुरकर का जन्म सात अप्रैल, 1965 को हुआ था। मुंबई के वरिष्ठ अधिवक्ता बी एन नाइक के मार्गदर्शन में उन्होंने वकालत शुरू की, जिन्हें बाद में न्यायपालिका में पदोन्नत किया गया। न्यायमूर्ति चंदुरकर 1992 में नागपुर चले गए और विभिन्न न्यायालयों में वकालत की और अलग-अलग प्रकृति के मामलों को सफलतापूर्वक संभाला। उन्हें 21 जून, 2013 को बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। बाद में वे वहां चीफ जस्टिस बने।

हिन्दुस्तान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर्नाटक के मंत्री ने यह भी अफसोस जताया कि इतने महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद, 2022-23 में रक्षा कॉरिडोर उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु को आवंटित किया गया, कर्नाटक को नहीं। योगदान और योग्यता के आधार पर इसका हकदार कर्नाटक है। मंत्रियों ने यह भी कहा कि वे इस मुद्दे पर केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं।

पहलगाम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐशन्या और शुभम के पिता की आंखों से आंसू निकल आए, जिन्हें देखकर प्रधानमंत्री ने उन्हें ढ ांढ स बंधाया।

मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ चलाया जा रहा ऑपरेशन 'सिंदूर' रुका नहीं है, बल्कि यह आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ है और आगे भी मुलाकात होती रहेगी।

शुभम द्विवेदी के परिजनों को नरवल एसडीएम की देखरेख में कार से चकेरी एयरपोर्ट लाया गया था।

''हम पहलगाम की घटना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरहद पर अतिरिक्त सेनाएं तैनात कर दी थीं। संघर्ष के बाद, सार्वजनिक रूप से बोलने वाले पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठतम अधिकारी जनरल मिर्ज़ा ने कहा, ''हम करीब-करीब 22 अप्रैल की स्थिति पर वापस आ गये हैं। -- हम उस स्थिति पर पहुंचने वाले हैं, वैसे हमें उस स्थिति पर अब तक पहुंच जाना चाहिए था।''

जनरल मिर्ज़ा, जो इस समय ''शाँगरी-ला डायलॉग'' फोरम में शामिल होने के सिलसिले में सिंगापुर में हैं, ने कहा कि इस संघर्ष में, न्यूक्लियर हथियारों की तरफ कदम भले ही नहीं बढ़े हों, लेकिन स्थिति बहुत खतरनाक थी।

उन्होंने कहा, ''इस बार कुछ नहीं हुआ। लेकिन किसी भी समय किसी भी प्रकार के गलत रणनैतिक अनुमान की संभावना खारिज नहीं की जा सकती, क्योंकि जब संकटपूर्ण स्थिति होती है, उस समय प्रतिक्रियाएं भिन्न प्रकार की होती हैं।''

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में तनाव बढ़ने का खतरा बढ़ गया है, क्योंकि इस बार की लड़ाई कश्मीर, जो हिमालय की गोद में स्थित प्राकृतिक सौंदर्य से संपन्न क्षेत्र है, की जमीन तक सीमित नहीं थी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों का कश्मीर के कुछ-कुछ हिस्से पर शासन है, लेकिन दोनों ही देश पूरे कश्मीर पर अपना दावा प्रस्तुत करते हैं। दोनों ही पक्षों ने एक दूसरे के क्षेत्र में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले किए थे, लेकिन किसी ने भी किसी गंभीर नुकसान की बात स्वीकार नहीं की है।

भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस माह पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि अगर भारत पर फिर से हमले किये गये तो सीमा पार के ''आतंकी ठिकानों'' को निशाना बनाया जायेगा।

दोनों देशों के बीच तीन बड़े युद्ध हुए हैं, जिनमें दो कश्मीर को लेकर ही हुए हैं, वैसे तो अनेक सशस्त्र झड़पें हुई हैं, क्योंकि दोनों ही देशों का जन्म 1947 में ब्रिटिश उपनिवेश भारत से ही हुआ है।

भारत कश्मीर में विद्रोह का आरोप पाकिस्तान पर लगाता है, जिसकी शुरूआत 1989 में हुई और उसमें अब तक दसियों हजार लोग मारे गये हैं। पाकिस्तान का कहना है कि वह तो आत्म-निर्णय की दिशा में बढ़ रहे कश्मीरियों को केवल नैतिक, राजनैतिक एवं कूटनीतिक समर्थन एवं सहयोग देता है।

मिर्ज़ा ने कहा, ''भविष्य के लिहाज से, इन दोनों ही पड़ोसी न्यूक्लियर ताकतों के बीच और ज्यादा खतरनाक हथियारों के इस्तेमाल की संभावना बढ़ गई है, और फिर यह संघर्ष केवल विवादित भूभाग तक ही सीमित नहीं रहेगा। यह पूरे भारत और पूरे पाकिस्तान को अपनी चपेट में ले लेगा। यह बहुत ही खतरनाक संकेत है।''

'नीट पीजी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्देश दिया। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि परीक्षा दो पालियों में आयोजित न करें, क्योंकि इससे उम्मीदवारों को समान अवसर नहीं मिलेंगे। पीठ ने यह भी टिप्पणी की कि दो पालियों में परीक्षा होने से मनमानी होगी और सामान्यीकरण प्रक्रिया को नियमित तरीके से लागू नहीं किया जा सकता। इतना ही नहीं दो पालियों की परीक्षा में प्रश्नपत्र कभी भी एक ही कठिनाई स्तर के नहीं हो सकते। शीर्ष अदालत ने कहा,हम यह स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं कि इस देश में तकनीकी प्रगति को देखते हुए देशभर में परीक्षा आयोजित करने वाली इस संस्था को एक पाली में परीक्षा आयोजित करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाए।

अदालत ने कहा कि यदि अधिकारियों को लगता है कि वे परीक्षा केंद्रों की पहचान करने और 15 जून को परीक्षा आयोजित करने में सक्षम नहीं हैं तो वे परीक्षा की तिथि आगे बढ़ ाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

गृह मंत्री शाह ने पुंछ का दौरा किया

शाह पुंछ में पाक गोलीबारी से प्रभावित लोगों से मिले और नियुक्ति पत्र दिए

- **शाह ने कहा, सरकार प्रभावित परिवारों के लिए जल्दी ही एक अलग पैकेज की घोषणा करेगी।**
- **ज्ञातव्य है कि पाक गोलीबारी में पुंछ सर्वाधिक प्रभावित हुआ, यहां 14 नागरिक मारे गए।**

जम्मू, 30 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति को फिर से परिभाषित किया है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते तथा पानी और और खून भी एक साथ नहीं बह सकते।

पुंछ में गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे शाह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि नागरिकों पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसका अधिक प्रभावी और सटीक तरीके से जवाब दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद सीमावर्ती इलाकों में बंकर बनाने का फैसला लिया गया था। अब तक 9,500 से अधिक बंकर बनाए गए हैं और इन बंकरों के कारण सीमावर्ती इलाके में ज्यादा जनहानि नहीं हुई। उन्होंने कहा कि सरकार सीमावर्ती इलाकों में और बंकर बनाएगी।

पुंछ में गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, हम समझते हैं कि राहत और नौकरियां आपके द्वारा झेले गए दर्द और नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती हैं। आपने अपने प्रियजनों को खो दिया है। जम्मू-कश्मीर सरकार, भारत सरकार और राष्ट्र की भावनाएं इस सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों से जुड़ी हुई हैं। सरकार जल्द ही गोलाबारी से प्रभावित परिवारों के लिए एक अलग पैकेज की घोषणा करेगी।

उन्होंने कहा, हम पहलगाम आतंकवादी हमले और जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा नागरिक क्षेत्रों, धार्मिक स्थलों, स्कूलों पर हमले की निंदा करते हैं, जिसमें पुंछ जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। पुंछ जिले में पाकिस्तानी गोलाबारी में जुड़वां बहनों समेत कम से कम 14 नागरिक मारे गए हैं। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की मौत के बावजूद जम्मू-कश्मीर में विकास कार्य नहीं रुकेंगे। मैं पुंछ के लोगों और उसके प्रशासन के साहस की प्रशंसा करता हूं; जिस तरह से उन्होंने पाकिस्तानी गोलाबारी का जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने बहुत ही रणनीतिक और सटीक तरीके से मुंहतोड़ जवाब दिया और सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी संगठनों के बुनियादी ढ ांचे को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैकड़ों आतंकवादी मारे गए। हमारे बलों ने आतंकवादियों पर हमला किया, लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना और दुनिया को दिखाया कि वे आतंकवादियों को पनाह दे रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान गोलाबारी से प्रभावित परिवारों को नियुक्ति पत्र भी सौंपे।

समरावता उपद्रव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परिस्थितितियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ऐसे में पुनः उन्हीं तथ्यों के आधार पर जमानत देना उचित नहीं है।

जमानत याचिका में कहा गया कि मामले की एफआईआर में नामजद आरोपियों में से 23 लोगों को पुलिस ने क्लीन चिट दी है। जबकि अदालत के समक्ष पूर्व में उनकी मामले में लिप्तता बताई गई थी और अदालत ने उन सभी को जमानत का लाभ दिया था। मामले में एसटी आयोग की जांच में भी पुलिस पर आरोप लगे हैं। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए।

जमानत का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से जीए राजेश चौधरी ने कहा कि अदालत ने आरोपी की गत 14 फरवरी को जमानत याचिका खारिज की थी। उसके बाद आरोप पत्र पेश होने के बाद आरोपी पर चार्ज नहीं लगे हैं। ऐसे में जमानत याचिका को खारिज किया जाए। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया है।

''सिंदूर''...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में निवेश और विकास का पूर्णतया अभाव है, जिससे नई नौकरियों का सृजन नहीं हो रहा है। मुर्शिदाबाद और माल्दा के दंगों का उल्लेख करते हुए ममता बनर्जी ने भाजपा पर इन घटनाओं की साजिश रचने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा का मकसद तृणमूल सरकार को अस्थिर करना है। उन्होंने पलटवार करते हुए, केन्द्र सरकार से सवाल किया कि मिज़ोरम में शांति बनाए रखने के लिए वह क्या कर रही है। हकीकत यह है कि जब तक ममता बनर्जी सत्ता में हैं और राज्य पुलिस एवं प्रशासन पर उनका नियंत्रण है, तब तक चुनावों में विपक्ष के लिए जीतना बेहद कठिन रहेगा। आरोप लगते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया में केवल तृणमूल समर्थकों को ही प्रभावी रूप से मतदान करने की अनुमति दी जाती है, जिससे तृणमूल कांग्रेस की चुनावी जीत सुनिश्चित की जा सके।

बहुचर्चित अंकिता हत्याकांड में मुख्य आरोपी सहित तीन को उम्रकैद

कोटद्वार, 30 मई। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता हत्याकांड में आखिरकार अदालत ने शुक्रवार को सजा का एलान करते हुए मुख्य आरोपी पुलकित आर्य समेत तीनों आरोपियों को दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा सुनायी।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीना नेगी की अदालत ने आज सजा का एलान किया। भाजपा के पूर्व नेता विनोद आर्या के पुत्र एवं ऋषिकेश के वनंतरा रिसॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य को भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 201 और 354 के तहत दोषी करार देते हुए उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जबकि रिसॉर्ट के प्रबंधक सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को साक्ष्य मिटाने के मामले में भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 302 और 201 के तहत दोषी ठहराते हुए दोनों को भी आजीवन कारावास की सजा सुनायी है।

अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता अवनीश नेगी के अनुसार तीनों को हत्या का दोषी करार दिया गया है और उम्रकैद की सजा सुनाई गयी है।

उल्लेखनीय कि वर्ष 2022 में अंकिता हत्याकांड सामने आया था। अंकिता ऋषिकेश के पास वनंतरा रिसॉर्ट में रिसेप्सनिष्ट के पद पर तैनात थी। वह 18 सितम्बर, 2022 को यकायक लापता हो गयी थी।

सेना प्रमुख द्विवेदी ने कश्मीर में सेना चौकियों का दौरा किया

जम्मू, 30 मई। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज यहां जम्मू-कश्मीर के सुंदरबनी सेक्टर में अग्रिम इलाकों और चौकियों का दौरा कर क्षेत्र में स्थित विभिन्न सैन्य इकाईयों की परिचालन तत्परता का आकलन किया। जम्मू स्थित रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने यहां कहा कि इस दौरान सेना प्रमुख को मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य और नियंत्रण रेखा पर सेना की परिचालन गतिशीलता के बारे में जानकारी दी गई जिससे मौजूदा रणनीतिक माहौल की व्यापक तस्वीर सामने आई। इस बीच सेना प्रमुख ने सैनिकों के साथ बातचीत में ऑपरेशन सिंदूर में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन की सराहना की और सभी रैंकों को उनकी व्यावसायिकता, समर्पण और दृढ़ ता के लिए शाबाशी दी।

15 नर्सों को राष्ट्रीय फ्लोरैंस नाइटिंगेल पुरस्कार

नयी दिल्ली, 30 मई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में विभिन्न वर्ग की 15 नर्सों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार से सम्मानित किया।

पुरस्कृत नर्सों में एएनएम (सहायक नर्स मिडवाइफ) वर्ग में अंडमान निकोबार की रेबा रानी सरकार, आंध्र प्रदेश की वलिवेती सुभावती, दादर-नगर हवेली एवं दमन-दीव की सरोज फकीरभाई पटेल, लक्षद्वीप की रजिया बेगम पीबी और महाराष्ट्र की सुजाता अशोक बागुल , एलएचवी (लेडी हेल्थ विजिटर) वर्ग में असम की बीना पानी डेका, नर्स वर्ग में अरुणाचल प्रदेश की किजुम सोरा कारगा, दिल्ली की डिम्पल अरोड़ा और मेजर जनरल शीना पी डी, कर्नाटक की डॉ बानू एमआर, मणिपुर की लीमापोकपम रंजीता देवी, मिजोरम की वी लालमंगई, पुडुचेरी की एलएस मणिमोझी, तमिलनाडु की के अलामेलु मंगयारकरसी और पश्चिम बंगाल की डॉली बिस्वास शामिल हैं।

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से दिया जाता है। इसका उद्देश्य उत्कृष्ट नर्सिंग कर्मियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए सम्मान देना है।

'वर्ष 2026 के अंत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मौजूद रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होने के बावजूद राम दरबार को दर्शनार्थियों के लिये खोला नहीं जायेगा क्योंकि इससे निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न हो सकती है मगर सभी मूर्तियों की विधिवत पूजा अर्चना शुरु हो जायेगी। उन्होने कहा कि देवोत्थान एकादशी के बाद भगवान विष्णु के शेषावतार की प्राण प्रतिष्ठा का एक और कार्यक्रम हो सकता है। मंदिर निर्माण अगले साल के अंत तक पूरा होने की संभावना है जो विशाल परिसर के साथ अपने भव्य रुप में होगा।

कांग्रेस ने शशि थरूर के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्वारा प्रतिनिधिमंडल के लिए चुने गए नाम पर आपत्ति जताई और कहा कि युसूफ पठान प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा नहीं होंगे, तो सरकार ने उनकी बात मान ली। इससे ममता को अपने नंबर दो नेता, अभिषेक बनर्जी को नामित करने का मौका मिल गया। इसके विपरीत, कांग्रेस ने थरूर को टीम में शामिल होने की स्वीकृति नहीं दी, बल्कि उसने कहा कि यह पूरी कवायद प्रधानमंत्री मोदी को उन कठिन सवालों से दूर रखने के लिए की जा रही है, जिनका उत्तर प्रधानमंत्री से मांगा जा रहा है।

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने स्वीकार किया कि अगर सरकार ने शुरुआत में ही अभिषेक बनर्जी का नाम प्रस्तावित

- **पर, शशि थरूर की ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में की गई, अमेरिका की यात्रा का कांग्रेस कोई लाभ नहीं उठा पायी।**

किया होता, तो ममता कोई विवाद खड़ा ही नहीं करतीं। अभिषेक बनर्जी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए इस बात पर जोर दे रहे हैं कि तृणमूल कांग्रेस भी राष्ट्रवाद पर उतनी ही आक्रामक हो सकती है जितनी कि भाजपा। टोक्यो में उन्होंने कहा, ''अगर आतंकवाद एक पागल कुत्ता है, तो पाकिस्तान उसका गंदा रखवाला है। हमें पहले इस जंगली रखवाले को काबू में करना होगा - नहीं तो यह और भी पागल कुत्ते पैदा करता रहेगा।'' अभिषेक के इस बयान का तृणमूल कांग्रेस खूब प्रचार कर रही है। टोक्यो में अभिषेक ने रास बिहारी बोस के स्मृति-स्थल का दौरा किया और उसकी उपेक्षित और जीर्ण-शीर्ण हालत के मुद्दे को उठाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने हमारे राजदूत और टोक्यो स्थित भारतीय दूतावास से अनुरोध किया है कि वे संबंधित अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को उठाएं और सुनिश्चित करें कि इस अद्वितीय वीर को वह सम्मान मिले जिसके वे वास्तव में हकदार हैं।

मोदी अपने मंत्रिमण्डल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिया है। कांग्रेस नेतृत्व इस अभियान से बार-बार दूरी बनाता रहा है, यह कहते हुए कि इससे मतदाता ध्रुवीकृत हो सकते हैं। थरूर का स्वतंत्र रुख उनके सत्ताधारी दल के प्रति बढ़ते झुकाव की अटकलों को और तेज कर रहा है।

कांग्रेस की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब वरिष्ठ पार्टी नेता और कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य सलमान खुर्शीद ने अपनी इंडोनेशिया यात्रा के दौरान सुर्खियां बटोरीं। प्रमुख बुद्धिजीवियों से बातचीत के दौरान एक चौंकाने वाले बयान में खुर्शीद ने अनुच्छेद 370 के हटाए जाने का समर्थन किया। जबकि यहएक ऐसा मुद्दा है, जिसका कांग्रेस परंपरागत रूप से विरोध करती रही है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में 65 प्रतिशत मतदान को लोकतांत्रिक जुझारूपन का प्रमाण बताया। उनके बयान ने कांग्रेस खेमे में बेचैनी पैदा कर दी है, क्योंकि कई नेता इसे पार्टी लाइन से अलग रुख मान रहे हैं। इस बीच, पंजाब से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने एक और तूफान खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान के वैश्विक नैरेटिव का जवाब देने के लिए एक प्रमुख कूटनीतिक मिशन के लिए अपने ही दल द्वारा नज़रअंदाज़ किए जाने के बाद, तिवारी से कथित रूप से सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय ने संपर्क किया। पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष और राहुल गांधी के साथ तनावपूर्ण संबंधों के लिए चर्चा में रहे तिवारी ने इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है, जिससे कांग्रेस के भीतर अंदरूनी तनाव और बढ़ गया है। सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी अपने मंत्रिपरिषद में बड़ा फेरबदल करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें प्रदर्शन में पिछड़ रहे कई भाजपा नेताओं को हटाया जा सकता है। इस कदम का उद्देश्य महत्वपूर्ण राज्य चुनावों से पहले शासन व्यवस्था को नई ऊर्जा देना और मंत्रिमंडल को प्रधानमंत्री की बदलती राजनीतिक और कूटनीतिक सोच के अनुरूप बनाना है। जैसे-जैसे गठबंधन बदल रहे हैं और वफादारियों की सीमाएं धुंधली हो रही हैं, आने वाले हफ्तों में भारतीय राजनीति का सत्ता संतुलन पूरी तरह से बदल सकता है-इसके दूरगामी असर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों पर पड़ सकते हैं।

Grand Opening of
KCJ Diagnostic & Research Centre
Powered by
Life Cell
Authorised
COLLECTION CENTRE
Date : 31st May, 2025, 9:00 am.
Special Guest :
Dr. Keshav Joshi
Mahant Nagar Colony, Shop No. 3-4
Khatipura, Jaipur-302012

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908